बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 25 अप्रैल 2024
वर्ष-34, अंक-88, पृष्ठ-16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य- 5 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

ब्रॉउन इ्वार्फ के मीथेन की आश्चर्यजनक खोज 16

किंग में डॉन का किरदार निभाएंगे शाहरूख 15

एक नजर

स्कूलों के खुलने व बंद होने का समय आज से बदला

लखनऊ : बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित सभी सरकारी व निजी विद्यालयों के खुलने और बंद होने के समय में गुरुवार से बदलाव किया गया है। कक्षा एक से 8 तक प्रात: 7:30 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक शिक्षण कार्य किया जायेगा। शिक्षकों को प्रात: 7 बजे विद्यालय पहुंचना होगा। इस संबंध में शासन के बाद विभाग की ओर से भी दिशा निर्देश जारी किए गये हैं।

बांदीपोरा में आतंकवादियों से मुठभेड़, दो जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो सैनिक घायल हो गए। आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बांदीपोरा के अरागाम के रेन्जी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान जारी है। बुधवार तड़के सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई थी। शुरुआती गोलीबारी में दो सैनिक घायल हो गए और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आतंकवादियों को इलाके से फरार होने से रोकने के लिए हवाई निगरानी के लिए आज सुबह से हेलीकॉप्टर और ड्रोन को भी सेवा में लगाया गया है।

पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में किया गिरफ्तार

हल्द्वानी। राजधानी में सक्रिय एक आदतन नशा तस्कर को देहरादून पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत पहली बार जेल भेजने की कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट गृह सचिव को भेजी तो उन्होंने आरोपी को पांच सप्ताह के लिए जेल में बंद करने के निर्देश दिए। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि रायपुर थाने में एसओ कुंदन राम के नेतृत्व में एक टीम का गठन नशा तस्करों के खिलाफ किया गया।

चुनावी भाषण के दौरान नितिन गडकरी बेहोश

यवतमाल। भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पूर्वी महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक चुनावी रैली में भाषण के दौरान बेहोश हो गये। वह पुसाद में चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो यवतमाल-वाशिम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गडकरी जैसे ही बेहोश हुए उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें मंच से बाहर ले गए। हालांकि, केंद्रीय मंत्री कुछ मिनट बाद ठीक हो गए और उन्होंने अपना भाषण पूरा किया। गडकरी (66) ने ''एक्स'' पर इस घटना की जानकारी देते हुए एक पोस्ट में कहा महाराष्ट्र के पुसाद में एक चुनावी रैली में गर्मी के कारण बेचैनी महसूस हुई। लेकिन अब मैं पूरी तरह ठीक हूं और अगली रैली में हिस्सा लेने के लिए वरुड जा रहा हूं।

मंच पर बेहोश हुए गडकरी को संभालते पार्टी कार्यकर्ता।

दूसरे चरण की 88 सीटों पर मतदान कल

- 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा।

निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना था, लेकिन बसपा उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव 7 मई को तीसरे चरण में होगा। इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जायेंगे और मतगणना चार जून को होगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण के लिये 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिये कई रैली और रोड शो किये। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी प्रचार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने जमकर चुनाव प्रचार किया।

इन राज्यों की सीटों पर होगा मतदान

इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा।

उप्र में 81 पुरुष व 10 महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में

लखनऊ। प्रदेश में दूसरे चरण की आठ सीटों पर कुल 91 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिसमें 81 पुरुष व 10 महिला प्रत्याशी हैं। कुल 1,67,77,198 मतदाता मतदान करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण में 90,26,051 पुरुष मतदाता, 77,50,356 महिला मतदाता व 791 थर्ड जेंडर हैं। सभी सीटों अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ व मथुरा में मतदान के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। पोलिंग पार्टियों को रवाना होने के निर्देश दिये गये हैं। मतदान के दौरान मतदाताओं को गर्मी व लू से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। मतदान केंद्रों पर समुचित सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदाता पहचान पत्र के लिए 12 विकल्पों का प्रयोग भी कर सकेंगे।

दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर सियासी बवंडर

विरासत कर लगाकर अधिकार छीनना चाहती है कांग्रेस : मोदी

अंबिकापुर (छत्तीसगढ़), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका में विरासत कर संबंधित सैम पित्रोदा की टिप्पणी को लेकर बुधवार को कांग्रेस को घेरा। मोदी ने कहा कि पार्टी विरासत कर लगाकर लोगों और उनके बच्चों का अधिकार छीनना चाहती है। मोदी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस के खतरनाक इरादे एक के बाद एक खुलकर सामने आ रहे हैं। शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार ने कहा था कि देश के मध्यम वर्ग के लोग जो मेहनत करके कमाते हैं, उन पर ज्यादा कर लगना चाहिए। इन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐसा कहा था। उन्होंने कहा, अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। कांग्रेस का कहना है कि अब वह माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी कर लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति बनाते हैं, वह आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। कांग्रेस सरकार का पंजा उसे भी आपसे छीन लेगा।

मोदी विरासत कर कानून पर अमेरिका के शिकागो में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान का जिक्र कर रहे थे। पित्रोदा ने अमेरिका के 'विरासत कर' वाली व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा, अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है और जब उसकी मृत्यु हो जाती है तो इसमें से केवल 45 फीसदी उसके बच्चों को मिल सकती है। शेष

- प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस का मंत्र है- लूट जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी

सरकार के पास आ जाती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मंत्र है- कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी। मोदी ने कहा, जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस ज्यादा कर से मारेगी और जब आप जीवित नहीं रहेंगे तो आप पर विरासत कर का बोझ लाद देगी। मोदी ने कहा, कांग्रेस नहीं चाहती कि आम भारतीय अपनी संपत्ति अपने बच्चों को दें। उन्होंने कहा, हमारे माता-पिता, दादा-दादी, अपने हर गहनों को यह सोचकर संभालकर रखते हैं कि पोते-पोतियों को उनकी शादी में पहनाएंगे... मेरे देश के लोग कर्ज लेकर जीवन जीने के शौकीन नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस देश के मूलभूत संस्कार पर कड़ा प्रहार करने जा रही है।

पित्रोदा का बयान उनकी निजी राय : कांग्रेस

नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पित्रोदा के बयान को उनकी व्यक्तिगत राय करार दिया और पलटवार करते हुए कहा कि भारत में 'विरासत कर' वाली व्यवस्था लागू करने का विचार भाजपा एवं मोदी सरकार का है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, विरासत कर लागू करने की कांग्रेस की कोई योजना नहीं है। वास्तव में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1985 में संपदा शुल्क को खत्म कर दिया था। दरअसल, यह मोदी सरकार ही है जो ऐसा करना चाहती है। रमेश ने कहा, पित्रोदा जी मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं जिनके बारे में वह बोलना ज़रूरी समझते हैं।

मेरा बयान तोड़ मरोड़कर पेश किया : पित्रोदा

सैम पित्रोदा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया। पित्रोदा ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका में विरासत कर पर एक व्यक्ति के रूप में मैंने जो कहा, उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया ताकि प्रधानमंत्री कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में जो झूठ फैला रहे हैं, उससे ध्यान भटका सके। मैंने टीवी पर अपनी सामान्य बातचीत में केवल एक उदाहरण के रूप में अमेरिका में विरासत कर का उल्लेख किया था। इसका कांग्रेस सहित किसी भी पार्टी की नीति से कोई लेना-देना नहीं है।

31 मई तक लिंक किया तो कम कटौती के लिए कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि यदि करदाता 31 मई तक अपने पैन को आधार से जोड़ देते हैं, तो टीडीएस की कम कटौती के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर नियमों के अनुसार, यदि स्थायी खाता संख्या (पैन) को बायोमेट्रिक आधार से नहीं जोड़ा जाता है, तो लागू दर के मुकाबले दोगुनी दर से स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) की जाएगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने परिपत्र में कहा कि करदाताओं से कई शिकायतें मिली हैं कि उन्हें इस बारे में नोटिस मिले हैं। नोटिस में कहा गया है कि उन्होंने ऐसे लेनदेन करते समय टीडीएस /टीसीएस की कम कटौती/ संग्रह करने की चूक की है, जहां पैन निष्क्रिय थे। ऐसे मामलों में चूंकि कटौती/ संग्रह उच्च दर पर नहीं किया गया है, लिहाजा विभाग ने टीडीएस/ टीसीएस विवरणों के प्रसंस्करण के दौरान कर मांग की है। एकेएम ग्लोबल में साझेदार (कर) संदीप सहगल ने कहा कि जल्द से जल्द पैन को आधार से जोड़ लेना चाहिए।

पैन-आधार लिंक मामले में टीडीएस कटौती

तुलसियानी ग्रुप के 10 ठिकानों पर छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कंपनी तुलसियानी ग्रुप के प्रयागराज, लखनऊ, दिल्ली और नोएडा स्थित ठिकानों पर बुधवार को छापेमारी की। ग्रुप पर निवेशकों और बैंक के करोड़ों रुपए हड़पने का आरोप है। ईडी ने दिसंबर 2023 में कंपनी के खिलाफ मनी लांड्रिंग के तहत केस दर्ज किया था। छापेमारी के दौरान क्या-क्या मिला यह अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि सूत्रों के मुताबिक टीम ने कई दस्तावेजों को अपने हाथों में लिया है।

गौरतलब हो कि तुलसियानी ग्रुप के खिलाफ दर्जनों निवेशकों ने करीब 30 करोड़ रुपये डकारने के मामले में एफआईआर दर्ज करा रखा है। वहीं, पंजाब नेशनल बैंक ने भी तुलसियानी ग्रुप पर कर्ज हड़पने के आरोप में एफआईआर भी दर्ज करा रखा है। ग्रुप ने फर्जी दस्तावेज लगाकर बैंक से 4.63 करोड़ का कर्ज लिया था। बैंक मैनेजर की शिकायत पर ग्रुप के निदेशक महेश तुलसियानी, अनिल कुमार तुलसियानी और अन्य पूर्व निदेशकों पर हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस उक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज चुकी है। बता दें कि फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की पत्नी भी बतौर ब्रांड एंबेस्डर तुलसियानी ग्रुप से जुड़ी थी।

ईडी की कार्रवाई

- लखनऊ, प्रयागराज, नोएडा, दिल्ली और गुरुग्राम में छापा मारा
- निवेशकों का 30 करोड़ हड़पने के आरोप में दर्ज है एफआईआर

विधायक के कार्यालय भी पहुंची टीम

लखनऊ। भाजपा से हरैया विधायक अजय सिंह के गोमती नगर विस्तार स्थित कार्यालय में भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची। इस प्रकरण पर अजय सिंह ने मीडिया को बयान देते हुए कहा कि टीम जांच कर ले उसके बाद जो भी वह प्रश्न करेगी हम जवाब देने को तैयार हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अफसरों ने मुझसे अभी तक कोई बात नहीं की है। हमारा कार्यालय बंद है, लेकिन कार्मिक वहां पर खड़े हैं। मैं चुनाव प्रचार में व्यस्त हूं।

देश में शरिया कानून व तालिबानी बर्बरता चाहती है कांग्रेस : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कांग्रेस पर जमकर बरसे योगी, इंडी गठबंधन की नीयत पर उठाए सवाल
- कहा, कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में कटौती कर अल्पसंख्यकों को देने की
- कांग्रेस के घोषणापत्र में दिखाई दिए आधी आबादी के अपमान के इरादे

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नीयत पर सवाल उठाए। योगी ने कहा कि कांग्रेस को देश की कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए। वह महिलाओं पर बर्बर अत्याचार करने वाले तालिबानी प्रवृत्ति को भारत में लागू करना चाहती है। ये लोग तीन तलाक का समर्थन करते हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आमंत्रित मीडिया के सामने अपनी बात रख रहे थे। इससे पहले उन्होंने पाटी कार्यालय में मीडिया सेंटर की शुरुआत भी की। योगी ने यहां कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र में आधी आबादी के अपमान के इरादे साफ दिखाई देते हैं। ये देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिसमें कांग्रेस की मंशा स्पष्ट उजागर होती है। उन्होंने यह भी कहा कि इनकी मंशा एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डकैती डालने की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपीए सरकार अपने शासनकाल में पूर्व चीफ जस्टिस एवं कांग्रेस सांसद रंगनाथ मिश्रा कमीशन सिफारिशों को लागू करना चाहती थी। रंगनाथ मिश्रा कमीशन के तहत ओबीसी को मिलने वाले 27 प्रतिशत आरक्षण में छह प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदाय को देने की बात है।

मुख्यमंत्री के अनुसार कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी के अधिकारों में भी घुसपैठ करने की है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपीए सरकार में आई सच्चर कमेटी की रिपोर्ट है, जिसे भाजपा के भारी विरोध के कारण उन्हें वापस लेना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणापत्र में संपत्ति का सर्वे कराने की बात कर रही है। वे लोग उसके बाद संपत्ति का अपने अनुसार बंदरबांट करेंगे।

यूपीए सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात का उल्लेख भी किया था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने देश में चार जातियों की बात की है, गरीब, किसान, युवा और महिला। इसमें किसी जाति, मत-मजहब की बात नहीं है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, मंत्री असीम अरुण, मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, महामंत्री अनूप गुप्ता, हरीश श्रीवास्तव, हिमांशु दुबे सहित अन्य पार्टीजन मौजूद रहे।

मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना अब्दुल अलीम फारुकी का इंतकाल

लखनऊ। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना अब्दुल अलीम फारुकी का बुधवार की सुबह लखनऊ के चौधरी गढैया स्थित आवास पर इंतकाल हो गया। वह 76 साल के थे और पैंक्रियाज कैंसर से जूझ रहे थे। शाम को अस्र की नमाज के बाद नदवतुल उलेमा में उनकी नमाज-ए-जनाजा हुई और उसके बाद ऐशबाग कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया। मौलाना जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के उपाध्यक्ष थे। वह दारुल उलूम देवबंद और नदवतुल उलेमा लखनऊ के कार्यकारिणी सदस्य थे।

कोटक महिंद्रा बैंक को ऑनलाइन ग्राहक जोड़ने व क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया।

रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के खिलाफ पर्यवेक्षी कार्रवाई को लेकर जारी बयान में कहा कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करना जारी रखेगा। वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिज़र्व बैंक की बैंक की आईटी जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं को व्यापक और समय पर ढंग से निपटान करने में बैंक की ओर से लगातार विफलता के आधार पर ये कार्रवाई की गयी है।

- अनियमितताओं के चलते रिजर्व बैंक ने लिया निर्णय

आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन और परिवर्तन प्रबंधन, उपयोगकर्ता पहुंच प्रबंधन, विक्रेता जोखिम प्रबंधन, डेटा सुरक्षा और डेटा लीक रोकथाम रणनीति, व्यापार निरंतरता और आपदा वसूली कठोरता और ड्रिल के क्षेत्रों में गंभीर कमियां और गैर-अनुपालन देखे गए। लगातार दो वर्षों तक, नियामक दिशानिर्देशों के तहत बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया था। बाद के आकलन के दौरान, बैंक को वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा जारी सुधारात्मक कार्य योजनाओं के साथ काफी गैर-अनुपालनकारी पाया गया, क्योंकि बैंक द्वारा प्रस्तुत अनुपालन या तो अपर्याप्त, गलत या टिकाऊ नहीं पाया गया।

हृदयाघात से हाथरस के भाजपा सांसद का निधन

अलीगढ़। भाजपा नेता एवं हाथरस लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजवीर सिंह दिलेर का हृदयाघात से निधन हो गया। अलीगढ़ में आवास पर हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन से समर्थकों और परिजनों में शोक है। राजवीर का इस बार भाजपा ने टिकट काट दिया है। बुधवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए थे। वह 66 वर्ष के थे। राजवीर सिंह दिलेर 2019 में हाथरस लोकसभा सीट से 2.60 लाख मतों से जीते थे। तीन दिन पहले वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अलीगढ़ में आयोजित जनसभा में मंच पर उपस्थित रहे थे। राजवीर सिंह दिलेर के पिता किशनलाल दिलेर भी भाजपा के दिग्गज नेता रहे। वह लगातार पांच बार विधायक और चार बार सांसद रहे थे।

- अलीगढ़ में तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में कराया भर्ती

जनहित में निजी संपत्ति का अधिग्रहण नहीं, कहना खतरनाक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि संविधान का उद्देश्य सामाजिक बदलाव की भावना लाना है और यह कहना खतरनाक होगा कि किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति को समुदाय का भौतिक संसाधन नहीं माना जा सकता और सार्वजनिक भलाई के लिए राज्य प्राधिकारों द्वारा उस पर कब्जा नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ-सदस्यीय संविधान पीठ ने ये टिप्पणी की। पीठ इस बात पर गौर कर रही है कि क्या निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है। इससे पहले मुंबई के प्रॉपर्टी ऑनर्स एसोसिएशन

पीठ इस बात पर गौर कर रही है कि क्या निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है

(पीओए) सहित विभिन्न पक्षों के वकील ने जोरदार दलील दी कि संविधान के अनुच्छेद 39(बी) और 31सी की संवैधानिक योजनाओं की आड़ में राज्य अधिकारियों द्वारा निजी संपत्तियों पर कब्जा नहीं लिया जा सकता है। पीठ विभिन्न याचिकाओं से उत्पन्न जटिल कानूनी प्रश्न पर विचार कर रही है कि क्या निजी संपत्ति को संविधान के अनुच्छेद 39(बी) के तहत समुदाय का भौतिक संसाधन माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 39(बी) राज्य नीति निर्देशक तत्वों (डीपीएसपी) का हिस्सा है। पीठ ने कहा, यह कहना थोड़ा अतिवादी हो सकता है कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का अर्थ सिर्फ सार्वजनिक संसाधन हैं और उसकी उत्पत्ति किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति में नहीं है। मैं आपको बताऊंगा कि ऐसा दृष्टिकोण रखना क्यों खतरनाक है।

पीठ ने कहा, खदानों और निजी वनों जैसी साधारण चीजों को लें। उदाहरण के लिए, हमारे लिए यह कहना कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत सरकारी नीति निजी वनों पर लागू नहीं होगी... इसलिए इससे दूर रहें। यह बेहद खतरनाक होगा। पीठ में न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, बी वी नागरत्ना, सुधांशु धूलिया, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, राजेश बिंदल, सतीश चंद्र शर्मा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल हैं। पीठ ने 1950 के दशक की सामाजिक और अन्य प्रचलित स्थितियों का जिक्र करते हुए कहा, "संविधान का मकसद सामाजिक बदलाव लाना था और हम यह नहीं कह सकते कि निजी संपत्ति पर अनुच्छेद 39(बी) का कोई उपयोग नहीं है।" पीठ ने कहा कि अधिकारियों को जर्जर इमारतों को अपने कब्जे में लेने का अधिकार देने वाला महाराष्ट्र कानून वैध है या नहीं, यह पूरी तरह से भिन्न मुद्दा है और इस पर अलग से विचार किया जाएगा। सुनवाई पूरी नहीं हुई और यह बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगी।

मैनहोल में गिरकर बच्चे की मौत मामले का उच्च न्यायालय ने लिया स्वत : संज्ञान

विधि संवाददाता, लखनऊ

- पूछा, और कितनी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने मैनहोल में गिरकर आठ साल के बच्चे शाहरुख की मौत की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। न्यायालय ने मामले में स्वतः संज्ञान जनहित याचिका दर्ज करते हुए नगर आयुक्त, लखनऊ नगर निगम व उपाध्यक्ष, एलडीए को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा है कि हम जानना चाहते हैं कि इस प्रकार के और कितने हादसे पहले हो चुके हैं तथा नगर निगम के अधिकारियों द्वारा क्या कोई लापरवाही की गई है। न्यायालय ने कहा है कि हम यह भी जानना चाहते हैं कि शहर में और ऐसे कितने मैनहोल खुले हुए हैं। लोगों की जिंदगियों को बचाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने पारित किया है। कोर्ट की नियमित कार्यवाही के दौरान न्यायालय ने अखबारों में छपी उक्त हादसे की खबर का संज्ञान लिया। वहीं बार की ओर से अधिवक्ता आदर्श मेहरोत्रा ने न्यायालय को बताया कि खबरों के मुताबिक शहर में ऐसे कई मैनहोल और पाइप लाइन हैं जो खुले पड़े हुए हैं और इस तरह के दर्दनाक हादसे की सम्भावना बनी हुई है।

एक नजर

कांग्रेस में चुनावी बैठकों का संचालन करेंगे नितिन शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में कांग्रेस की चुनावी रैली व बैठकों का संचालन पार्टी नेता नितिन शर्मा करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने चुनाव के संचालन में सहयोग करने के लिए संचालन कमेटी का सदस्य नामित किया है। नितिन को प्रशासन से समन्वय बनाने, बैठकों-सभाओं के लिए अनुमति लेने, बैठकों का संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई है। नितिन शर्मा ने वर्ष 1984 से राष्ट्रीय छात्र संगठन से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की। वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं।

सत्यापन से पता चलेगी कार्यों की प्रगति

पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स पर दर्शाए गए आंकड़ों की होगी जांच, दिए गए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गांवों में निर्धारित नौ थीम पर कराए गए कार्य व उनके पंचायत डेवलपमेंट इंडेक्स (पीडीआई) पोर्टल पर दर्शाए गए आंकड़ों का सत्यापन कराया जाएगा। इससे कार्यों की हकीकत पता चलेगी और पोर्टल का पूरी तरह से क्रियान्वयन होगा।

दरअसल, गांवों में जो विशेष नौ थीमों पर विभागों द्वारा कार्य कराए जाते हैं, उनमें एकीकृत व्यवस्था न होने के कारण प्रगति का पता नहीं चलता है। इसके लिए पिछले वर्ष केंद्र ने पीडीआई पोर्टल लागू कर 12 विभाग को एक साथ जोड़ा था। इस व्यवस्था में कार्य कराने के साथ आंकड़े पोर्टल पर फीड करना अनिवार्य है। इससे सभी विभागों की प्रगति का पता चलता है। वहीं प्रदेश में अब तक 58 फीसद आंकड़े ही फीड हो पाए हैं।

ये 12 विभाग कराते हैं कार्य

कृषि, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण, पशुधन और डेयरी, महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता, पेयजल एवं स्वच्छता, खाद्य एवं रसद व पंचायती राज विभाग। इनमें पंचायती राज विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

विकास कार्यों की ये नौ थीम

गरीबी मुक्त गांव, स्वस्थ गांव, बाल मैत्री गांव, पर्याप्त जल युक्त गांव, स्वच्छ और हरित गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे वाला गांव, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव, महिला हितैषी गांव।

ये है स्थिति

कुल ग्राम पंचायत - 57,702
ग्राम पंचायत स्तर पर फीडिंग - 56,918
ब्लॉक स्तर पर सत्यापन - 33,972

"पीडीआई के आंकड़ों का सत्यापन कराने के निर्देश सभी मुख्य विकास अधिकारी को दिए हैं। इससे कार्यों की प्रगति पता चलेगी और एकीकृत व्यवस्था का क्रियान्वयन होगा। कार्यों में पारदर्शिता आएगी।
- अटल कुमार राय, निदेशक, पंचायती राज विभाग

साइबर थानों के लिए 1,425 पदों का सृजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : साइबर अपराधियों से दो-दो हाथ करने के लिए गृह विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जिलों में मूलभूत संसाधनों की जुटान भी शुरू हो गई है। विभाग ने 57 जनपदों में कार्मिकों की तैनाती के लिए ब्योरा शासन को भेज दिया है, जिसकी स्वीकृति भी हो गई है। कुल मिलाकर 1,425 पदों का सृजन किया गया है। यानी एक थाने में 25 का स्टॉफ रहेगा।

शासन ने जिन जिलों के साइबर क्राइम थानों में कार्मिक तैनात करने के लिए पदों का सृजन किया है,

▸▸ प्रत्येक थाने में पांच इंस्पेक्टर, पांच सब इंस्पेक्टर सहित 25 कर्मियों का होगा स्टॉफ

उनमें उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, इटावा, फतेहगढ़, कन्नौज, औरैया, मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, सुलतानपुर, बाराबंकी, अमेठी, अंबेडकर नगर, एटा, हाथरस, कासगंज, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, बदायूं, शाहजहांपुर, पीलीभीत, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, सोनभद्र, भदोही, मऊ, बलिया, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, ललितपुर, जालौन, मुजफ्फरनगर और शामली शामिल है।

इन पदों पर कार्मिकों की होगी तैनाती

प्रत्येक साइबर क्राइम थाने में 25 पदों का सृजन किया गया है। इनमें से पांच निरीक्षक, पांच उपनिरीक्षक, तीन मुख्य आरक्षी, दो कंप्यूटर आपरेटर, सात आरक्षी, एक चालक और दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी होंगे। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संविदा के आधार पर लिए जाएंगे।

प. बंगाल से गल्फ देशों तक चेन्नई के रास्ते भेजा जा रहा गोमांस

गिरफ्तार आरोपी की कंपनी का टर्नओवर 20 से 22 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में सी-फूड की सप्लाई के नाम पर गोमांस की तस्करी धड़ल्ले से जारी है। इसी हफ्ते एसटीएफ ने गिरोह के एक सदस्य को पकड़ा है, जिसके पास लाइसेंस तो सी-फूड सप्लाई का है, लेकिन सप्लाई गोमांस कर रहा था। इस बार जो आरोपी पकड़ा गया है, उसका माल दक्षिण अफ्रीका और गल्फ कंट्रीज तक जाता है। एसटीएफ ने इस आरोपी को जालौन के झांसी-कानपुर हाईवे पर पकड़ा है। आरोपी पर 50 हजार का इनाम भी घोषित था।

एएसपी दिनेश कुमार सिंह के मुताबिक, 21 अप्रैल को जनकराज शर्मा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद बुधवार को मो. लईक

▸▸ सी-फूड सप्लाई का लाइसेंस लेकर हो रहा था खेल

को गिरफ्तार किया। मूल रूप से बिजनौर के स्योहारा के रहने वाले मो. लईक द्वारा 20 दिसंबर 2023 को टाटा कन्टेनर अरविया इंटर प्राइजेस नई दिल्ली से सी-फूड के नाम की बिल्टी बनवाकर, उसमें गोमांस लोड कराकर चेन्नई भेजा जा रहा था। जबकि उक्त माल अरीबा इन्टरप्राइजेज के चालान फार्म पर जगदीश कोल्ड स्टोरेज रामपुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया श्रीनगर नई दिल्ली से लोड होकर शामेन लाजिस्टिक लिमिटेड हैदराबाद तेलंगाना ले जाना अंकित था। इस संबंध में जालौन में गोवध अधि. के अंतर्गत मुकदमा भी पंजीकृत हुआ था। लईक लगभग 13 वर्षों से मीट का व्यवसाय कर रहा है।

एएसपी ने बताया कि 2019 से पूर्व इसके भाई अतीक अहमद का सहसपुर, जनपद बिजनौर में स्लाटर हाउस था। अल जुबैर फूड के नाम से इसकी कम्पनी है, जिसका आफिस अग्रवाल प्लाजा 2-फ्लोर, लारेन्स रोड, केशवपुरम में है। इस कम्पनी का सालाना टर्न ओवर लगभग 20-22 करोड़ है।

एएसपी ने बताया कि स्लाटर हाउस से गोमांस लेकर प्रोसेसिंग (हड्डी अलग करना) कराकर उसकी पैकिंग कराकर कन्टेनर के माध्यम से पश्चिम बंगाल से फारबिसगंज, गोपालगंज, (बिहार) कुशीनगर, बस्ती, फैजाबाद, कानपुर देहात, कालपी के रास्ते चेन्नई भेजा जाता है। चेन्नई से गल्फ कन्ट्री एवं दक्षिण अफ्रीका में भेजा जाता है।

घर बैठे बूथ की लोकेशन जान सकेंगे मतदाता

पोर्टल और एप के जरिए प्राप्त कर सकेंगे जानकारी, मतदाता सूची भी देख सकेंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मोहनलालगंज और लखनऊ संसदीय सीट पर मतदान प्रतिशत बढ़वाने के लिए प्रशासन ने नई पहल की है। इस बाद मतदाताओं को घर बैठे अपने बूथ के लोकेशन की जानकारी मिल जाएगी, साथ ही बूथ पर कितनी वेटिंग है, इसका पता भी लग जाएगा।

लखनऊ विकास प्राधिकारण के सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उक्त बात जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने कही। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से https://boothlocation.in/ पोर्टल लांच किया गया है। इसकी सहायता से मतदाता अपने बूथ की वोटर लिस्ट भी देख सकते हैं। जबकि ऑनलाइन वोटर पर्ची आदि की जानकारी के लिए वोटर हेल्पलाइन एप से ली जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में प्रेसवार्ता करतीं मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार व एलडीए उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी।

▸▸ शत प्रतिशत मतदान कराने वालों को किया जाएगा सम्मानित

कि वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए भी अलग से व्यवस्था कराई जा रही है। सभी बूथों पर पेयजल, शौचालय और शेड आदि व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मोहनलालगंज संसदीय सीट पर 62 प्रतिशत और लखनऊ संसदीय सीट पर 54 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार जिले में रिकार्ड 80 प्रतिशत मतदान कराना है। मतदान प्रतिशत बढ़वाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता पर्चियों का वितरण बीएलओ के माध्यम से कराया जाएगा। प्रत्येक मतदाता तक मतदाता पर्ची पहुंची है या नहीं, इसकी समीक्षा कराई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले स्तर पर 25 अधिकारियों को चिह्नित किया गया है, जो प्रतिदिन एक-एक एसोसिएशन में जा कर वहां आवासित लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी पदाधिकारी मतदान के दिन अपनी सोसायटी में शत प्रतिशत मतदाताओं का मतदान कराए। टॉप वोटिंग कराने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। लोक सभा सामान्य निर्वाचन के लिए कुल 3768 बूथ बनाए गए हैं। इस दौरान एलडीए उपाध्यक्ष इंद्रमणि त्रिपाठी, सीडीओ अजय जैन, एडीएम प्रशासन शुभी सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

14 मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट में बनाए गए पोलिंग बूथ

अमृत विचार : मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि जिले के 14 मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट्स में पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। बिल्डिंग में रहने वाले मतदाता वहीं पर मतदान कर सकेंगे।

मतदान के लिए बनाई जाएं बुलावा टोलियां

अमृत विचार, लखनऊ : मतदान के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) बच्चों की बुलावा टोलियां गठित करें। टोली घर-घर जाकर लोगों के मतदान का निशान देखें। जिन्होंने मतदान नहीं किया है उनको मतदान के लिए भेजें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों से कहा कि मतदान के लिए लोगों को जागरूक करें। मंडलायुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण सभागार में मौजूद एसोसिएशन के पदाधिकारियों को मतदान की शपथ दिलाई। विपुल खंड कल्याण समिति के पदाधिकारी किशोर शाह ने कहा कि उनकी कालोनी के दो लोग किसी काम से जोधपुर गए हैं। वे 20 मई से पहले वापस आ जाएंगे और मतदान करेंगे। शाह ने ऑनलाइन वोटर लिस्ट में दोनों के नाम चेक किए। वहीं दूसरे पदाधिकारी असित अग्रवाल ने बताया गया कि उनके बच्चे पढ़ाई के लिए गुड़गांव में हैं। दोनों बच्चे 20 मई को लखनऊ आकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

हाईकोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अयोध्या जनपद के कैंट क्षेत्र में सेना की जमीनों पर अवैध कब्जे के मामले में केंद्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

न्यायालय ने दोनों को तीन सप्ताह में विस्तृत हलफ़नामा दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने 'प्रोटेक्शन ऑफ डिफेंस लैंड एट अयोध्या' शीर्षक से दर्ज सुओ मोटो याचिका पर पारित किया।

उल्लेखनीय है कि उक्त मामले में दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने आदेश पारित करते हुए कहा था कि इस मामले में बेहतर होगा कि

▸▸ अयोध्या में सेना की जमीन पर कब्जे का मामला

वर्तमान याचिका पर सुनवाई के बजाय स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) याचिका दर्ज की जाए। मामले में न्यायालय के समक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल, स्टेशन हेडक्वार्टर, अयोध्या कैंट की ओर से 11 फरवरी 2023 को जिलाधिकारी, अयोध्या को भेजे गए एक पत्र का हवाला दिया गया था, इसके साथ ही जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा 19 फरवरी 2024 को डिफेंस अधिकारियों को उक्त मामले में भेजे गए पत्र को भी पेश करते हुए दावा किया गया है कि लगभग 13391 एकड़ जमीन सेना के रायफल रेंज के तौर पर संरक्षित है, जो कैंट क्षेत्र के कई गांवों में विस्तारित है। आरोप है कि उक्त जमीनों पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं।

डिजिटल पहल 'उत्तरा' से मिलेगी चुनाव की जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को नवीन डिजिटल पहल 'उत्तरा' का विमोचन किया। 'उत्तरा' का उद्देश्य मतदाताओं को चुनाव से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। इस डिजिटल माध्यम से मतदाता एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के आधिकारिक हैंडल्स के जरिए अपने प्रश्न पूछ सकेंगे। 'उत्तरा' प्रत्येक दिन डिजिटल वीडियो के माध्यम से इन प्रश्नों के उत्तर उपलब्ध करेगी।

कांग्रेस प्रत्याशी 26 को दाखिल करेंगे पर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. शहजाद आलम ने बताया कि लखनऊ पूर्वी विधानसभा से उप चुनाव प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान 26 अप्रैल को अपने केंद्रीय चुनाव कार्यालय सी-2009 निकट इरम कॉन्वेंट स्कूल इन्दिरा नगर से प्रातः 10 बजे अपने समर्थकों के साथ पर्चा दाखिल करेंगे।

नहीं उठा 1962 सेवा का फोन, गाय ने दम तोड़ा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चित्रकूट में सरकारी पशु चिकित्सकों की लापरवाही से एक गाय की मौत मामले का पशुपालन निदेशालय ने संज्ञान लेकर जांच के निर्देश दिए हैं। क्योंकि पशुपालक द्वारा की गई 1962 पर कॉल नहीं उठी। जबकि सरकारी चिकित्सक भी टरकाते रहे और गंभीर हालत होने पर दम तोड़ने के बाद पहुंचे।

पशुपालन विभाग में लापरवाही के मामले थम नहीं रहे हैं। चित्रकूट के थाना कर्वी अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर गोल तालाब निवासी गुरुदीन शुक्ला के अनुसार 16 अप्रैल को उनकी गाय बीमार हो गई। वह राजकीय पशु चिकित्सालय गए तो वहां के चिकित्सक ने घर जाकर उपचार करना ड्यूटी में न होना बताया और एक निजी

▸▸ चित्रकूट में चिकित्सकों की लापरवाही, जांच के निर्देश
▸▸ निदेशालय ने मांगी रिपोर्ट सीवीओ ने बनाई कमेटी

चिकित्सक का मोबाइल नंबर दिया। जो गुरुदीन के फोन करने पर घर पहुंचे और उपचार किया। दवा के साथ फीस ज्यादा होने पर वह दोबारा उपचार के लिए अस्पताल गए तो भी सरकारी चिकित्सक नहीं पहुंचे। 1962 टोल फ्री मिलाया तो नहीं उठा। 20 अप्रैल को गाय की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक को जानकारी दी। लेकिन, वह गाय की मौत होने के काफी देर बाद पहुंचे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि उपचार सरकारी चिकित्सक ने किया है। आरोप गलत है। जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है।

मतदान बढ़ाने को कराएं जागरूकता कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही मतदान केंद्रों पर लोगों के लिए आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने लोकसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदान केंद्र में अगर कोई कमी है तो उसे दूर किया जाए। संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में

▸▸ मंडलायुक्त ने लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

एसडीएम एवं पुलिस की टीमें संयुक्त रूप से गश्त करें। उन्होंने कहा कि किसी भी सार्वजनिक, सरकारी भवन पर पोस्टर, होर्डिंग्स नहीं लगी होनी चाहिए। यदि किसी ने पुनः कहीं लगा दी हो तो उसको तत्काल हटवा दें और उसका खर्चा प्रत्याशी के खर्चे में जोड़ते हुए दंडात्मक कार्रवाई करें।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि सभी मतदेय स्थलों पर बिजली, शौचालय और पानी की व्यवस्था की जाए। सेक्टर मजिस्ट्रेट, पीठासीन अधिकारी, उड़नदस्ता टीम, वीडियो निगरानी टीमें सक्रिय रहें। दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप, व्हीलचेयर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दिन मेडिकल कैंप लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार, संयुक्त पुलिस आयुक्त उपेंद्र अग्रवाल, अपर आयुक्त प्रशासन रणविजय यादव, सीडीओ अजय जैन आदि मौजूद रहे।

38 लाख के गांजे के साथ दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ की फील्ड इकाई प्रयागराज टीम ने बुधवार को सोनभद्र-वाराणसी मार्ग पर डेढ़ क्विंटल गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गांजे की कीमत 38 लाख रुपये है। गिरफ्तार आरोपियों में राम सिंह निवासी जगदीशपुर, जेठवारा प्रतापगढ़ एवं धर्मवीर सिंह निवासी बरी, किच्छा उधमसिंह नगर शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पूर्ण अमृत सरोवरों की फोटो समेत रिपोर्ट मांगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बने अमृत सरोवरों का ग्रामीण विकास मंत्रालय ने संज्ञान लिया है। पूर्ण हो चुके अमृत सरोवरों की फोटो के साथ रिपोर्ट मांगी है। शासन से हर ग्राम पंचायत पर दो अमृत सरोवर बनाने के निर्देश हैं। इस क्रम में 22 अप्रैल तक 17,194 अमृत सरोवर जिलों पूर्ण हो चुके है और इस्तेमाल हो रहा है। इन पूर्ण अमृत सरोवरों की ग्राम्य विकास मुख्यालय ने सभी मुख्य विकास अधिकारी से 28 अप्रैल तक फोटो के साथ रिपोर्ट मांगी है, जो ग्रामीण विकास मंत्रालय भेजी जाएगी।

डीजीपी प्रशांत कुमार के साथ भेंट करते एनएसजी ब्लैक कैट्स के आईजी दीपक कुमार केडिया।

पुलिस और एनएसजी के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : एनएसजी ब्लैक कैट्स के आईजी मुख्यालय दीपक कुमार केडिया बुधवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के साथ शिष्टाचार भेंट करते हुए यूपी पुलिस और एनएसजी के बीच बेहतर समन्वय, सामरिक महत्व एवं सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

मलेरिया मुक्त प्रदेश बनाने को जुटा स्वास्थ्य विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जनसामान्य में जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से प्रदेश में मलेरिया का प्रभाव कम हुआ है। अधिकतर जिलों में अब प्रति हजार एक से कम मलेरिया मरीज मिल रहे हैं। प्रदेश को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ विभाग गुरुवार 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर अस्पतालों-स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस साल का थीम है - अधिक न्यायोचित विश्व के लिए मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाना।

अपर निदेशक मलेरिया डॉ.सईद अहमद ने बुधवार को प्रदेश के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखकर जनजागरूकता के लिए सभी जरूरी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। पत्र के मुताबिक, वर्ष 2027 तक देश-प्रदेश को मलेरिया मुक्त करने के लिए

विश्व मलेरिया दिवस आज

▸▸ अस्पतालों व विद्यालयों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

बीमारी की रोकथाम व इस रोग के संबंध में जागरूकता बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसमें जनता को शुरुआती लक्षणों, सावधानियों और उपचार विकल्प के बारे में शिक्षित करना शामिल है।

उन्होंने जिले में छात्रों द्वारा जागरूकता रैली निकालने, हर रविवार मच्छर पर वार अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन करने और जनसमुदाय को मच्छर के प्रजनन स्थल व जल पात्रों को खाली करने के बारे में अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त निदेशक मलेरिया डॉ.विकास सिंघल ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन में सामुदायिक सहभागिता जरूरी है। किसी को मच्छर नजर आए तो उसको भगाने के उपाय करने चाहिए।

सपा शासन में दंगाइयों व आतंकियों को ही मिला था रोजगार: भूपेंद्र चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : इटावा में अखिलेश यादव की रैली में सपा प्रमुख द्वारा दिए गए वक्तव्यों पर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि वह झूठ फैलाकर सत्ता का सुख पाना चाहते हैं, लेकिन प्रदेश की जनता जानती है कि जब अखिलेश आते हैं तो युवाओं को नहीं, बल्कि दंगाइयों और आतंकियों को ही रोजगार मिलता रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बुधवार को जारी एक बयान में आरोप लगाया कि सपा ने सत्ता में रहते प्रदेश को बरबाद कर दिया था। लोग वो दौर भूले नहीं हैं, जब प्रदेश में तुष्टीकरण चरम पर था। बहुसंख्यक समाज को डराकर और धमकाकर रखा जाता था। राम का नाम लेने वाले को सांप्रदायिक कहा जाता था। अब प्रदेश की जनता ने ठान लिया है कि वो पुराना दौर वापस नहीं आने देगी।

समय से पहले पूरा होगा नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 2.65 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य समय से पहले पूरा होने की दिशा में है।

राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 50 लाख से ज्यादा शेष बचे घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत वित्तीय वर्ष के मात्र 18 दिनों में ही 2 लाख से अधिक घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो पहले क्वार्टर के लिए दिए गए 5 लाख से अधिक के लक्ष्य के सापेक्ष 40 प्रतिशत है। ऐसे में संभव है कि सरकार लक्ष्य से पहले ही इसे हासिल कर लेगी। इससे पहले 2023-24 में 85 लाख कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष करीब 140 प्रतिशत या करीब 1.19 करोड़ कनेक्शन वितरित किए गए थे।

दरअसल, प्रदेश सरकार 2.65

▸▸ 18 दिनों में ही दिए गए दो लाख से ज्यादा कनेक्शन

करोड़ से ज्यादा घरों में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इस क्रम में योजना की शुरुआत से लेकर 18 अप्रैल तक 2.17 करोड़ से ज्यादा घरों तक नल का कनेक्शन देने में सफलता मिली है, जबकि शेष 50 लाख घरों ने भी इस वित्तीय वर्ष में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

2024-25 के एक्शन प्लान के अनुसार पहले क्वार्टर में 5.29 लाख कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित है, जबकि दूसरे क्वार्टर में भी 5.29 लाख से ज्यादा का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं आखिरी दोनों क्वार्टर में शेष 40 लाख कनेक्शन का लक्ष्य है। इसके तहत तीसरे क्वार्टर में 10.5 लाख से ज्यादा का, जबकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में करीब 30 लाख कनेक्शन दिए जाने हैं।

ब्रेल पुस्तकों का राज्यपाल ने किया विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. अनीता भटनागर जैन की ओर से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए लिखी ब्रेल पुस्तकों का विमोचन किया। इसमें 'मिस सेहत' के हिंदी ब्रेल संस्करण व 'आवर अर्थ आवर होम' के अंग्रेजी ब्रेल संस्करण शामिल हैं।

इस मौके पर राज्यपाल ने इन पुस्तकों के वृहद उपयोग के लिए इन्हें दिव्यांग बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल कराने की अपेक्षा की। मालूम हो कि वर्तमान में करिकुलम एरिया ग्रुप, टीडब्लूएयू व एनसीईआरटी की सदस्य जैन की अब तक 17 भाषाओं में बच्चों के लिए पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। अब बच्चों के लिए उपयोगी जानकारियों वाली पांच कहानी की किताबें ब्रेल लिपि में आ गई हैं। 'मिस सेहत' इट राइट अभियान पर सचित्र कहानियों की पुस्तक है। 'आवर अर्थ आवर होम' पुस्तक में पर्यावरण और नैतिकता पर केंद्रित कहानियां हैं।

बसपा ने एक प्रत्याशी की सीट बदली, तीन उम्मीदवार घोषित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश में 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए बसपा ने बुधवार को सातवीं सूची में आजमगढ़ सीट के प्रत्याशी की सीट बदलते हुए कुल तीन सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिये हैं। साथ ही शाहजहांपुर में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में भी उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

माल एवेन्यू स्थित केन्द्रीय कार्यालय से राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल गौतम ने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए बताया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर आजमगढ़ की जगह अब सलेमपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा भदोही सीट पर इरफान अहमद

▸▸ आजमगढ़ सीट हुई रिक्त, एक विधानसभा उपचुनाव के लिए भी प्रत्याशी घोषित
▸▸ सलेमपुर, भदोही व हमीरपुर से उम्मीदवार घोषित

(बबलू) और हमीरपुर सीट से निर्दोष कुमार दीक्षित को पार्टी प्रमुख के अनुमोदन बाद घोषित किया गया है।

साथ ही उन्होंने बताया कि शाहजहांपुर की ददरौल विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में सर्वेश चन्द्र मिश्रा (धांधू) को प्रत्याशी बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिव ने बताया कि बसपा की हर सीट पर विशेष रणनीति होती है, जिसके बाद प्रत्याशी घोषित किये जाते हैं। मालूम हो कि भाजपा विधायक मानवेंद्र सिंह के निधन के बाद ददरौल सीट रिक्त हो गई थी, जिस पर विधानसभा उप चुनाव हो रहे हैं।

शहर में आज

- एनडीबीजी ग्राउंड में सीएएल डेकाथलन टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मुकाबले सुबह 9 :00 बजे से
- परिवर्तन चौक पर दुर्गा जी मंदिर धर्म जागरण एवं सेवा समिति के तत्वावधान में साध्वी कल्याणी देवी द्वारा जल सेवा की शुरुआत पूर्वाह्न 11 :00 बजे
- लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन हाल में क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 1 :30 बजे से
- प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा की प्रेसवार्ता 3 : 00 बजे

एक नजर

वंदे भारत में यात्रियों को 500 एमएल पानी मुफ्त

अमृत विचार, लखनऊ : वंदे भारत ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को आधा लीटर पीने के पानी की बोतल उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए यात्रियों से किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा। गोरखपुर से प्रयागराज वाया लखनऊ वंदे भारत ट्रेन सहित अयोध्या से आनंदविहार के बीच, लखनऊ जंक्शन से देहरादून और गोमतीनगर से पटना के लिए वंदे भारत ट्रेनों का संचालन किया जाता है।

ग्रामीण इलाकों में पेयजल की समस्या पर करें कॉल

अमृत विचार, लखनऊ : गर्मी में पेयजल की समस्या को देखते हुए विकास भवन में कट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला विकास अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि 0522-2348800 पर कॉल करें। यहां 24 घंटे शिकायत दर्ज कर समाधान किया जाएगा। तीन शिफ्ट में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इसी तरह विकास खंड स्तर पर भी कंट्रोल रूम संचालित किए गए हैं।

गोमती बैराज का काम कल हो जाएगा पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती बैराज का काम शुक्रवार तक पूरा हो जाएगा। सिंचाई विभाग ने बैराज का गेट नंबर एक और नौ बदल दिया है। केवल वेल्डिंग का काम रह गया है। बुधवार को सिंचाई विभाग ने गोमती बैराज पुल से हैवी मशीनें हटा लीं। काम पूरा होने के बाद शनिवार से पुल आवागमन के लिए खुल जाएगा। सिंचाई विभाग ने 9 अप्रैल से गोमती बैराज के दो गेट की मरम्मत का काम शुरू किया था। सिंचाई विभाग ने 7 अप्रैल से काम शुरू करने की यातायात विभाग से अनुमति मांगी थी। सिंचाई विभाग ने 26 अप्रैल तक काम पूरा करने की बात कही थी।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, आज से सताएगी लू

अमृत विचार, लखनऊ : धूप की तपिश अपना लगातार असर डाल रही है। मौसम अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने गुरुवार से लू चलने की संभावना जताई है। बुधवार को रोज की तरह गर्म हवा चली। ऐसे में दिन का तापमान 40 डिग्री के करीब रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 24 रहा। मौसम अनुसंधान विभाग के वैज्ञानिक एक सिंह के अनुसार, गुरुवार से लू चल सकती है। लू का असर लखनऊ के अलावा आसपास जिलों में भी देखने को मिल सकता है। बताते हैं कि रात के तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है।

जागा नगर निगम, तीन दिन में बंद कर दिए जाएंगे शहर के सभी खुले मैनहोल

मैनहोल में गिरकर बच्चे की मौत का मामला

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : जानकीपुरम विस्तार में सीवर के खुले मैनहोल में मंगलवार को एक बच्चे की गिरकर हुई मौत के बाद जिम्मेदार अफसर जग गए हैं और अपनी लापरवाही को ढकने लगे हैं। घटना के दूसरे दिन अभियान चला कर शहर में 72 सीवर के टूटे रैम्प और ढक्कन बदले गए।

नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि जब तक सभी खुले मैनहोल बंद नहीं करा दिये जाते तब तक नगर निगम, जलकल विभाग और सुएज इंडिया की ओर से अभियान चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि सम्बंधित विभागों से तीन दिन में यह प्रमाण पत्र मांगा गया है कि कहीं भी मैनहोल खुला या टूटा नहीं है। भविष्य में किसी भी घटना के लिए कार्यदाई संस्था, विभाग के सुपरवाजर, अवर अभियंता, नगर अभियंता और महाप्रबंधक की जिम्मेदारी होगी।

घटना के बाद नगर आयुक्त ने नगर निगम के मार्ग प्रकाश विभाग को सात दिन में सभी स्ट्रीट के खंभों पर खुले जंक्शन बॉक्स को भी कवर करने और टेपिंग करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि रोज समीक्षा की जायेगी। दुर्घटना होने पर कार्यदाई संस्था ईईएसएल व विभाग के अभियंता जिम्मेदार होंगे।

खुले मैनहोल को बंद करने के लिए चिनाई करता राजगीर।

कुछ इस तरह से मैनहोल बंद किए गए।

अभी भी खुले पड़े हैं मैनहोल। अमृत विचार

72 मैनहोल के ढक्कन 24 घंटे में बदले गए

03 दिन में संबंधित विभाग को देना होगा प्रमाण पत्र कि कहीं मैनहोल खुला या टूटा नहीं है

आज पूरी होगी जांच, शासन को भेजी जायेगी रिपोर्ट

लापरवाही बरतने वाले जलकल विभाग के सुपरवाइजर अच्छे लाल, अवर अभियंता गया प्रसाद सिंह, अधिशासी अभियंता मनोज शुक्ला को घटना के लिये प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। जलकल विभाग द्वारा इस प्रकरण की जांच की जा रही है। रिपोर्ट गुरुवार को आ जाएगी। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को जलकल विभाग के महाप्रबंधक की ओर से रिपोर्ट भेजी जायेगी। यह जानकारी जलकल विभाग के सचिव रमेश चंद्रा ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यदायी संस्था एसके कंस्ट्रक्शन को ब्लैक लिस्ट करने का निर्णय जांच रिपोर्ट आने के बाद लिया जाएगा।

मुकदमा दर्ज होते ही आरोपियों के बंद हो गए मोबाइल फोन

अमृत विचार, लखनऊ : जानकीपुरम थाना अंतर्गत सेक्टर-7 में जलकल विभाग की लापरवाही के चलते आठ साल के बच्चे की मौत के बाद देर रात रिपोर्ट दर्ज होते ही कार्यदायी संस्था एस के इंटरप्राइजेज के मालिक शैलेन्द्र सिंह और सुपरवाइजर अंकित कुमार के मोबाइल नंबर बंद जाने लगे हैं।

एडीसीपी उत्तरी जयप्रकाश द्विवेदी के मुताबिक, कई बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल, अभी कुछ भी कह पाना बेहद मुश्किल है। बुधवार को पुलिस ने एस के इंटरप्राइजेज के मालिक शैलेन्द्र सिंह और सुपरवाइजर अंकित कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उनका मोबाइल बंद जाने लगा।

वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से शाहरुख की मौत की पुष्टि हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शाहरुख का शव घर पहुंचा तो परिजन उसे मृत अवस्था में देख दहाड़े मार का रोने लगे। मां रुखसाना बेटे को शव देखकर बेहोश हो गई। पिता सैफुद्दीन का कहना है कि कोई भी अधिकारी उनका दुख पूछने नहीं आया। मुआवजे के तौर पर पांच लाख रुपये की धनराशि भी उन्हें नहीं मिली है।

पोस्टमार्टम में दम घुटना निकली मौत की वजह, परिजन को नहीं मिली मुआवजे की राशि

घर में चली गोली से कारोबारी की मौत, परिजन रहे अनजान

बरामदे में मिला शव, गोद में मिला लाइसेंसी रिवाल्वर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : घर के बरामदे में बुधवार दोपहर रियल एस्टेट कारोबारी व समाजसेवी अब्दुल खालिद मलिक उर्फ कल्लू (65) का शव मिला। उन्हें बीच माथे पर उन्हीं के लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारी गई।रिवाल्वर भी उनकी गोद में पड़ा मिला। हैरत की बात यह कि उस वक्त घर में मौजूद उनके तीन भांजे कुछ बता नहीं पा रहे हैं। पुलिस ने करीबियों पर हत्या का शक जताया है और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

मूलरूप से बाराबंकी के बरौली के रहने वाले अब्दुल खालिद मलिक भांजे मो.जुनैद, साहिद, हैरुल के साथ ठाकुरगंज थानाक्षेत्र के बाबा हजाराबाग गढ़ीपीर खां मोहल्ले में रहते थे। बुधवार दोपहर करीब 12:40 बजे ग्राउंड फ्लोर पर बरामदे में उनका शव खून से लथपथ मिला। शव को सबसे पहले उनके भांजे जुनैद ने देखा जो पहले तल पर रहते हैं। वे दोपहर में सोकर उठे। नीचे आए तो बरामदे में मामा का शव पड़ा था। उनकी गोद में उनका लाइसेंसी रिवॉल्वर पड़ा था।यह देख जुनैद ने ममेरी बहन निगहत फातिमा और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मौके से फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस की पूछताछ में भांजे जुनैद ने घटना के बारे में अनभिज्ञता जाहिर की। उसका कहना है कि मामा ने कब खुद को गोली मार ली, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है। सुबह से घर में कौन आया और कौन गया, इसकी भी उन्हें जानकारी नहीं है। वहीं, पड़ोसियों ने भी बताया कि उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई नहीं दी। एडीसीपी विश्वजीत सिंह ने बताया कि अभी तक हुई पूछताछ में परिजन आत्महत्या बता रहे हैं जबकि हालात हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। बीच माथे पर गोली मारने का तथ्य घटना को उलझा रहा है।

अब्दुल खालिद मलिक। (फाइल फोटो)

पुलिस को करीबियों पर हत्या का शक, कुछ बता नहीं पा रहे घर में मौजूद तीन भांजे

पुलिस ढूंढ रही इन सवालों के जवाब

- अब्दुल ने खुद को गोली कैसे मारी, वह भी बीच माथे पर
- बरामदे में चली गोली, किसी ने भी नहीं सुनी आवाज
- उन्होंने किससे कितना कर्ज लिया, यह पता नहीं
- घर में कौन आया और गया
- आखिरी बार अब्दुल किससे मिले, उनकी मानसिक हालत कैसी थी

परिजनों से पूछताछ के बाद अब्दुल के शव को ले जाते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

परिचित ने हड़प लिये थे 2.50 लाख रुपये, जमीन के कागजात

भांजे जुनैद ने बताया कि कई वर्ष पूर्व मामी हफीकुल निशा की मौत हो गई थी। उनकी बेटी निगहत फातिमा की शादी करीमगंज निवासी साबिर के साथ हुई है। वह अपनी ससुराल में रहती है। इसीलिए अब्दुल खालिद के साथ उनके तीन भांजे रहने लगे। जुनैद ने बताया कि करीब डेढ़ साल पूर्व मामा ने किसी परिचित को ढाई लाख रुपये दिए थे। परिचित के पास ही उनके मकान के कागजात भी हैं। उनका आरोप है कि परिचित ने रुपये और कागजात हड़प लिये हैं। साथ ही उनपर कर्ज भी था। इससे वह काफी परेशान थे। शायद इसी वजह से उन्होंने आत्मघाती कदम उठाया।

शौचालयों की जांच के लिए कमेटी गठित

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत अपैया में पति-पत्नी दोनों को शौचालय आवंटित किए गए। अन्य योजनाओं में भी सरकारी धन का बंदरबांट हुआ। इस मामले की जांच के लिए दूसरी कमेटी गठित की गई है। ग्राम पंचायत अपैया के ग्रामीणों ने पिछले वर्ष गांव में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत शौचालय अपात्रों को देने की शिकायत की थी। यहां तक की पति-पत्नी दोनों को शौचालय दिए गए। इसी तरह अन्य योजनाओं में ग्राम निधि का दुरुपयोग करना बताया गया। इस मामले की जांच दो सदस्यीय टीम ने की थी। लेकिन, अभिलेख न देने पर पूर्व व वर्तमान सचिव को दोषी माना था और नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। एक सचिव ने जवाब के साथ शौचालय आवंटन की सूची सौंपी। लेकिन, जांच अधिकारी ने असमर्थता जताई। इस पर जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने जिला कृषि अधिकारी व सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच के लिए नामित कर एक माह में रिपोर्ट मांगी है।

आज से सुबह 7:30 बजे खुलेंगे स्कूल

कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों को आदेश का करना होगा पालन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित सभी सरकारी व निजी विद्यालयों के खुलने और बंद होने के समय में गुरुवार से बदलाव किया गया है। कक्षा एक से 12 तक के स्कूलों में प्रातः 7:30 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक शिक्षण कार्य किया जायेगा। इस संबंध में शासन के बाद विभाग और डीएम सूर्यपाल गंगवार की ओर से भी आदेश जारी किए गये हैं।

हीट वेव से बचाव के दिए गए निर्देश : परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, संविलियन व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में हीट वेव (धूप एवं लू) से बचाव व सुरक्षा को लेकर भी दिशा निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने विद्यालयों में बच्चों को गर्मी, उच्च तापमान, हीट वेव के दुष्प्रभाव से सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के साथ-साथ धूप, गर्मी व उच्च तापमान से बचाव के लिए क्या करें व क्या न करें, संबंधी सुझाव दिए हैं।

हर विद्यालय में मेडिकल किट जरूरी : शिक्षा महानिदेशक की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक विद्यालय स्तर मेडिकल किट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिसमें ओआरएस, बुखार, उल्टी, दस्त, से संबंधित प्राथमिक स्तर की दवाएं उपलब्ध हों। विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर अतिशीघ्र प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र के चिकित्सक से सम्पर्क किया जाए।

इन बातों का रखें ध्यान

- किसी भी प्रकार की गतिविधियों में बच्चों को न लगाया जाए।
- खेल आउटडोर गतिविधियां प्रात :काल 9 बजे तक पूरी कर ली जाएं।
- प्रार्थना सभा धूप रहित क्षेत्र अथवा कक्षाओं में आयोजित की जाएं।
- बच्चों को लू एवं हीट वेव से बचाव के तरीके बताये जाएं
- विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
- बच्चों को उचित मात्रा में पानी पीने के विशेष महत्व बताया जाएं।

प्रचार शुल्क का 2 .5 करोड़ बकाया, जारी होंगे नोटिस

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नगर निगम प्रचार शुल्क के बकायेदारों से वसूली शुरू करेगा। इसके लिए बकाएदार विज्ञापन एजेंसियों की सूची तैयार कर ली गई है। एजेंसियों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शहर में विज्ञापन पट तो लगाये लेकिन शुल्क जमा नहीं किया।

इन पर लगभग 2.5 करोड़ रुपये का बकाया है। जल्द ही इन्हें नोटिस जारी की जाएगी। साथ ही जिन पर बकाया है नगर निगम ऐसी एजेंसियों को विज्ञापन लगाने की अनुमति नहीं देगा। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई प्रचार विभाग की बैठक में बकाया वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नगर निगम की प्रचार से आय बढ़ाने के लिए विस्तारित क्षेत्रों में होर्डिंग व यूनिपोल लगाने के लिए नये स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए।

बस शेल्टर, यूनिपोल और ट्रैफिक आयलैंड पर लगे विज्ञापन हटाए जाएंगे : विज्ञापन एजेंसियों द्वारा नगर निगम के प्रचार विभाग से अनुमति लिए बिना कई स्थानों पर विज्ञापन लगाए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर अपर नगर आयुक्त ने सभी आठ जोन में अभियान चलाकर अवैध तरीके से लगीं यूनिपोल, बस शेल्टर और ट्रैफिक आयलैंड पर विज्ञापन हटाने के निर्देश दिए।

बकाएदारों से वसूली करेगा नगर निगम

जिन पर बकाया उनको नहीं मिलेगी विज्ञापन लगाने की अनुमति

छतों पर लगीं होर्डिंग हटायी जाएंगी

जिन निजी भवन स्वामियों की छतों पर लगी होर्डिंग सड़क पर 4-5 फिट बाहर निकली हैं, उनको नगर निगम हटवाएगा। इसके लिए नगर निगम के निरीक्षक भवन स्वामियों को नोटिस जारी करेंगे। लगभग 10 प्रतिशत भवन स्वामी ऐसे हैं जिन्होंने शुल्क जमा नहीं किया है, उन्हें भविष्य में होर्डिंग लगाने की नगर निगम अनुमति नहीं देगा।

आईआरसीटीसी कराएगा लद्दाख की सैर

अमृत विचार, लखनऊ : आईआरसीटीसी एक बार फिर पर्यटकों को लद्दाख की सैर कराने को तैयार है। यात्रियों की मांग को देखते हुए आईआरसीटीसी ने लखनऊ से लद्दाख भ्रमण के लिये हवाई टूर पैकेज लांच किया है। यह यात्रा छह रात्रि एवं सात दिन की होगी। यह टूर 23 मई से 29 मई तक के लिए होगा। इस टूर में यात्रियों को लखनऊ से लेह जाने-आने की व्यवस्था फ्लाइट से की गई है। खान-पान एवं ठहरने के लिए तीन सितारा होटल में व्यवस्था होगी। यात्रा के दौरान लेह में होटल स्टे के साथ स्तूप एवं चुंबकिये पहाड़ी, शाम वैली में लेह पैलेस, शांतिस्तूप, गुरुद्वारा, नुब्रा वैली में स्थित कैंप में रात्रि विश्राम, दिस्कीत, हुंडर व तुर्तुक गांव, थांग वैली एवं स्थानीय जगहों की सैर के साथ प्रसिद्ध पेन्गॉन्ग झील का भ्रमण कराया जायेगा। एक व्यक्ति के अकेले ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 60100 रुपये होगा। दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रति यात्री 55100 रुपये और तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर प्रति व्यक्ति 54600 रुपये खर्च होगा। लोग आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाकर अपनी सीट बुक करा सकते हैं।

386 टावर बेहतर करेंगे बीएसएनएल की कनेक्टिविटी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: देर आये मगर दुरुस्त आये, इसी तर्ज पर बीएसएनएल चल रहा है। जहां दूसरी टेलीकॉम कंपनियां अपने ग्राहक को 5जी की सुविधा दे रहीं हैं, वहीं अब बीएसएनएल 4जी की ओर अग्रसर हैं। बीएसएनएल 4जी की सुविधा देने के लिए कई जिलों में बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) टॉवर लगा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को अच्छा नेटवर्क प्राप्त हो सके।

सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने कमजोर नेटवर्क से जूझ रहे उपभोक्ताओं को तेज गति का 4जी नेटवर्क देने के लिए तैयारियां पूरी कर ली है। बीटीएस टॉवर की क्षमता बढ़ाने का काम जोरों पर है।

कई ऐसे इलाकों को भी चिन्हित किया गया है, जहां इस समय बीएसएनएल उपभोक्ता कमजोर नेटवर्क से जूझ रहे हैं। बीएसएनएल अभी अपने उपभोक्ताओं को 3जी की ही सेवा दे रहा है। कुछ इलाकों में तो बीटीएस पर अधिक लोड होने के कारण कॉल ड्राप हो रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में डाटा स्पीड बहुत कम हो गई है। छोटी फाइलें भी डॉउनलोड नहीं हो पा रही हैं। इस बीच बीएसएनएल ने 3जी सिम को बनाने का काम बंद कर दिया है।

अब उपभोक्ताओं को 4जी सिम दिए जा रहे हैं। प्रदेश के अभी तक 29 जिलों में 386 बीटीएस टॉवर लगा दिए गए है। अंबेडकर नगर- 11, अयोध्या-41,बलिया-6, बांदा-10, बाराबंकी-14, चंदौली-7, चित्रकूट-6, फतेहपुर-28, गाजीपुर-11, गोंडा-7, हमीरपुर-6, हरदोई-13, जलौन-12, जौनपुर-17, झांसी-6, कानपुर देहात-11, कानपुर नगर-10, खीरी-16, ललितपुर-12, लखनऊ-14, महराजगंज-6, मिर्जापुर-7, प्रतापगढ़-26, प्रयागराज-22, रायबरेली-11, शाहंजहांपुर-18, सीतापुर-11, सुल्तानपुर-10, उन्नाव-17 बीटीएस टॉवर लगाए गए हैं।

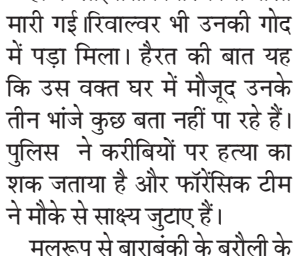

29 जिलों को दी जा रही प्राथमिकता

> बीटीएस टॉवर लगाने का काम जोरों पर चल रहा हैं। पूरी कोशिश है कि प्रदेश के प्रत्येक जिलों में 4जी की सुविधा उपभोक्ताओं को जल्द प्राप्त हो।
>
> **-अभिनव वर्मा,** उप महाप्रबंधक मोबाइल सेवा बीएसएनएल

मेधा से मुलाकात

यूपीएससी 2023 में प्रथम रैंक हासिल करने वाले आदित्य श्रीवास्तव ने बुधवार को भाई अकुल के साथ मुख्यमंत्री योगी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इसी परीक्षा में 38वीं रैंक प्राप्त करने वाले अनिमेष वर्मा भी सीएम से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान उनके पिता डॉ. सर्वेश कुमार, संयुक्त निदेशक (उद्यान), उ.प्र. सरकार भी मौजूद रहे।

सुविधा बच्चों की वर्कशीट, विज्ञान, गणित, अंग्रेजी सहित तमाम विषयों के वीडियो भी उपलब्ध, प्रेरणा पोर्टल भी कनेक्ट

स्विफ्ट चैट एप आसान करेगा कक्षा 8 तक के बच्चों की पढ़ाई

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित सरकारी विद्यालयों में कक्षा 4 से 8 तक स्विफ्ट चैट एप पढ़ाई की राह आसान करेगा। ये एप शिक्षक और बच्चे और अभिभावक भी अपने मोबाइल में डालनलोड कर सकेंगे। इस एप को बेसिक शिक्षा विभाग के प्रेरणा पोर्टल से भी पहली बार जोड़ा गया है।

एप की खासियत ये है कि यहां बच्चों के लिए वर्कशीट, लेसन प्लान से लेकर विज्ञान, गणित, अंग्रेजी सहित तमाम विषयों के वीडियो निशुल्क उपलब्ध हैं। सरकारी स्कूलों में एक तरह से डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने का एक ये महत्वपूर्ण कदम है। इस बारे में शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा की ओर से भी आदेश जारी कर स्विफ्टचैट एप्लीकेशन पर उपलब्ध चैटबॉट के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए कहा गया है।

बता दें कि सरकारी स्कूलों में अतिरिक्त डिजिटल शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में आदेश दिए गये हैं।

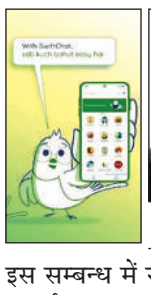

कंचन वर्मा

इस सम्बन्ध में राज्य परियोजना कार्यालय स्तर पर निर्मित डैशबोर्ड के डाटा विश्लेषण में प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गई। इसके बाद शिक्षा महानिदेशक ने इस पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

लाइब्रेरी में विज्ञान व गणित के वीडियो होंगे सहायक

स्विफ्टचैट एप पर उपलब्ध वीडियो लाइब्रेरी के माध्यम से गणित एवं विज्ञान विषयों से संबंधित वीडियो का शिक्षण के दौरान उपयोग करना होगा। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि विद्यालयों के निरीक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविज़न के समय एआरपी, एसआरजी एवं डायट मेंटर की ओर से बच्चों एवं अभिभावकों को स्विफ्टचैट एप के प्रयोग और विशेषताओं के बारे में अवगत कराना होगा।

शिक्षकों के लिए ये हैं आदेश

शिक्षकों को कक्षा 4 से 8 में अध्ययनरत बच्चों का निपुण भारत साप्ताहिक अभ्यास चैटबॉट पर पंजीकरण कराते हुए प्रत्येक सप्ताह अभ्यास करने के लिए प्रेरित करना होगा। सभी अभिभावकों को स्विफ्टचैट एप के बारे में अवगत कराते हुए इस एप को डाउनलोड करने के लिए भी कहना होगा। विद्यार्थियों को साप्ताहिक रूप से निपुण भारत क्विज पर अभ्यास किये जाने के लिए प्रेरित करना होगा। शिक्षकों की ओर स्विफ्टचैट एप के शिक्षक सहायक चैटबॉट पर उपलब्ध वर्कशीट, लेसन प्लान एवं रिमीडियल वीडियो का अवलोकन कर प्रयोग किया जायेगा।

राजधानी में घट रहे मलेरिया के केस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजधानी में मलेरिया के मरीजों में कमी आई है। इस साल महज 97 मामले सरकारी आंकड़ों में दर्ज हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है कि मलेरिया में कमी लाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

विश्व मलेरिया दिवस गर साल 25 अप्रैल को मान्य जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे लोगों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूक करना है। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल का कहना है कि जागरूकता अभियान का नतीजा है कि साल 2018 के मुकाबले राजधानी में मलेरिया नियंत्रित है।

डॉक्टरों के मुताबिक मलेरिया रक्त का एक संक्रमण है जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। मच्छरों से खुद को बचाने से इस रोग से बच सकते हैं। मलेरिया के रोगियों को अगर समुचित इलाज न मिले तो इससे रोगी जान भी जा सकती है।

मलेरिया के लक्षण : मलेरिया में बुखार, सिरदर्द और ठंड सामान्य लक्षण हैं। यह लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर द्वारा काटे जाने के 10-15 दिनों के भीतर शुरू होते हैं। इसके अन्य लक्षणों में अत्यधिक थकान, बेहोशी आना, सांस लेने में दिक्कत, यूरिन में खून आना, आंखों और त्वचा का पीला पडना व असामान्य ब्लीडिंग।

विश्व मलेरिया दिवस आज

ऐसे घटे मामले

वर्ष	मरीज
2018	168
2019	146
2020	25
2021	34
2022	127
2023	97

नई शिक्षा नीति के तहत होगी पुनर्वास विवि में यूजी की पढ़ाई

नोडल अधिकारियों की बैठक के बाद विवि की कमेटी की ओर से लिया गया निर्णय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के नए सत्र में नई शिक्षा नीति (एनईपी) लागू हो गई है। जिसके तहत यूजी में प्रवेश लेने वाले छात्र विस्तार पाठ्यक्रमों के सहारे नई शिक्षा ग्रहण करेंगे। कुलपति के अनुसार, नोडल अधिकारियों की बैठक के बाद एनईपी से जुड़ा निर्णय लिया गया है।

कुलपति प्रो. हिमांशु शेखर झा ने बताया कि विश्वविद्यालय में 4,695 छात्र अध्ययनरत हैं। सभी विषयों की परीक्षाएं समाप्त हो चुकी हैं। ऐसे में नए सत्र को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को नोडल अधिकारियों की एक बैठक हुई। इसमें यूजी से जुड़े पाठ्यक्रमों को विस्तार देने पर सहमति हुई। विस्तार देने वाले पाठ्यक्रमों में समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र सहित अन्य विषय शामिल किये गए हैं। पीजी स्तर के कोर्स को भी इसी व्यवस्था से जोड़ने की सहमति हुई है। इसे लेकर जल्द ही निर्णय लिये जाएंगे।

फार्मेसी विभाग सहित 11 स्थानों पर लगे आरओ

गर्मी बढ़ते ही स्वच्छ जल की समस्या विवि में बढ़ चली है। इसको लेकर विवि प्रशासन ने आरओ के बंदोबस्त किये हैं। कुलपति प्रो. झा बताते हैं कि फार्मेसी सहित 11 स्थानों पर 15 दिनों के भीतर 11 आरओ लगाए गए हैं। कुछ अन्य स्थानों को भी चिन्हित किया गया है। जल्द ही वहां भी आरओ लगेंगे।

इनका किया गया है विस्तार : पर्यावरण, लैंगिक विश्लेषण।

दुरुस्त कराई जा रही भोजन वितरण व्यवस्था : भोजन वितरण को लेकर छात्रावास के छात्र-छात्राएं एक बड़ा आंदोलन कर चुके हैं। ऐसे में मेस इंचार्ज पर मनमानी का आरोप भी लगा था। कुलपति कहते हैं कि चार्ज लेने के बाद छात्रावास से जुड़ी समस्या उनके सामने आई, जानकारी करने पर पता चला कि मेस का करीब डेढ़ करोड़ रुपया बकाया है।

ऐसे में विवि प्रशासन की ओर से भोजन वितरण करने वाली संस्था को एक करोड़ के करीब भुगतान कर दिया गया है। भोजन वितरण की व्यवस्था दुरुस्त कराई जा रही है।

लैब उद्घाटन के दौरान विवि के कुलपति प्रो. हिमांशु शेखर व छात्र। अमृत विचार

एक क्लिक से दिव्यांग जानेंगे देश-दुनिया का हाल

अमृत विचार : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब दिव्यांगों ने एक क्लिक के सहारे जानकारी लेना शुरू कर दिया है। कम्प्यूटर लैब के शुरू होती ही तमाम सी सूचनाएं डिजिटल लैब में बैठकर छात्रों ने एक-दूसरे से साझा भी कीं। पुनर्वास विवि में बुधवार को 65 कम्प्यूटर से जुड़े लैब का उद्घाटन कुलपति प्रो. हिमांशु शेखर झा ने किया। लैब के तीन कमरों में से एक कमरा उन छात्रों के लिए आवंटित था, जिन्हें बिल्कुल भी नहीं दिखता। ऐसे में कई छात्र उद्घाटन के तुरंत बाद लैब में पहुंचकर कम्प्यूटर सिस्टम के सहारे जानकारियां जुटाने लग गए। विभागाध्यक्ष डॉ. यशवंत बताते हैं कि कम्प्यूटर लैब के सहारे तैयार हुई डिजिटल लाइब्रेरी देश के सभी विवि से जोड़ी गई है। यदि छात्र को पाठ्यक्रमों से संबंधित कोई समस्या आती है, तो दूसरे विवि की लाइब्रेरी से संपर्क कर सामग्री उपलब्ध कराई जा सकती है। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदी समिति न्यू जर्सी चैप्टर अमेरिका के अध्यक्ष रामबाबू गौतम, विवि के वित्त अधिकारी संजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमित कुमार राय, प्रो. वीके सिंह, प्रो. सीके दीक्षित, डॉ. कौशल शर्मा, डॉ. कौशिकी सिंह, डॉ. ज्योति गौतम सहित अन्य उपस्थित रहे।

एक नजर

एमबीए के छात्रों को मिलेगा अवसर

अमृत विचार, लखनऊ : एकेटीयू के एमबीए छात्रों को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस लिमिटेड (टीसीएस) में नौकरी पाने का अवसर मिलने जा रहा है। कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने बताया कि कंपनी एमबीए छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट कराने जा रही है। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध एमबीए के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। बताते हैं कि 10 मई तक पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

भाषण प्रतियोगिता में प्रिया रहीं अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में 13 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। भाषण के दौरान निर्णायक मंडल में प्रथम स्थान प्रिया सिंह को मिला। अतिथि मण्डल ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।

सेना में कमीशन अधिकारी बने कुशाग्र

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र का चयन हुआ है। 61वीं रैंक के साथ स्नातक का छात्र भारतीय सैन्य अकादमी के लिए चयनित किया गया है। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि कुशाग्र मिश्रा ने लविवि से अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं हिन्दी विषयों के साथ बीए की परीक्षा वर्ष 2023 में उत्तीर्ण की है। छात्र ने प्रथम प्रयास में ही एसएसबी उत्तीर्ण की। कुशाग्र बताते हैं कि राष्ट्रीय कैडेट कोर उनकी यात्रा में परिवर्तन की मुख्य कड़ी बना है।

परीक्षा के सहारे तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के बीटेक और एमटेक के सीएसई और आईटी के छात्र अपनी तकनीकी क्षमता का मूल्यांकन एचसीएल और गुवी की ओर से आयोजित टेक्निकल और क्षमता परीक्षा के माध्यम से कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के साथ हुए एमओयू के तहत कंपनी यह परीक्षा कराने जा रही है। टेस्ट में शामिल होने के लिए छात्रों को पंजीकरण कराना अनिवार्य रहेगा।

प्रतियोगिताओं के सहारे साक्षरता को दिया बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. बोनो क्लब की ओर से अंतर महाविद्यालय पंच प्राण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक साक्षरता को बढ़ावा देना रहा। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में स्लोगन राईटिंग, पोस्टर मेकिंग और क्विज प्रतियोगिता के आयोजन किए गए। स्लोगन प्रतियोगिता में आरुषि को प्रथम स्थान मिला। पेंटिंग में अदिति सिंह और प्रश्नोत्तरी में गौरव चावला अव्वल रहे। मनीष तिवारी, यश, रीतम, काव्या सिंह को प्रो बोनो क्लब के लिए समर्पित सहयोगी होने का सम्मान मिला। इस अवसर पर विधि संकाय प्रमुख प्रो. बीडी सिंह, प्रो. आके सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

जगन्नाथ प्रसाद साहू इंटर कॉलेज में सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र। अमृत विचार

यूपी बोर्ड के मेधावियों को मिला सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : जगन्नाथ प्रसाद साहू इंटर कॉलेज में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2024 का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। प्रधानाचार्य तेज प्रताप यादव ने विद्यालय के मेधावी छात्रों को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित छात्र-छात्राओं में हाईस्कूल में दुर्गेश राठौर 94 % प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान क्रमशः जतन गुप्ता 88 %, प्रिन्स ऋषभ देव मिश्रा 88 %, अभिषेक गौर्य 88 %, सत्यम शमां 87 %, सागर वर्मा 83%, सरस्वती गौतम 86 % अंक प्राप्त किए। वहीं इंटरमीडिएट में अंजली पाण्डेय 80 % अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया और रश्मि गुप्ता, ऋषभ तिवारी, शिवम गुप्ता व अशी सिद्दीकी भी अच्छे अंकों से पास हुए।

इंडियन बैंक ने केजीएमयू को दी कुर्सियां

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन बैंक के कार्यपालक निदेशक ब्रजेश कुमार सिंह दो दिवसीय व्यवसाय दौरे पर लखनऊ आए है। निदेशक ने दुर्गा शंकर मिश्र (मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार) एवं अवनीश अवस्थी, मुख्यमंत्री सलाहकार से औपचारिक भेंट की। उन्होंने लक्को वेंकटेश्वरालु प्रधान सचिव परिवहन विभाग से व्यवसाय संवर्धन के लिए भेंट भी की। उन्होंने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत केजीएमयू में कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद की उपस्थिति में 27 थ्री सीटर तथा 30 सिंगल सीटर कुर्सियां मरीजों के लिए प्रदान की। कार्यक्रमों में क्षेत्र महाप्रबंधक (लखनऊ) सुधीर कुमार गुप्ता, अंचल प्रबंधक प्राणेश कुमार तथा सलाहकार रविंदर सिंह उपस्थित थे।

खालसा कॉलेज की छात्राओं ने मतदान को लेकर किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुद्वारा नाका हिंडोला स्थित खालसा इंटर कॉलेज में बुधवार को छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान करने का सन्देश दिया। इस दौरान कॉलेज के प्रबंधक सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा, प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। कॉलेज प्रबंधक ने शिक्षिका डॉ. रूबी त्रिपाठी, गायत्री ओझा, गुरमीत कौर व अलका राय के दिशा-निर्देशन में छात्राओं द्वारा तैयार की गई रंगोली की सराहना की, जिसके माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के प्रति जागरूक किया गया। आकर्षक ढंग से सजाई गई रंगोली में छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान, वोट फॉर बेटर इंडिया और न जाति पर न धर्म पर बटन दबेगा कर्म पर जैसे प्रेरणादायी नारों के साथ मतदान करने के प्रति जागरूक किया गया।

बाल निकुंज स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित करते नीरज सिंह व नीरज बोरा।

सम्मान पाकर खुश हुए शिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : बाल निकुंज स्कूल्स एंड कॉलेजेज के सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बोर्ड परीक्षा परिणाम-2024 में बच्चों को 96 .33% तक अंक दिलाने में मदद करने वाले 47 विषय अध्यापकों-अध्यापिकाओं सहित प्रधानाचार्यो, इंचार्जेस और गृह वार्षिक परीक्षा के कुल 128 कक्षाध्याकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के युवा नेता नीरज सिंह और विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज बोरा ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार अपने हाथों से वितरित किया।

रार बरकरार, डटे रहे आंदोलनकारी छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के छात्र 7वें दिन भी धरने पर डटे रहे। हालांकि, देर शाम स्थानीय थाना पुलिस ने मामले को निस्तारित करने का प्रयास किया, लेकिन नतीजा नहीं निकल सका। बता दें कि बीते सप्ताह बीबीएयू के सुरक्षाकर्मियों ने छात्रों के साथ मारपीट की थी। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। मामले के तूल पकड़ने पर छात्र संगठनों ने भी सहयोग दिया। ऐसे में बीबीएयू के छात्रों ने भूख हड़ताल की। तेज धूप के बीच छात्र अखिलेश कुमार, मंदीप और राहुल की हालत बिगड़ी, सभी का प्राथमिक उपचार कराया गया। लेकिन विवि के छात्रों का धरना जारी रहा। बुधवार शाम आशियाना थाना पुलिस के जिम्मेदार मौके पर पहुंचे और विरोध को समाप्त करने का प्रयास किया। लेकिन बात नहीं बन सकी। देर रात तक धरना जारी रहा। छात्रों ने सुरक्षाकर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कार्रवाई की मांग की है।

प्रधानाचार्या अवॉर्ड से सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल अलीगंज प्रथम कैम्पस की प्रधानाचार्या शिवानी सिंह को स्वामी विवेकानन्द नेशनल प्रिन्सिपल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। प्रधानाचार्य को यह सम्मान समग्रता से परिपूर्ण उद्देश्यपूर्ण शिक्षा पद्धति के विकास एवं भावी पीढ़ी में चारित्रिक उत्कृष्टता व जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने के योगदान के लिए प्रदान किया गया।

मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि शिवानी सिंह को यह प्रतिष्ठित सम्मान ईयू मीडिया के तत्वावधान में गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में आयोजित एजूकेटर्स एक्सीलेन्स कान्क्लेव में प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अवॉर्ड प्राप्त करतीं शिवानी सिंह।

मतदाता जागरूकता अभियान में प्रतिभाग करने वालीं सम्मानित छात्राएं, साथ में जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार। अमृत विचार

एप के सहारे जानें बूथ संबंधी जानकारियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नवयुग कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ने की।

जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने कहा कि सभी मतदाता घर बैठे एप के सहारे से अपनी बूथ की संख्या और क्रम संख्या संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं।

▸▸ महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स एवं छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कहा कि पहले मतदान फिर जलपान करें। उन्होंने मतदान में महिलाओं की भागीदारी को आवश्यक बताया।

मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि मतदान हमारा कर्म और मतदान ही हमारा धर्म है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में नव मतदाता पंजीकरण कराया गया। महाविद्यालय परिसर में छात्राओं ने सुंदर रंगोली बनाकर मतदान करने की अपील की। मतदाता जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली छात्रा नैंसी विश्वकर्मा, अल्पना सिंह, कैडेट शिवानी वर्मा, बुशरा हामिद, पलक गुप्ता, कैडेट तनु सारस्वत, सोनल सिंह, आयुषी, कीर्ति, सुहानी झा, जानवी, अंजली, शताक्षी, दिव्या, अक्षरा, शुभांगी, साक्षी त्रिवेदी, पूनम, फरहीन, प्रिया सिमरन सहित अन्य एनसीसी कैडेट्स एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर प्रो. संगीता, डॉ. नेहा अग्रवाल, डॉ. प्रतिमा घोष, प्रो. शोभा मिश्रा सहित शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों ने देखी रागमाला पर आधारित पेंटिंग प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में चल रही रागमाला पर आधारित पेंटिंग्स की प्रदर्शनी को देखने के लिए वास्तुकला एवं योजना संकाय के विद्यार्थी पहुंचे। संगीत की राग रागनियों को चित्र में बदल देने की कला को देखकर यह विद्यार्थी तरंगित हो उठे। प्रदर्शनी में पद्मश्री विजय शर्मा के अलावा हिमांचल के चम्बा के कलाकारों की 16 कृतियों को प्रदर्शित किया गया है।

इन पेंटिंग्स में राग भैरव, राग बिलावल, राग मालकौंस, रागिनी भैरवी, रागिनी सोरठी, राग हिंडोल, रागिनी अहिरी, राग दीपक, रागिनी गुनकली, राग मेघ, राग बसंत, राग चन्द्र, राग कालीगंडा, रागिनी गुर्जरी, राग ललित और राग पंचम पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में हुई 10 दिन की कार्यशाला में तैयार किया गया है।

पेंटिंग प्रदर्शनी को देखते छात्र-छात्राएं।

▸▸ हिमांचल के चम्बा के कलाकारों की 16 कृतियों को भी किया गया प्रदर्शित

वास्तुकला एवं योजना संकाय के विद्यार्थी जब इस प्रदर्शनी को देखने पहुंचे तब वहां राज्य संग्रहालय की सहायक निदेशक मीनाक्षी खेमका, कलाकार भूपेन्द्र अस्थाना, गिरीश पाण्डेय और शुभ्रा त्रिपाठी की मौजूदगी भी रही।

शराब पीने के प्रतिकूल प्रभाव विषय पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विभाग एवं कंज्यूमर वाइस ने मिलकर शराब पीने के प्रतिकूल प्रभाव विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रम में दिल्ली से आए कंज्यूमर वॉयस के प्रतिनिधि हेमंत उपाध्याय ने शराब पीने की समस्या से निपटने के लिए समाज और व्यक्तियों के बीच साझा जिम्मेदारी के निर्वाहन पर बल दिया। बहुआयामी प्रभावों को रेखांकित करते हुए निस्तारण के उपाय गिनाए।

एयरपोर्ट पर रक्तदान करते हुए लोग, साथ में मौजूद क्लब के सदस्य व मेडिकल टीम।

एयरपोर्ट पर 41 लोगों ने किया रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ की और से बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस, केजीएमयू व अपोलो अस्पताल के सहयोग से चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रक्तदान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के प्रवीण मित्तल ने बताया कि शिविर में 200 लोग पहुंचे थे। जिनका डॉक्टरों की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वस्थ रहने के सुझाव दिए। साथ ही निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस दौरान 41 लोग रक्तदान कर महादानी बने।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **15.05.2024** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जायेंगे यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

निविदा सूचना सं.	03202024 दिनांक 23.04.2024	
निविदा सं.	10/Sr.DEN-V/LKO/2024-25, 11/Sr.DEN-V/LKO/2024-25	
कार्य का नाम	1. सहायक मंडल इंजीनियर/द्वितीय/लखनऊ के अधीन किमी 40 से 69.86 तक अतिक्रमण को रोकने और सीआरओ को रोकने के लिए सुरक्षा बाड़/सीमा/एंटी क्रैश बैरिया आदि का प्रावधान। 2. सहायक मंडल इंजीनियर/द्वितीय/लखनऊ के अधीन किमी 02 से 40 तक अतिक्रमण को रोकने और सीआरओ को रोकने के लिए सुरक्षा बाड़/सीमा/एंटी क्रैश बैरिया आदि का प्रावधान।	
अनुमानित लागत	1. ₹16,45,72,155.41	2. ₹16,21,15,187.69
धरोहर राशि	1. ₹9,72,900/-	2. ₹9,60,600/-
कार्य समापन की अवधि	क्र.सं. 1 से 2 के लिए: स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह	वेबसाइट www.ireps.gov.in
निविदा डालने का प्रारंभ	01.05.2024	
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	15.05.2024 को 15:00 बजे	

निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 1218/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित हो कि मैं ध्रुव खरबंदा निवासी 15/161 इन्दिरा नगर लखनऊ मेरे एल डी ए प्लाट नंबर 2/420 विभव खंड गोमतीनगर लखनऊ के मूल अलॉटमेंट लेटर वास्तव में कहीं खो गया है, इसका किसी अन्य द्वारा उपयोग अवैध होगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मेरी दो बीमा पालिसियां सं0- 226539987 दिनांक 08.03.2016 एवं 207752803 दिनांक 28.03.2018 में मेरी जन्मतिथि 13.04.1987 त्रुटिवश अंकित हो गयी है। मेरे पैन कार्ड नं0- डीवीएसपीके 0882 सी व मेरे आधार कार्ड सं0- 894281145729 में त्रुटिवश जन्मतिथि 12.04.1987 अंकित हो गयी थी, जिसे संशोधन कराकर सही जन्मतिथि 03.12.1991 कर दिया गया है जो कि मेरे हाईस्कूल अंक-पत्र में दर्ज है। **मो0 सुफियान खान पुत्र स्व0 अब्दुल कयूम निवासी म0नं0- 163/309 चिकमण्डी, मौलवीगंज, जिला लखनऊ।**

NOTICE

Regarding Name correction. Class 10th UID NO.-8434902, Student Name - Mohammad Owaish Previous wrong name: Mohd Owaish, School Name : ST. Peter Inter College Nanpara, Bahraich (U.P.) **Address Village Maraucha, 271902 District Bahraich.**

सूचना

सूचित हो कि हम **पंकज सिंह प्रियदर्शी पुत्र रविन्द्र सिंह एवं पूजा सिंह पत्नी पंकज सिंह प्रियदर्शी, निवासी-सेक्टर K-808बी, आशियाना, लखनऊ, मो0- 8795488888,** हमारे मकान की एलाटमेंट लेटर, रजिस्ट्री दिनांक 01.12.2014 को बही सं0- 1, जिल्द सं0-18238, पृष्ठ सं0-261 से 300 पर क्रमांक-26113 रजिस्ट्रीकृत किया गया था एवं करेक्शन डीड नम्बर-01, जिल्द नम्बर 118 के पृष्ठ 23 में नम्बर 7783 आ0फा0 बुक- 01, जिल्द नम्बर 130 के पृष्ठ 401 से 408 दिनांक -15.11.2011 उपनिबन्धक कार्यालय में पंजीकृत है, एवं अन्य कई मूल महत्वपूर्ण कागजात भी चोरी हो गये हैं। चोरी की एफ0आई0आर0 थाने में 01.06.2017 को दर्ज है। उपरोक्त मकान से सम्बन्धित किसी को आपत्ति हो तो अगले 15 दिनों में सूचना दे।

सूचना

नगर निगम के अभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम आईरा बनर्जी (Aaira Banerjee) दर्ज है । अब हमने उसका नाम बदलकर देविशा बनर्जी (Devisha Banerjee) रख दिया है। भविष्य में उसे देविशा बनर्जी के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **दीपिका बनर्जी पत्नी शुभोजीत, निवासिनी 276/89/29 मेयोर रोड, राजापुर, प्रयागराज।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मो0 शारिक सिद्धीकी उर्फ चाँद बाबू को उसके गलत चाल-चलन के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरी सम्पत्ति से मो0 शारिक सिद्धीकी उर्फ चाँद बाबू का किसी प्रकार का भविष्य में कोई सम्बन्ध नहीं है। उसके द्वारा किये किसी भी कार्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **महबूब अली पुत्र स्व0 मकसूद अली निवासी पैसार निकट पल्हरी चौराहा फैजाबाद रोड, थाना कोतवाली नगर, जनपद बाराबंकी।**

सूचना

मैं अनिल कुमार बाजपेई पुत्र स्व. रामशंकर बाजपेई निवासी ग्राम व पोस्ट पींड थाना देवा जनपद बाराबंकी अपने पुत्र प्रदीप कुमार बाजपेई को गलत चाल चलन और असमाजिक गतिविधियों में लिप्त रहने के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज दि. 24.04.2024 से मेरा मेरे पुत्र प्रदीप कुमार बाजपेई से कोई वास्ता व सरोकार नहीं है और उसके द्वारा किये गये किसी कार्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित हो कि मेरी एल.आई.सी. पालिसी नं0- 214063308 में मेरा नाम भानु उत्तम दर्ज है। जबकि मेरे समस्त दस्तावेजा में मेरा नाम रनवीर पटेल दर्ज है। उपरोक्त दोनों नाम रनवीर पटेल व भानु उत्तम मेरे ही हैं। अतः उक्त पालिसी में मेरा सही नाम रनवीर पटेल दर्ज किया जाये। **रनवीर पटेल पुत्र श्री राम स्वरूप उत्तम निवासी- मकान नं0- 548/183/4 सूर्य नगर, राजाजीपुरम, लखनऊ।**

सूचना

मैंने अपना नाम ABDUL REHMAN ANSARI से बदल कर ABDUL KHABEER कर लिया है। आज से हमें इसी नाम से जाना जाएगा। **ABDUL KHABEER S/O QAMRUDDIN ANSARI ग्राम व पोस्ट कटरा शंकर नगर बलरामपुर।**

सूचना

मैंने अपना नाम अनिल कुमार से बदलकर अनिल कुमार यादव रखा है अब से मुझे अनिल कुमार यादव के नाम से जाना व पहचाना जाये। **अनिल कुमार यादव पुत्र भोला नाथ निवासी- 28, सैफाबाद डिंगरापुर कलवारी धोभहट, जिला- बस्ती।**

सूचना

सूचित हो कि मैनें अपने पुत्र बंटी पाल के नाम से एलआईसी में एक पालिसी ली थी जिसकी पालिसी संख्या 219386222 है। पालिसी में आवेदक का नाम राजेंद्र पाल अंकित है। जबकि शपथी के बैंक पासबुक और आधार कार्ड में सूरज पाल लिखा है। ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं अतः मुझे सूरज पाल व राजेन्द्र पाल दोनों नाम से जाना और पहचाना जाये। **सूरज पाल पुत्र स्व0 मेवालाल निवासी- गड़रियनपुरवा सलारपुर, पोस्ट- कल्पीपारा, थाना- दरगाह बहराइच।**

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने पुत्र रवि कुमार व बहू मनीषा उर्फ अंकिता पत्नी रवि कुमार का चाल चलन ठीक न होने के कारण अपने समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनके किसी भी कृत्य के लिए मैं या मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होंगे। **शम्भू नाथ पुत्र महादेव व राजपति पत्नी शम्भूनाथ निवासी वार्ड नं0 6 शिव नगर नगर पंचायत नसीराबाद तह0 सलोन थाना नसीराबाद जिला रायबरेली हाल नि0 ई-262 चणक्य प्लेस-1 गली नं0 9 उत्तम नगर पश्चिमी दिल्ली।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री की भारतीय जीवन बीमा निगम पालिसी सं0- 275000057 में मेरी पुत्री का नाम सृष्टि वर्मा अंकित है जो कि गलत है। जबकि मेरी पुत्री के विद्यालय अभिलेख एवं आधार कार्ड में उसका नाम रिष्टि वर्मा अंकित है जो कि शुद्ध व सही है। सृष्टि वर्मा व रिष्टि वर्मा दोनों नाम मेरी पुत्री के ही हैं। अतः मेरी पुत्री की पालिसी सं0- 275000057 में उसका सही नाम रिष्टि वर्मा अंकित किया जाये। **ज्ञान प्रभा पत्नी संतोष कुमार वर्मा निवासी- ग्राम- पूरे लुटई (अमहट), पोस्ट- दूबेपुर, जिला- सुल्तानपुर।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम मो आज़म खान पुत्र शकील अहमद है मैं मोहल्ला चांद पूरा का निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम मो0 आज़म खान पुत्र शकील अहमद है जब कि मेरे डी एल में एम ए खान पुत्र खादिम खान लिखा है जो गलत है कृपया आधार कार्ड वाला नाम सही पढ़ा/माना जाए। **मोहम्मद आजम खान चांदपुरा बहराइच।**

प्रवेश प्रारम्भ

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग

उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग

(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)

शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ

पोस्ट बेसिक नर्सिंग

(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)

जी.एन.एम.

(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

ए.एन.एम.

(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-

मो. 9412151327, 7521001992

पता

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल

NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

एक नजर

रुपऐ न देने पर बेटे ने विधवा मां को पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : आलमबाग कोतवाली अंतर्गत में रुपए देने से मां ने इनकार कर दिया तो बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर बुजुर्ग विधवा की जमकर पिटाई कर दी। दुर्गापुरी निवासी बलवीर कौर ने बताया कि उसका बेटा राजवीर नशे का आदी है। वह आये दिन वह उनसे रुपए मांगता है। आरोप है कि बीते मंगलवार को पेंशन रुपए लेने के लिए बेटे ने बहू कुलप्रीत के साथ मिलकर उनकी पिटाई कर दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही हैं।

प्रापर्टी डीलर समेत दर्जन भर पर जानलेवा हमले का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा निवासी रामचंद्र ने प्रॉपर्टी डीलर राजेश, दीपक, धीरज लोधी, रामू, मंजीत, महिपाल, सनी, विशाल, मौसम और कल्लू सहित दर्जन भर लोगों पर मारपीट व जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि एक डाला में सवार होकर आये दर्जन भर लोगों ने लाठी-डण्डों से जमकर पीटा और बाद में आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होने के साथ ही झुलस गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मौलाना फारुकी की नमाज-ए-जनाजा में उमड़ा हुजूम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नदवा में मौलाना अब्दुल अलीम फारुकी साहब की नमाज ए जनाजा में शामिल हुए मुस्लिम समुदाय के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार : तहफ्फुज नामूस-ए-सहाबा के अध्यक्ष और विश्वप्रसिद्ध इस्लामिक स्कालर मौलाना अब्दुल अलीम फारूकी का लंबी बीमारी के बाद बुधवार की सुबह लखनऊ में निधन हो गया। खबर लगते ही उनके आवास पर लोगों का हुजूम जमा हो गया। शिया-सुन्नी समझौते के बाद शुरू हुए जुलूस-ए-मदेह सहाबा के वह अगुवा थे। मौलाना के समर्थक पूरी दुनिया में हैं। अपने पीछे वह तीन बेटे और एक बेटी छोड़ गए हैं।

अचानक उनके निधन की सूचना आई तो उनके आवास पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सोशल मीडिया के जरिये कुछ ही देर में पूरी दुनिया में उनके न रहने की खबर पहुंच गई। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुबह ही एलान कर दिया गया कि शाम को अस्र की नमाज के बाद नदवतुल उलेमा में उनकी नमाजे-जनाजा होगी।

नदवतुल उलेमा में दोपहर से ही लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। शाम होते-होते नदवा कालेज खचाखच भर गया। नमाज के बाद ऐशबाग कब्रिस्तान का सफर शुरू हुआ तो भीड़ इतनी ज्यादा थी कि उनका ताबूत लाश गाड़ी में नहीं रखा जा सका। लोग उन्हें कंधे पर ही लेकर चल दिए। गोमती किनारे से लेकर कन्वेंशन सेंटर तक लोगों के सिर ही सिर नजर आ रहे थे। पुलिस को ट्रैफिक रोकना पड़ा। इससे कन्वेंशन सेंटर से लेकर ग्लोब पार्क तक सड़क पर जाम लग गया। यही हालत टीले वाली मस्जिद से डालीगंज पुल तक थी। ऐशबाग कब्रिस्तान में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच उन्हें सुपुर्द-ए-ख़ाक कर दिया गया। उनके निधन पर मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली, आल इंडिया महिला मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अम्बर, टीले वाली मस्जिद के इमाम फजले मन्नान रहमानी और बड़ी संख्या में धर्मगुरुओं ने शोक व्यक्त किया है।

पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने कहा कि मौलाना अब्दुल अलीम फारुकी ने समाज सुधार के लिए जो काम किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने ऐशबाग कब्रिस्तान पहुंचे अनीस मंसूरी ने कहा कि उनके निधन से मुसलमानों का बड़ा नुकसान हुआ है। कहा कि 26 अप्रैल को पसमांदा मुस्लिम समाज के कार्यालय में जुमे की नमाज के बाद कुरानख्वानी का आयोजन किया जायेगा।

नर्सिंग ऑफिसर की नियुक्ति पर नियमों की अनदेखी का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

केजीएमयू में हुआ है चयन, खुलासा होने पर संस्थान प्रशासन ने काम पर लगाई रोक

अमृत विचार : केजीएमयू में एक नर्सिंग ऑफिसर की नियुक्ति में नियमों की अनदेखी करने का मामला सामने आया है। यहां नियुक्ति से पहले वह बांदा में सीएमओ के आधीन कार्यरत थीं। नौकरी छोड़ने से पहले उसने सिक्योरिटी बांड के तहत ढाई लाख रुपये भी जमा नहीं किए। इसका खुलासा होने पर केजीएमयू प्रशासन ने उसके काम पर रोक लगा दी है।

बांदा सीएमओ के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्र तिन्दवारी में पूनम देवी नाम की नर्स तैनात थी। बीते साल 21 सितंबर को पूनम की संविदा पर नौकरी लगी थी। नियमानुसार यदि कोई तीन साल के भीतर नौकरी छोड़ता है तो उसे ढाई लाख का सिक्योरिटी बांड जमा करना होता है। इस दौरान पूनम का केजीएमयू में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर चयन हो गया। बीते पहली अप्रैल को उन्होंने नौकरी ज्वाइन की। आरोप है कि सिक्योरिटी बांड से बचने के लिए नर्स ने सीधे सीएमओ कार्यालय में त्यागपत्र भेजा। नियमानुसार प्राथमिक केंद्र के अधीक्षक को त्यागपत्र सौंपना चाहिए। सीएमओ ने केजीएमयू को पत्र भेजा, जिसमें पूरी स्थिति से अवगत कराया। यह भी कहा कि जब तक सिक्योरिटी बांड की रकम जिला स्वास्थ्य समिति में जमा न की जाए, तब तक नियुक्त संबंधी आगे की प्रक्रिया न शुरू की जाए। इसके बाद केजीएमयू कुलसचिव ने चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखा। जिसमें नर्सिंग ऑफिसर से काम लेने पर रोक लगा दी गई है।

उपचुनाव : कल नामांकन करेंगे ओपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पूर्वी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ओपी श्रीवास्तव के नामांकन को लेकर बैठक करते भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी।

अमृत विचार: पूर्वी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ओपी श्रीवास्तव 26 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे हनुमान सेतु मंदिर में दर्शन करने के बाद नामांकन के लिए कलेक्ट्रेट जाएंगे।

नामांकन की तैयारी को लेकर भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बैठक की। तय हुआ कि नामांकन के लिए संगठन के पदाधिकारी जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट की ओर जाएंगे। मंडल, वार्ड, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से संपर्क कर भाजपा उम्मीदवार के नामांकन जुलूस में भाग लेने की अपील की। नामांकन के बाद पूर्वी विधानसभा के विभिन्न वार्डों, बाजारों, प्रमुख चौराहों, मोहल्लों से होते हुए विधानसभा के इंदिरानगर ईश्वरधाम मंदिर के सामने स्थित चुनाव कार्यालय पहुंचेंगे।

मंदिर में दर्शन के बाद समर्थकों के साथ नामांकन करने जाएंगे

नुक्कड़ सभाओं में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर जोर : लखनऊ संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के लिए नुक्कड़ सभाएं कर वोट मांगे गए। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने पश्चिम विधानसभा स्थित पैराडाइज लॉन मायापुर एवं हैदरगंज द्वितीय मणि महेश्वर मंदिर पर आयोजित सभा में कहा कि सीमा की सुरक्षा के लिए अब ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन लखनऊ से किया जा रहा है। लखनऊ महानगर के पार्कों में ओपन जिम लगाया गया है।

उत्तर विधानसभा में विधायक डॉ. नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड में, लखनऊ पूर्वी विधानसभा मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभा कर राजनाथ सिंह के पक्ष में मतदान की अपील की।

दूसरी ओर बाल निकुंज में संवाद कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता नीरज सिंह ने विकास कार्यों को गिनाते हुए राजनाथ सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

सर्वेश अस्थाना की पत्नी का निधन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रख्यात व्यंग्यकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद केंद्र सरकार के सलाहकार सर्वेश अस्थाना की पत्नी अंजू अस्थाना का बुधवार को संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह पिछले 10 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं।

लिवर सिरोसिस की समस्या से जूझ रहीं अंजू अस्थाना को चार महीने पहले पीजीआई की लिवर ट्रांसप्लांट यूनिट के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। 13 अप्रैल को सांस लेने में दिक्कत होने के बाद उन्हें पोस्ट ओपरेटिव वार्ड में शिफ्ट करने के बाद वेंटिलेटर पर ले लिया गया। डॉक्टर उनकी स्थिति के सामान्य होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। बुधवार को सारी कोशिशें बेकार हो गईं और रात में उनका निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुरुवार को प्रातः 10 बजे बैकुंठ धाम भैसा कुंड में किया जायेगा।

सीएमडी ने किसानों से गेहूं खरीद का जाना मूल्य

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया के सीएमडी अशोक के मीणा बंथरा उपमंडी तहसील मोहनलालगंज का निरीक्षण करते हुए। अमृत विचार

अशोक के मीणा ने किया गेहूं क्रय केन्द्रों का निरीक्षण, बायोमेट्रिक प्रणाली को भी देखा

खरीद के दौरान नाप तौल की व्यवस्था को भी देख

अमृत विचार: फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया के सीएमडी अशोक के मीणा ने बंथरा उपमंडी तहसील मोहनलालगंज के क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौजूद किसानों से गेहूं खरीद का मूल्य भी जाना।

जिसमें किसानों ने उन्हें बताया कि मौजूदा समय में गेहूं की 2280 रुपये से लेकर 2300 रुपये प्रति कुंतल मिल रही है। इसके साथ ही एफसीआई की ओर से संचालित क्रय केंद्र गंगागंज का निरीक्षण किया गया। मौके पर किसानों से खरीद दौरान नाप तौल व्यवस्था को भी परखा गया।

इस दौरान सीएमडी की ओर से केंद्र की खरीद में वृद्धि किए जाने के निर्देश दिए गए।उन्होंने निर्देशित किया की प्रत्येक केंद्र दैनिक रूप से किसानों से संपर्क करे और खरीद में प्रगति लाए। इस मौके पर संभागीय खाद्य नियंत्रक अतुल कुमार सिंह,एडिशनल कमिश्नर कामता प्रसाद, एफीसीआई जीएम एचएस धालीवाल, डिप्टी डायरेक्टर मंडी लखनऊ अजीत कुमार त्रिपाठी, क्षेत्र प्रबंधक, लखनऊ भानु प्रताप सिंह, एजीएम शैलेंद्र कुमार, जिला खाद्य विपणन अधिकारी निश्चल आनंद,, एएन सिंह मंडी सचिव, संतोष कुमार जिला प्रबंधक पीसीएफ, उमेश यादव और खरीद प्रबंधक जितेन्द्र जायसवाल उपस्थित थे।

इलाज के लिए तड़पता रहा मासूम, नर्स देखती रही रील्स

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर का मामला, वीडियो हुआ वायरल

अमृत विचार : केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर स्थित एनआईसीयू वार्ड में मेडिकल स्टाफ की संवेदनहीनता का मामला सामने आया है। आरोप है कि मासूम इलाज के लिए तड़पता रहा और स्टाफ नर्स मोबाइल पर रील्स देखती रही। इस घटना का किसी तीमारदार ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

ट्रॉमा सेंटर के चतुर्थ तल पर एनआईसीयू वार्ड है। यहां भर्ती एक बच्चे के पिता ने बुधवार दोपहर हंगामा शुरू कर दिया। उसका आरोप था कि मासूम करीब 18 दिन से भर्ती है। देखरेख में मेडिकल स्टाफ द्वारा लापरवाही की जा रही है। पिता के मुताबिक मासूम को सुबह आठ बजे इंजेक्शन लगना था। डॉक्टर ने कहा कि मासूम के लगा विगो खराब हो गया है। नया विगो लगना है। जिस पर पिता ने नया विगो लाकर दिया।

आरोप है कि दोपहर 12 बजे तक भी न विगो लगाया गया और न ही इंजेक्शन। कई बार कहने के बावजूद स्टाफ नर्स मोबाइल पर रील्स देखने में व्यस्त रही।केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

बंद है रास्ता, घूमकर जाइए

निशातगंज से आईटी तक जाने वाले पुल की मरम्मत होने को लेकर पुल को बंद किया गया। ● अमृत विचार

निर्वाचन कार्यों में शिथिलता बरतने पर बरेली के एआरटीओ निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लोकसभा चुनाव में वाहन अधिग्रहण मामले में डीएम ने प्रमुख सचिव परिवहन को सौंपी थी रिपोर्ट

अमृत विचार: निर्वाचन कार्यों में शिथिलता बरतने के आरोप में परिवहन विभाग के एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कर्दम को निलंबित कर दिया गया। उन्हें उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त कार्यालय से सम्बद्ध किया गया है। वाहनों का अधिग्रहण न किए जाने के आरोप में डीएम की रिपोर्ट पर प्रमुख सचिव परिवहन वेंकटेश्वर लू ने कड़ा एक्शन लिया।

लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रशासन की तरफ से परिवहन विभाग से तकरीबन पांच हजार से अधिक वाहनों का अधिग्रहण करने के निर्देश दिए गए थे। इस मामले में परिवहन विभाग की तरफ से लापरवाही बरती गई जबकि एआरटीओ राजेश कर्दम को लोकसभा चुनाव में वाहन देने के लिए नोडल अधिकारी तैनात किया गया था। उन्होंने जिले के निजी वाहन मालिकों को भी नोटिस जारी कर दिए गए। इस मामले की शिकायत डीएम रविंद्र कुमार के पास पहुंची। इसके बाद डीएम ने राजेश कर्दम के खिलाफ रिपोर्ट बनाकर परिवहन विभाग के मुख्यालय भेज दी।

डीएम रविंद्र कुमार की रिपोर्ट पर परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव एल वेंकटेश्वर लू ने निर्वाचन कार्यों में शिथिलता बरते जाने के आरोप में एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कर्दम को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कर्दम परिवहन आयुक्त कार्यालय उत्तर प्रदेश से संबंध रहेंगे। वह बिना उच्च अधिकारियों की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

नर्सिंग अफसरों ने सीखे गुणवत्तापूर्ण इलाज के तरीके

केजीएमयू में नियुक्त हुए कुल 900 अफसर को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रशिक्षण में शामिल पहले बैच के नर्सिंग ऑफिसर। अमृत विचार

अमृत विचार : किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मरीजों को और भी गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराने की कवायद तेज कर दी गई है। इसके लिए संस्थान प्रशासन नवनियुक्त नर्सिंग अफसरों को विशेष प्रशिक्षण दे रहा है।

प्रदेश में इस तरह का प्रशिक्षण देने वाला केजीएमयू पहला संस्थान है। पहले बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण 21 अप्रैल को पूरा हो चुका है। अभी तक नर्सिंग ऑफिसरों की नियुक्ति के बाद सीधे सम्बंधित विभाग में तैनाती दे दी जाती थी। चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डी हिमांशू ने बताया कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के निर्देश पर यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कुल 916 ऑफिसरों को प्रशिक्षत करना है। प्रत्येक सप्ताह 300 ऑफिसरों का बैच प्रशिक्षण में शामिल होगा। जिसकी संयोजक उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो बीके ओझा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डी हिमांशू के निर्देशन में प्रशिक्षण पूरा कराया जा रहा है। फारेंसिक की बताई जाएंगी बारीकियां डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान इन्हें इलाज के साथ ही फारेंसिक से जुडी बारीकियां भी बताई जाएंगी। जिससे किसी घटना से जुड़े मामलों में मदद मिल सके। इसके अलावा सैंपलिंग और बायो मेडिकल वेस्ट के रखरखाव और निस्तारण के महत्त्व को भी बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के कार्यों को भी समझना होगा तैनाती से पहले इन ऑफिसरों को केजीएमयू में संचालित कुल 55 विभागों के कामों को समझना होगा। इसके लिए विभाग में सात दिनों तक काम करना है। तैनाती से पहले सभी का मूल्यांकन भी किया जाएगा।

दूसरे चरण में भी मतदान कर्मियों को दी जाएगी मेडिकल किट

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। दूसरे चरण की आठ सीटों पर 26 अप्रैल शुक्रवार को होने जा रहे मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर कर्मियों के साथ ही मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दूसरे चरण के मतदान के लिए 25 अप्रैल (गुरुवार) को मतदेय स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी।

इसके लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतदेय स्थलों पर पोलिंग व मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचाने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही गर्मी से बचने को टेंट, शेड, पीने के पानी की व्यवस्था व समेत अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं।

पुष्कर सिंह अध्यक्ष व जितेंद्र उपाध्याय महासचिव मनोनीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पर्वतीय महापरिषद लखनऊ के युवा प्रकोष्ठ का गठन

अमृत विचार: पर्वतीय महापरिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुधवार को पर्वतीय महापरिषद भवन में आयोजित की गई जिसमें युवा प्रकोष्ठ का गठन किया गया। युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद पर पुष्कर सिंह नयाल एवं महासचिव जितेन्द्र उपाध्याय को मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर पर्वतीय महापरिषद के मुख्य संयोजक टीएस मनराल, अध्यक्ष गणेश चन्द्र जोशी, महासचिव महेन्द्र सिंह रावत और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन सिंह मोना ने सभी युवा पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। युवा प्रकोष्ठ में प्रभारी मोहन सिंह बिष्ट मोना, मुख्य सलाहकार सुदीप जोशी, मुख्य संरक्षक जीवन ज्योति पाण्डेय, संरक्षक नारायण सिंह नेगी, मुख्य संयोजक सुनील किमोठी, संयोजक टीडी काण्डपाल, अध्यक्ष पुष्कर सिंह नयाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशान्त भंडारी, उपाध्यक्ष दीपक चिलकोटी, उपाध्यक्ष चन्द्रकान्त जोशी, उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह विष्ट, उपाध्यक्ष नवीन सिंह बिष्ट उपाध्यक्ष गोवर्धन कांडपाल, उपाध्यक्ष पूरन सिंह नयाल, उपाध्यक्ष जगात सिंह कार्की, महासचिव जितेन्द्र उपाध्याय, सचिव वीरेन्द्र आर्या, सह सचिव गोविन्द बाफिला, संगठन सचिव पुष्कर पन्त, संगठन सचिव पंकज नेगी, संगठन सचिव डॉ. राजेन्द्र रावत, संगठन सचिव दयाल सिंह, संगठन सचिव मोहन भटट, संगठन सचिव कमल भाकुनी, संगठन सचिव किशोर पाण्डेय, संगठन सचिव शेखर पाण्डेय, संगठन सचिव प्रदीप चंद, प्रचार सचिव महेश जोशी, प्रचार सचिव दीपू टोलिया, मीडिया प्रभारी केडी जोशी बने।

पूर्व सीएम की बेटी के नाम पर बने फर्जी अकाउंट

अमृत विचार, लखनऊ: सपा अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने साइबर थाने में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के नाम से एक्स पर फर्जी अकाउंट बनाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

साइबर क्राइम प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार के मुताबिक,सपा अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि गत छह अप्रैल को उन्हें कार्यकर्ताओं से ट्ववीटर पर बनाए गए फर्जी अकाउंट का पता चला, जिसके करीब तीन लाख फॉलोअर है। वहीं, इंस्टाग्राम पर बनाए गए अकाउंट में 4.34 लाख फॉलाअर हैं। दोनों ही अकाउंट में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी की फोटो भी लगाई गई है। प्रदेश अध्यक्ष का आरोप है कि फर्जी अकाउंट के जरिए छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्जकर अकाउंट बनाने वाले की आईपी एड्रेस की डिटेल मांगी गई है।

एक नजर

मोहनलालगंज के एक्सईएन और जेई निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : मोहनलालगंज क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन को अंडरग्राउंड किए जाने के मामले में लापरवाही बरतने पर बुधवार को एक्सईएन और जूनियर इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया। दोनों इंजीनियर पर आरोप है कि दोनों अधिकारी महीनों से आवेदक को दौड़ा रहे थे। हताश होकर पीड़ित महिला ने मेरठ के एक विधायक से इस मामले की शिकायत की। विधायक ने पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन को पत्र लिखा। इसके बावजूद जेई, एक्सईएन ने लापरवाही बरती और अंडरग्राउंड केबल का एस्टीमेट तक नहीं तैयार किया। इस मामले में एक्सईएन एमडी को भ्रामक सूचनाएं देकर गुमराह करते रहे। इस मामले में चेयरमैन ने शिकायतकर्ता से पूछताछ की, जिसमें एक्सईएन और जेई प्राथमिक जांच में दोषी पाये गए। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया।

जिलाबदर अपराधी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : कृष्णा नगर पुलिस ने जिलाबदर बदमाश संजय गांधी मार्ग, आजाद नगर निवासी चुनमुन उर्फ सोमेश्वर मिश्रा को बुधवार को घर पास से घूमते हुए गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

लावारिस हालत में मिला मासूम

अमृत विचार, लखनऊ : सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में अहिमामऊ अंडरपास के पास एक बच्चा लावारिस हालात में घूमता मिला। प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि लड़के की उम्र लगभग 5 से 6 वर्ष है। उसने पीली छीटदार शर्ट व नीले रंग की जीन्स पहन रखी है। वह अपना नाम संदीप व पिता का नाम धीरज बता रहा है। वह अपना पता नही बता पा रहा है। पुलिस उसके परिजनों की तलाश कर रही है।

केजीएमयू के गांधी वार्ड में फंदे से लटका मिला महिला कर्मी का शव

आउटसोर्सिंग के तहत वार्ड में आया के पद पर कार्यरत थी महिला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : केजीएमयू (किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी) के गांधी वार्ड में बुधवार सुबह एक महिला संविदाकर्मी बिट्टन (35) का शव फंदे से लटकता मिला। वह आउटसोर्सिंग के तहत वार्ड में आया थी। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने महिला के परिजनों को जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय के मुताबिक, ठाकुरगंज थाना अंतर्गत कैम्पवेल रोड निवासी बिट्टन केजीएमयू के गांधी वार्ड में आया थीं। उनका चयन आउटसोर्सिंग के तहत हुआ था। मेडिसिन विभाग के

परिजनों ने कहा, काम के दबाव से परेशान थी

स्ट्रेचर पर चढ़ कर लगाया फंदा

स्टोर रूम में काफी स्ट्रेचर रखे हुए हैं। कमरे की छत काफी ऊंची है। ऐसे में छत तक पहुंचने के लिए बिट्टन स्ट्रेचर पर चढ़ी थी। जिसके बाद हुक में साड़ी का फंदा बना कर खुदकुशी कर ली। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आया को ड्यूटी के लिए ड्रेस मिलती है। मंगलवार रात ड्यूटी पर आने के बाद बिट्टन ने ड्रेस नहीं बदली थी। बुधवार सुबह आया का शव साड़ी के सहारे लटकता मिला।

वार्ड छह में वह कार्यरत थी। उनकी ड्यूटी का समय रात 8 से सुबह 8 बजे तक था। बुधवार को गांधी वार्ड के तीसरी मंजिल पर बने कमरे में पंखे टांगने वाले लोहे के पाइप से उसका शव फंदे से लटकता मिला। कर्मचारियों ने उसे फंदे से लटकता देख फौरन केजीएमयू प्रशासन को जानकारी दी। इसके बाद केजीएमयू के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर ने बताया कि बिट्टन के पति बरकल अली केजीएमयू में चतुर्थ श्रेणी पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। परिवार दो पुत्र व एक पुत्री है। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गयी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। महिला के साथी कर्मचारियों ने बताया कि वार्ड आया पर काम अधिक होने का दबाव था। इस संबंध में उसने बार उसने उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया था। बावजूद इसके उसकी समस्या का निराकरण नहीं हो पाया था। परिजनों का भी कहना है कि काम के दबाव से वह परेशान चल रही थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घटनास्थल से किसी भी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेटे की मौत के बाद अवसाद में आए पिता ने ट्रेन से कटकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बेटे की मौत से आहत पिता रामगोपाल (54) ने मंगलवार देर रात भैदुवा गांव के पास ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रभारी निरीक्षक आलोक राव के मुताबिक, हुलासखेड़ा मजरा कटुवाखेड़ा गांव निवासी किसान रामगोपाल का शव मोहनलालगंज कोतवाली अंतर्गत भैदुवा गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मिला था। तीन वर्ष पूर्व वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बड़े बेटे विनोद की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह अवसाद में चल रहे थे। छोटे बेटे आशीष ने बताया कि मंगलवार रात करीब नौ बजे पिता रामगोपाल परिजनों को बगैर बताए घर से कहीं चले गए थे। काफी देर रात वह घर नहीं लौटे तब परिजनों ने उनकी खोजबीन की। बावजूद इसके पिता का कहीं पता नहीं चल सका। बताया कि बुधवार की सुबह सोशल मीडिया के जरिए उन्हें रेलवे ट्रैक पर किसी का शव मिलने की जानकारी हुई थी। जब वह मौके पर पहुंचे तब शव की शिनाख्त पिता रामगोपाल के रूप में की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथमदृष्टया में यह सामने आया कि किसान ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी की है। मृतक के परिवार में पत्नी कृष्णा व बेटा आशीष है। परिजनों ने किसी पर भी कोई आरोप नहीं लगाया है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा थाना अंतर्गत आउटर रिंग रोड के पास रेलवे ट्रैक पार कर खेत में गेंहू की फसल काटने जा रही किरन रावत (37) की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक अभिनव वर्मा के मुताबिक, अमेठिया सलेमपुर निवासी किरन रावत दुर्गागंज की एक नमकीन फैक्ट्री में पैकिंग का काम करती थी। पति अनिल रावत ने बताया कि मंगलवार शाम किरन फैक्ट्री में काम कर खेत में गेहूं की फसल काटने के लिए निकली थी। फैक्ट्री से निकलने के बाद वह खेत पर नहीं पहुंची। देर रात तक किरन घर भी नहीं आई। काफी तलाश के बाद आउटर रिंग रोड स्थित बाजनगर रेलवे लाइन के किनारे एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त पत्नी किरन के रूप में की। परिवार में एक बेटी नेहा व बेटा सनी और हनी हैं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया में ट्रेन से कटकर महिला की मौत की पुष्टि हुई है।

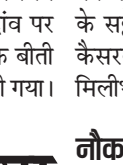

एटीएम हैंग करने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

शाखा प्रबन्धक ने आशियाना थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

मामले की जांच में जुटी आशियाना पुलिस

अमृत विचार : आशियाना थाना अंतर्गत पीएनबी के बूथ में लगी एटीएम मशीन को हैंग करने की कोशिश की गई। बैंक की ई-सर्विलांस टीम ने शाखा प्रबन्धक को जानकारी दी। इसके बाद शाखा प्रबंधक ने सम्बन्धित थाने में लिखित शिकायत देते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह के मुताबिक, पीएनबी खजाना मार्केट के शाखा प्रबन्धक भानुप्रताप ने एफआईआर दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में शाखा प्रबन्धक ने बताया कि बीते कई दिन से के-ब्लॉक स्थित बैंक के एटीएम बूथ में लगी एटीएम मशीन छेड़छाड़ की जा रही है। ई-सर्विलांस टीम की जांच में इस बात की पुष्टि हुई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले को संज्ञान में लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वेतन से मनमानी कटौती पर श्रम आयुक्त से शिकायत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लोहिया संस्थान सेवा प्रदाता कंपनी पर कर्मचारियों के वेतन में कटौती का लगा आरोप

अमृत विचार : लोहिया संस्थान में मानव आपूर्ति हेतु अनुबंधित सेवा प्रदाता फर्म पर कर्मचारियों के वेतन से अवैधानिक कटौती करने का आरोप लगा है। इस मामले में बुधवार को संविदा कर्मचारी संघ ने अपर श्रमायुक्त से शिकायत की है। संघ के अध्यक्ष रितेश मल्ल ने पत्र में लिखा है कि संस्थान में मई 2023 में एजेंसी का चयन हुआ। इसके तहत लगभग 200 सुरक्षाकर्मियों का ठेका मिला था। सेवा प्रदाता फर्म कर्मचारियों के वेतन से पहले कई माह तक 800 से 1500 रुपये की कटौती की। कर्मचारी जब इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की तो उसने कर्मचारियों को निकलवाने की धमकी दी। सेवा प्रदाता फर्म हर माह एक से डेढ़ लाख रुपए की कटौती सभी कर्मचारियों के वेतन से कर रही है। इस पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। मार्च 2024 के वेतन में कुल 200 कर्मचारियों का 600 रुपए वेतन काटा गया है। इस प्रकार कुल लगभग एक लाख 20 हजार रुपये की कटौती हुई है। इसके पहले होली पर पूरा वेतन आया था। इसके अलावा कर्मचारियों की गलती पाए जाने पर भी पैसा अलग से काटा गया। संस्थान प्रशासन मामले में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है।

संविदा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रितेश मल्ल का कहना है कि संविदा कर्मचारियों से तय समय से ज्यादा काम करवाया जा रहा है। ऐसा न करने पर उनकी सैलरी में कटौती की जा रही है।

सट्टा खेलने वाला परिचालक बर्खास्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

यात्रियों के टिकट के पैसे से आईपीएल के मैच में लगाया सट्टा

संविदा परिचालक की प्रतिभूति राशि की गई जब्त

अमृत विचार : यात्रियों को टिकट किराये में वसूली गई धनराशि को सट्टे में हार जाने वाले परिचालक को बुधवार को बर्खास्त कर दिया गया। कैसरबाग डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद यादव ने यह कार्रवाई की है।

बताते चलें कि कैसरबाग डिपो के संविदा परिचालक पंकज तिवारी ने यात्रियों के टिकट के 65 हजार रुपये आईपीएल मैच के सट्टे में दांव पर लगा दिए। संविदा परिचालक बीती 5 अप्रैल को बस लेकर दिल्ली गया। वहां से देहरादून जाकर 8 अप्रैल को वापस लखनऊ लौटा। उसके पास किराये के 65 हजार रुपये जमा थे। जिसे डिपो पर जमा करना था, लेकिन परिचालक कैश जमा ही नहीं किया। सूत्रों के मुताबिक परिचालक पंकज ने इस पैसे को आईपीएल के सट्टे में लगाया। इस मामले में कैसरबाग बस स्टेशन इंचार्ज की मिलीभगत का भी आरोप है।

नगराम में सोहनलाल की हत्या के बाद मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीणों को समझाते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

तंत्र-मंत्र के शक में भतीजों ने की थी चाचा की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

फॉलोअप

मुआवजे की मांग को लेकर परिजन सड़क पर शव रख किया प्रदर्शन

नगराम पुलिस ने तीन भतीजों को उनकी मां के साथ किया गिरफ्तार

अमृत विचार : नगराम थाना अंतर्गत पालखेड़ा गांव में मंगलवार शाम चाचा सोहनलाल (55) की हत्या कर फरार तीन भतीजों को उनकी मां के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान हत्यारोपियों ने बताया कि तंत्र-मंत्र के शक में चाचा की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वारकर उनकी हत्या की थी। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी घटनास्थल से भाग गए थे। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद किसान का शव लेकर घर लौटे परिजनों ने नगराम-समेसी मार्ग पर शव रखकर हत्यारोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। हालांकि, एसीपी मोहनलालगंज राधारमण सिंह के मुताबिक, किसान सोहनलाल की पत्नी ने भाभी सुघारा देवी, भतीजे मनीराम, हरीराम, धनीराम और उनके मौसेरे भाई के खिलाफ नगराम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्रभारी निरीक्षक विवेक चौधरी ने बताया कि बुधवार को पुलिस दबिश देकर सुघारा देवी, हरीराम, धनीराम और मनीराम को गिरफ्तार किया गया। पकड़े जाने पर हत्यारोपियों ने बताया कि सोहनलाल से उनके परिवार का झगड़ा चल रहा था। उनके परिवार को आपस में लड़ाने के लिए वह तंत्रमंत्र भी करता था। जिससे उनके परिवार में कई तरह की समस्याएं आने लगी थीं। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शाम साढ़े चार बजे परिजन सोहनलाल का शव लेकर गांव पहुंचे। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने नगराम-समेसी मार्ग पर शव रखकर प्रदर्शन किया। ग्रामीण पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। करीब दो घंटे तक वह सड़क पर हंगामा करते रहे, जिससे यातायात बाधित हो गया। हंगामे की जानकारी मिलते ही एसपी मोहनलालगंज मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को हत्यारोपियों की गिरफ्तारी करने की जानकारी देते हुए प्रदर्शन समाप्त कराया।

नौकर ने स्कूल से चुराए ढाई लाख रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : आलमबाग कोतवाली में स्कूल से रुपया चोरी होने पर नौकर पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक एसएस महादेवन ने बताया कि गढ़ी कनौरा में संचालित आजाद बाल विद्यालय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य राधेलाल भार्गव के अनुसार दिल्ली प्रेमवती नगर निवासी गौरव कुमार उर्फ राहुल उनके स्कूल में नौकर के रूप में कार्य करता है। आरोप है कि जिसने बीते 7 मार्च को स्कूल की दराज में रखे ढाई लाख रुपये उसने चोरी कर लिये और स्कूल की स्कूटी लेकर फरार हो गया था। खोजबीन के दौरान उन्हें स्कूटी लावारिस रूप में नत्था होटल के समीप बने शौचालय के पास खड़ी मिली। जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। लेकिन आरोपी नौकर उन्हें नहीं मिला, जिसका पता न चलने पर मुकदमा दर्ज कराया है।

हर्ष फायरिंग करने वाला भाजपा पार्षद गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

खबर का असर

अमृत विचार में खबर प्रकाशित होने पर पुलिस ने भाजपा पार्षद को पकड़ा

शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के लिए डीएम कार्यालय को भेजी गई रिपोर्ट

अमृत विचार : आशियाना थाना अंतर्गत जन्मदिन पार्टी में हर्ष फायरिंग करने वाले भाजपा पार्षद का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसे अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। बुधवार को पुलिस ने पार्षद की गिरफ्तारी करते हुए उसकी लाइसेंसी रिवॉल्वर सीज कर दी है।

डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह के मुताबिक, मंगलवार को भाजपा पार्षद ब्रजमोहन शर्मा का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वह डीजे पर डांस के वक्त दो राउंड फायरिंग करते दिखाई पड़ रहे थे। वीडियो की पहचान कर पुलिस की दो टीमें गठित की गई थी। बुधवार को पुलिस ने रजनीखंड से पार्षद को उसके घर से गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने बताया कि ब्रजमोहन शर्मा के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने की रिपोर्ट भेजी गई है।

कमाई का लालच देकर ठगे 1.30 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : जालसाजों ने नेटवर्किंग साइट पर कमाई का लालच देकर युवक से 1.30 लाख रुपये हड़प लिए, पीड़ित ने बिजनौर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। बिजनौर के रजिस्ट्री ऑफिस के पास रहने वाले मो. समीर के मुताबिक बीती 29 मार्च को सोशल नेटवर्किंग साइट टेलीग्राम से उसे टास्क पूरा करने के लिए मिला। समीर ने पहले कुछ रुपये उसमें लगाए, जिसमें उसे कुछ मुनाफा भी मिला। इसके बाद जालसाज की बातों में आकर समीर ने 1.55 लाख रुपए निवेश किया, लेकिन उसे मुनाफे की रकम नहीं मिली। जब उसने दिए गए नंबर से सम्पर्क किया, तो वह बंद मिला। ठगी का अहसास होने के बाद पीड़ित ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

शहर में चार स्थानों पर लगी आग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आईटीआई परिसर की पार्किंग में स्कूटी-बाइक जलीं

काकोरी में गेंहू की फसल और कूड़े के ढेर में लगी आग

अमृत विचार : राजधानी में बुधवार को तीन अलग-अलग स्थानों पर आग लगने से भगदड़ मच गई। जिसमें अलीगंज स्थित राजकीय आद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की पार्किंग में आग लगने से वहां खड़ी स्कूटी और बाइक धू-धू कर जलने लगीं। वहीं, काकोरी में गेंहू की फसल में आग लग गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, इन घटनाओं में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई नहीं है।

मुख्य शमन अधिकारी (सीएफओ) मंगेश कुमार के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े दस बजे दमकल विभाग के कंट्रोल रूम पर अलीगंज के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की पार्किंग में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद हजरतगंज फायर स्टेशन से दो अग्निशमन की गाड़ियां मौके पर पहुंची। एफएसओ हजरतगंज रामकुमार रावत ने बताया कि पार्किंग में खड़ी स्कूटी में आग लगने के बाद एक बाइक भी इसकी जद में आ गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

गेंहू की फसल और खाली प्लाट में लगी आग

एफएसओ चौक पुष्पेंद्र यादव ने बताया कि सुबह 11:41 बजे फायर स्टेशन पर काकोरी के गौरी सकरा गांव में गेंहू की फसल में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद चौक फायर स्टेशन से एक गाड़ी घटनास्थल के लिए रवाना हुई। कड़ी मशक्कत कर दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। वहीं, दूसरी तरफ कृष्णानगर कोतवाली अंतर्गत इंद्रलोक कॉलोनी आलमबाग में दोपहर एक बजे खाली प्लाट में आग लग गई। एफएसओ आलमबाग ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले अभय त्रिवेदी की सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

महंगे शौक पूरा करने के लिए करते थे लूट, गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

महिला से चेन स्नैचिंग के मामले में पुलिस ने दो को पकड़ा

अमृत विचार : पीजीआई थाना अंतर्गत एल्डिको चौकी के पास ई-रिक्शा सवार महिला से चेन छीनकर भागने वाले दो लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लुटेरों के पास से पुलिस ने लूटी गई चेन और एक स्कूटी बरामद की है।

डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह के मुताबिक, वृंदावन कॉलोनी के पास कैंट के निलमथा निवासी अस्मिन कुमार और हुसैनगंज निवासी आयुष सिंह को गिरफ्तार किया गया है। गत 21 अप्रैल को लुटेरे ई-रिक्शे पर सवार प्रतापगढ़ की रहने वाली मोनी सिंह के गले से चेन छीनकर भाग निकले थे। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में लुटेरे स्कूटी से भागते दिखाई पड़े थे। स्कूटी की नंबर प्लेट के आधार पर दोनों को ट्रेस कर पकड़ा गया है। पूछताछ में लुटेरों ने बताया कि उनको महंगे मोबाइल फोन का शौक है। लूटे गए मोबाइलों को आरोपी बेच कर मिलने वाले रुपयों नया हैंडसेट खरीदते थे। मोनी सिंह से लूटी गई चेन बेचने के लिए कई सोनार से बात भी की थी।

परेशानी सीतापुर-लखनऊ हाईवे पर स्थित आउटर रिंग रोड तक आए दिन लगता है जाम

ई-रिक्शा व टेम्पो लगा रहे हाईवे पर जाम

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : बख्शी का तालाब थाना अंतर्गत भैंसामऊ रेलवे क्रासिंग से लेकर सीतापुर लखनऊ हाइवे पर स्थित आउटर रिंग रोड तक आये दिन जाम लगता है। रेलवे क्रासिंग के आसपास मनमानी ढंग ई-रिक्शा और टेम्पो खड़े होने व स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता की वजह से लोगों को इस परेशानी को झेलनी पड़ती है।

सीतापुर लखनऊ हाइवे से जुड़ी होने के कारण कुम्हरावां रोड से बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। भैंसामऊ चौराहे पर निर्माणाधीन पुलिया के चौड़ीकरण का कार्य बंद होने की वजह से आउटर रिंगरोड जाने के लिये भारी वाहन ट्रक, बस शार्ट कट का सहारा लेते हैं। पुलिया संकरी होने की वजह से बड़े वाहनों को मोड़ने में अक्सर रोड जाम लग जाता है। जिसकी वजह से कुम्हरावां रोड पर जाम लग जाता है। वहीं, भैंसामऊ रेलवे क्रासिंग के आसपास ई-रिक्शा और टैम्पो मनमाने ढंग से खड़े होते हैं। जिसकी वजह से रेलवे क्रासिंग से लेकर तहसील रोड स्थित आउटर रिंग रोड तक लंबा रोड जाम लग जाता है।

रेलवे क्रासिंग के निकट रोड जाम की यह समस्या किसी एक दिन की नहीं है बल्कि हर रोज की है। सुबह आठ बजे से लेकर रात्रि 11 बजे तक लोगों को इस विकराल समस्या से दो चार होना पड़ता है। एसीपी सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि भैंसामऊ और अस्ती रेलवे क्रासिंग के पास अभी यह समस्या है। आउटर रिंगरोड पर वाहनों का आवागमन शुरू हो जाने पर समस्या नहीं रहेगी।

बीकेटी में सीतापुर रोड पर लगा जाम। अमृत विचार

गैराज से पार्ट्स चोरी में गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : फीनिक्स मॉल के निकट गाड़ियों के पार्ट्स चोरी करते हुये चोर को गैराज मालिक ने पकड़ लिया। कृष्णा नगर क्षेत्र के आजाद नगर निवासी आजम का बाराबिरवा फीनिक्स मॉल के नजदीक ज्वाला डे नाइट नामक वर्कशाप है। मंगलवार एक युवक उनके वर्कशाप में घुस गया और गाड़ियों के पुराने पार्ट्स को एक बोरी में रखकर ले जाने लगा। खटपट की आवाज सुन गैराज मालिक ने उसे पकड़ लिया। उसकी शिनाख्त मुमरेज खान निवासी ग्राम हलुमारी जिला बरपटा निवासी आसाम के रूप में हुई। ज्ञातव्य है कि क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन पुलिस अभी तक खुलासा नहीं कर पाई है।

दोस्तों ने घर बुलाकर छात्रा को पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कैसरबाग कोतवाली में छात्रा ने दर्ज कराई एफआईआर

अमृत विचार : कैसरबाग कोतवाली में एक छात्रा ने अपने दोस्तों के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज की धाराओं एफआईआर दर्ज कराई है। छात्रा का आरोप है कि दोस्त ने उसे घर बुलाकर पिटाई की। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के मुताबिक, बाबा ठाकुरदास, शुभम सिनेमा निवासी तनु खान (18) ने दोस्त दानिश, काशिश और आसिफ पर एफआईआर दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में छात्रा ने बताया कि गत 21 अप्रैल शाम करीब साढ़े आठ बजे दानिश ने उसे कॉल कर अपने घर के बाहर मिलने के लिए बुलाया था। जब वह दानिश से मिलने पहुंची तो वह दोस्त आफिस और काशिश के साथ आया। तभी उनके बीच पुराने विवाद को लेकर झगड़ा हो गया जिसमें दानिश ने उसकी पिटाई कर दी। आरोप है कि झगड़े के दौरान आसिफ ने छात्रा का सिर पकड़ कर दीवार से टकरा लिया। इसी बीच दोस्तों ने उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। वह किसी तरह से वहां से बच कर घर पहुंची। इसके बाद उनसे दोस्तों के खिलाफ कैसरबाग कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कार सवार ने बीटेक छात्र को मारी टक्कर, घायल

अमृत विचार, लखनऊ : बीटेक के छात्र को बोलेरो चालक ने ठोकर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। छात्र ने बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के न्यू बेहसा स्थित प्रगति विहार सोसाइटी निवासी सलमान मोहनलालगंज स्थित अंबालिका इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट कालेज में बीटेक का छात्र है। बीते 18 अप्रैल को सलमान अपनी बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में बिजनौर के कमालपुर तिराहे के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उसे ठोकर मार दी। हादसे में सलमान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका अभी भी इलाज चल रहा है।

एक नजर

50 लोगों ने किया रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊ : संत निरंकारी मंडल लखनऊ शाखा की ओर से बुधवार को श्रृंगार नगर, आलमबाग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। बलरामपुर अस्पताल के ब्लड बैंक के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया है। इस मौके पर ब्लड बैंक प्रभारी विनोद गुप्ता ने लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया।

27 से 29 तक प्रकाश पर्व मनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : गुरु तेग बहादुर का 403वां प्रकाश पर्व एलडीए कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा मानसरोवर में 27 से 29 अप्रैल तक बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। 27 अप्रैल को सुबह 9 बजे अखंड पाठ से कार्यक्रम शुरू होगा, जिसका समापन 29 की सुबह 8 बजे होगा। 28 व 29 को शाम 6.30 बजे से रात 11.30 बजे तक कीर्तन दीवान सजाया जाएगा। जिसमें अमृतसर से गुरजिंदर सिंह, करतारपुर से राजिंदर सिंह, शाहबाद मारकंडा से बीबी कंवलजीत कौर अपनी गुरबाणी, कीर्तन व कथा से संगत को निहाल करेंगी।

अनन्या, श्री और आराध्या यूपी रोलबॉल टीम में

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी की श्री श्रीवास्तव, अनन्या यादव और आराध्या नारायण का चयन यूपी रोलबॉल टीम में किया गया है। देहरादून (उत्तराखंड) में 25 से 28 अप्रैल तक होने वाली राष्ट्रीय सब जूनियर रोलबॉल चैंपियनशिप में यह टीम प्रतिभाग करेगी। लखनऊ रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा के अनुसार, इस प्रतियोगिता में देशभर की 54 से अधिक बालक-बालिका की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

27 को राजस्थान को हराने इकाना पर उतरेगी एलएसजी

पिछले सत्र से बेहतर रहा लखनऊ की टीम का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिस तरह से लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम और इकाना स्टेडियम में धमाकेदार प्रदर्शन कर चेन्नई सुपर किंग्स को धूल चटाई है, उससे लखनऊ में उसके समर्थकों की उम्मीदें और बढ़ गई है। टीम में शामिल खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि इस बार वह आईपीएल की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक हैं। एलएसजी के सीईओ से लेकर टीम के प्रमोशन से जुड़े पदाधिकारी और इकाना स्टेडियम का प्रबंधन भी यहां अपनी टीम की हार को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। 27 अप्रैल को एलएसजी का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होना है। लेकिन यह मुकाबला आसान नहीं होगा। अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स आठ में से एक मैच हारने के बाद शीर्ष पर मौजूद है।

एलएसजी ने अपने मैदान पर अभी तक चार मैच खेले हैं, जिनमें से तीन मुकाबलों में जीत दर्ज की है। टीम के बल्लेबाज क्विंटन डिकाक, केएल राहुल, निकोलस पूरन, मार्कस स्टॉयनिस जैसे बल्लेबाज टीम की जान बने हुए हैं। इसी तरह से गेंदबाजी में भी स्पीड स्टार मयंक यादव के बाद यश ठाकुर की गेंदों का सामना करना विरोधी टीमों के लिए आसान नहीं है। रवि बिश्नोई और क्रुणाल पांडया की घूमती गेंदे भी जीत का ककहरा लिख रही हैं।

घरेलू मैदान में एलएसजी को तीन मैच राजस्थान रॉयल्स (27 अप्रैल), मुंबई इंडियंस (30 अप्रैल) और केकेआर (पांच मई) से खेलने हैं। क्रिकेट प्रेमी अब इन मैचों में एलएसजी को जीतते हुए ही देखना चाह रहे हैं। पिछले सत्र में टीम ने इकाना स्टेडियम में सात मैच खेले। इसमें टीम के खाते में तीन जीत और तीन हार आई, जबकि एक मैच बारिश के चलते धुल गया था।

राजधानी पहुंचे एलएसजी के खिलाड़ी

एलएसजी की टीम मंगलवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ धमाकेदार जीत के बाद बुधवार को लखनऊ पहुंच गई। टीम का आज (गुरुवार) इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के राजधानी पहुंचने की संभावना है। हालांकि इस दिन टीम का अभ्यास तय नहीं है। ऐसे में खिलाड़ी शुक्रवार को स्टेडियम में अभ्यास करेंगे।

ग्रेटर नोएडा के अभय एलएसजी में शामिल

अभय तिवारी

अमृत विचार : लखनऊ सुपर जायंट्स संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों को बढ़ाने में भी जुटा है। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा में एलएसजी अकादमी खोलने के बाद अब अकादमी के प्रशिक्षु अभय तिवारी को गेंदबाज के रूप में भर्ती किया है। अभय की प्रतिभा को पिछले वर्ष अनुभवी कोचिंग स्टाफ द्वारा निखारा गया था। कुछ ही महीनों में अभय ने ऑफ स्पिनर के रूप में अलग पहचान बना ली। अभय ने कहा कि जब से मैं अकादमी में शामिल हुआ हूं, मुझे प्रशिक्षकों ने तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया है। उन्होंने मेरी स्किल्स के साथ मेरी फिटनेस पर भी काफी ध्यान दिया है। मुझे अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से प्रदर्शन करने का मौका मिला है। सीएफएस के संस्थापक आशीष बलूजा ने कहा कि अभय जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को एलएसजी द्वारा मान्यता प्राप्त होते देखना अविश्वसनीय रूप से गर्व का क्षण है। अकादमी में अपार प्रतिभा है और इसे विकसित करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

शतरंज टूर्नामेंट : आरव व निखार बने संयुक्त विजेता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आरव गर्ग और निखार सक्सेना ने अवध आईटीआई ओपन शतरंज टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर के बाद सर्वाधिक स्कोर के साथ संयुक्त रूप से ट्रॉफी जीत ली।

चेस क्लब ब्लैक एंड व्हाइट (सीसीबीडब्ल्यू-लखनऊ) द्वारा शहर के एक होटल में आयोजित इस टूर्नामेंट में आरव व निखार ने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार जीत के साथ एक-दूसरे के खिलाफ ड्रॉ खेला। 7वें व अंतिम राउंड के बाद दोनों ने ही 6.5-6.5 अंक हासिल किए। इसके बाद दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

महिला वर्ग में वर्तिका और वेटरन में मोहम्मद इरफान पहले स्थान पर रहे। वेटरन (60 वर्ष से अधिक) वर्ग में मोहम्मद इरफान ने 5.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया और आरपी गुप्ता 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। राजेंद्र महाना और अजीत कुमार श्रीवास्तव को 3-3 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

महिला वर्ग में वर्तिका आर वर्मा 5 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। उनसे एक अंक से पिछड़ी तूलिका कुमारी गौतम 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। दीपांजलि मेहरोत्रा और आंचल मौर्य ने 3.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरा स्थान साझा किया।

टीम श्रेणी में लखनऊ शतरंज सेंटर ने कोच लखनऊ के वरिष्ठ खिलाड़ी सईद अहमद की अगुवाई में 28 अंकों के मुकाबले में सर्वाधिक 19.5 अंकों के साथ ट्रॉफी अपने नाम की। समापन समारोह में अवध आईटीआई के प्रबंध निदेशक अमित कुमार वर्मा ने पुरस्कार वितरित किए।

विजेताओं के साथ मुख्य अतिथि अवध आईटीआई के प्रबंध निदेशक अमित कुमार वर्मा। अमृत विचार

महिला वर्ग में वर्तिका और वेटरन में मोहम्मद इरफान पहले स्थान पर रहे

परिणाम

- अंडर-10 : प्रथम : अमय राजेंद्र (स्टडी हॉल, गोमती नगर) 5 अंक, द्वितीय : अभिज्ञान कटियार (मॉडर्न स्कूल, अलीगंज) 4 अंक
- अंडर-13 : प्रथम : सम्यक सागर (डीपीएस एल्डिको) 4 अंक, द्वितीय : अर्जुन गर्ग (सेंट फ्रांसिस, हजरतगंज) 4 अंक
- अंडर-16 : प्रथम : अभिनव कीर्ति वर्मन (डीपीएस एल्डिको) 5 अंक, द्वितीय : आराध्या गुप्ता, (सेंट मैरी कॉन्वेंट) 5 अंक

करन व पृथ्वी ने ब्रेवर्स क्लब को दिलाई रोमांचक जीत

अमृत विचार, लखनऊ : मैन ऑफ द मैच करन सिंह (3 विकेट) की गेंदबाजी के बाद पृथ्वी राज (42) की उपयोगी पारी से ब्रेवर्स क्रिकेट क्लब ने सीएल टी-20 क्रिकेट लीग के रोमांचक मुकाबले में एसएआर स्पोर्ट्स ग्रुप को एक विकेट से हराकर पूरे अंक जुटाए। लार्ड बालाजी बी ग्राउंड पर एसएआर स्पोर्ट्स ग्रुप की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 111 रन ही बना सकी। जवाब में ब्रेवर्स क्रिकेट क्लब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.4 ओवर में 9 विकेट पर 113 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। इसी टूर्नामेंट के एक अन्य लीग मुकाबले में यूपी टिम्बर ने द्रोण क्रिकेट अकादमी को 84 रनों से हरा दिया। सहारा गोमती नगर मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी टिम्बर ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 225 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच करण सिंह ने आतिशी पारी खेली। उन्होंने 51 गेंदों में 15 चौके और 4 छक्कों की सहायता से 100 रन बनाए। जवाब में द्रोण क्रिकेट अकादमी की टीम 141 रन ही जोड़ सकी।

संरक्षा के प्रति सभी विभाग रहें सजग : एजीएम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

महासम्मेलन में रेलवे कर्मचारियों को सुरक्षा से जुड़ी जानकारियां देते डीआरएम।

तीन दिवसीय द्वितीय संरक्षा महासम्मेलन का एजीएम ने किया उद्घाटन

अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे हमेशा संरक्षा को उच्च प्राथमिकता देता है और हमें यात्रियों की सुरक्षा के लिए इसे बनाए रखना है। पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक (एजीएम) डीके सिंह ने सभी रेलकर्मियों को निर्देश दिया कि वे संरक्षा नियमों को प्रभावित करने वाले किसी भी शॉर्ट-कट उपाय को न अपनाएं। संरक्षा सभी विभागों का सामूहिक दायित्व है। अतः संरक्षा के प्रति सभी विभाग सजग रहे। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय लखनऊ के बहुउद्देशीय हॉल में बुधवार से शुरू हुए तीन दिवसीय द्वितीय संरक्षा महासम्मेलन का एजीएम ने उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि यदि परिचालिनिक संचालन के दौरान ट्रेन या रेलपथ पर कोई तकनीकी व्यवधान होता है तो संरक्षा के दृष्टिगत अच्छी तरह से सुनिश्चित होने के पश्चात ही ट्रेनों का संचालन किया जाये। इसके पश्चात एजीएम ने संरक्षा विभाग द्वारा संचालित नये यू-टयूब चैनल का शुभारंभ रिमोट बटन दबाकर किया। एजीएम ने रेल कर्मियों द्वारा बनाये गये संरक्षा चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संरक्षा स्लोगन, संरक्षा निबंध, बेस्ट सेफ्टी वीडियों एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। पूर्वोत्तर रेलवे के एजीएम, डीआरएम एवं एडीआरएम (इंफ्रा) एवं शाखाधिकारियों और रेल कर्मियों की उपस्थिति में किया गया।

इससे पूर्व अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा.) राजीव कुमार ने कहा कि हमें संरक्षा को अपने जीवन की दिनचर्या तथा कार्यशैली में शामिल करना होगा। टीम वर्क से संरक्षा और मजबूत होती है। उन्होने कहा कि संरक्षा महासम्मेलन में संरक्षा इंजीनियरिंग, समाडि, टीआरडी, परिचालन, विद्युत, कार्मिक, लेखा, वाणिज्य, सुरक्षा एवं चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञों द्वारा दिये गये व्याख्यान से भाग लेने वाले रेलकर्मियों को संरक्षा ज्ञान प्राप्त होगा। इससे ड्यूटी के दौरान रेल कर्मचारियों को अनुशासन, कर्मठता, सजगता एवं तत्परता संरक्षा के नियमों से लाभ प्राप्त होगा। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. शिल्पी कन्नौजिया ने कहा कि संरक्षा महासम्मेलन का उददेश्य है कि सभी कर्मचारियों द्वारा संरक्षा ही सर्वोपरि है के सिद्धांत को अपने चेतन व अवचेतन मन में समाहित किया जाये।

राजस्व बढ़ाने के लिए वेंडर्स ने रेलवे को दिए सुझाव

वेंडरों के साथ डीआरएम ने की बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल कार्यालय के सभागार में बुधवार को आयोजित बैठक में गैर-किराया राजस्व और नई अभिनव गैर-किराया राजस्व विचार योजना के संबंध में वेंडर्स के साथ विचार-विमर्श किया गया।

इस बैठक में 18 वेंडर्स शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण बैठक में वेंडर्स ने अपने प्रस्तावों को साझा किया, जोकि मंडल के राजस्व वृद्धि में मददगार हो सकते हैं। इस मौके पर डीआरएम एसएम शर्मा ने बैठक में मंडल के विभिन्न माध्यमों जैसे कि रेल ओवर ब्रिज, रेल अंडर पास, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां, रेल गाड़ियों पर विनाइल रैंपिंग के माध्यम से व्यापार को बढ़ाने का सुझाव भी दिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद - राठ (हमीरपुर)

पत्रांक 52 / न0 पा0 प0– राठ / म्यु0सू0 / 2023–24/ दिनांक 15/04/2024

सूचना प्रकाशन

नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदक/आवेदकों द्वारा इस नगर पालिका परिषद के गृहकर अभिलेखों में नवीन कर निर्धारण / नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। नाम दाखिल किये जाने वाले व्यक्ति का नाम तथा नाम खारिज किये जाने वाले व्यक्ति का नाम पता सहित निम्नानुसार अंकित है उपरोक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है बादम्याद अन्यथा की स्थिति में एक पक्षीय कर निर्धारण / नामान्तरण कार्यवाही कर दी जाएगी। जिसका उत्तरदायित्व नगर पालिका परिषद राठ का नहीं होगा।

क्र0 सं0	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता/भवन स्वामी का नाम जो खारिज होना है	मुहल्ला	वार्ड सं0	कर निर्धारण नामान्तरण का आधार
1	श्री नरेन्द्र कुमार द्विवेदी व जितेन्द्र द्विवेदी पुत्र गण प्रहलाद कुमार द्विवेदी	श्रीमती गौरी दुल्हन बेवा बालमुकुन्द	दीवानपुरा –2	03	पंजीकृत वसीयतनामा

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
राठ– हमीरपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद- राठ (हमीरपुर)

पत्रांक 31 / न0 पा0 प0– राठ / म्यु0सू0 / 2023–24/ दिनांक 15/04/2024

सूचना प्रकाशन

नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदक/आवेदकों द्वारा इस नगर पालिका परिषद के गृहकर अभिलेखों में नवीन कर निर्धारण/नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है। नाम दाखिल किये जाने वाले व्यक्ति का नाम तथा नाम खारिज किये जाने वाले व्यक्ति का नाम पता सहित निम्नानुसार अंकित है उपरोक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है बादम्याद अन्यथा की स्थिति में एक पक्षीय कर निर्धारण / नामान्तरण कार्यवाही कर दी जाएगी। जिसका उत्तरदायित्व नगर पालिका परिषद राठ का नहीं होगा।

क्र0 सं0	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता/भवन स्वामी का नाम जो खारिज होना है	मुहल्ला	वार्ड सं0	भवन सं0	कर निर्धारण /नामान्तरण का आधार
1	श्री मोहम्मद आकिल पुत्र मोहम्मद इदरीश	श्री मुहम्मद इदरीश पुत्र नबी बक्श	कोटबाजार	20	122	पंजीकृत दान पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद राठ
हमीरपुर

इलाज की धनराशि हड़पने के मामले में जांच शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू में गरीबों के इलाज के लिए मिलने वाली धनराशि को मिलीभगत से प्राइवेट वार्ड में भर्ती सक्षम लोगों को देने के मामले की जांच शुरू हो गई है। सीएमएस ने बुधवार को आईटी सेल से ब्यौरा तलब किया है। इंदिरा नगर निवासी मरीज विश्वनाथ बीती 11 मार्च को यूरोलॉजी विभाग के प्राइवेट रूम में भर्ती हुए थे। प्राइवेट वार्ड में भर्ती मरीज की यूएचआईडी नंबर पर करीब आठ हजार रुपये ट्रांसफर किए। इस राशि से मरीज ने ब्लड व रेडियोलॉजी से जुड़ी जांच कराई थी। सीएमएस डॉ. बीके ओझा ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जन्म प्रमाणपत्र बनवाने को दो माह से तहसील के चक्कर लगा रहा पिता

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर तहसील आम जनता को जन्म और जाति प्रमाण पत्र आदि बनवाने के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। आलम यह कि आवेदन के दो-दो महीने बीत जाते हैं, लेकिन उनके यह प्रमाण पत्र नहीं बन पाते। उदाहरण स्वरूप सरोजिनीनगर के शांति नगर निवासी रविंद्र प्रताप सिंह ने 6 अक्टूबर 2020 में जन्मी बेटी इशिता सिंह का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय में 13 फरवरी 2024 को आवेदन किया था। लेकिन दो महीने से ज्यादा समय गुजर जाने के बाद भी जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया।

मां-बाप के अलग होने से बच्चों पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव : अनुराग अरोड़ा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विवाह विच्छेद के कारण बच्चों के जीवन पर पड़ रहा बुरा असर

अमृत विचार : 'मुझे माफ करना ओम सांई राम, तुझसे पहले लूंगा मम्मी-डैडी का नाम, जिन्हें मम्मी-डैडी का प्यार नहीं मिलता उन्हें खुशियों का संसार नहीं मिलता'।

फिल्म का ये गाना उन बच्चों पर बिल्कुल सही बैठता है जो किसी कारण वश अपने मां-पिता से अलग हो जाते हैं। आजकल पति-पत्नी के बीच अलगाव की स्थितियां ज्यादा पैदा हो गई हैं। जिसकी वजह से नौबत तलाक तक आ जाती है और इनके अलग होने की वजह से बच्चों को भी दोनों का प्यार और पालन-पोषण नहीं मिल पाता हैं।

पारिवारिक न्यायालय के अधिवक्ता अनुराग अरोड़ा बताते है कि न्यायालय में पारिवारिक विवाद एवं विवाह विच्छेद के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि विवाह विच्छेद के कारण से बच्चों में दुष्प्रभाव और उनके जीवन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही उन्हें माता -पिता से मिलने वाले प्यार एवं परवरिश से भी वंचित रहना पड़ रहा है।

इन समस्याओं को देखते हुए विवाह विच्छेद को रोकने के लिए अदालतों द्वारा प्रिलेटीगेशन जैसी प्रक्रियाओं का इस्तमाल किया जाना शुरू किया गया है। जिससे विवाह विच्छेद की नौबत आने से पूर्व ही प्रिलेटीगेशन के माध्यम से विवाह विच्छेद होने से रोका जा सकता है और बच्चों को भी माता-पिता के प्यार से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

इस संबंध में कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के मानसिक रोग विशेषज्ञ एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर देवाशीष शुक्ला ने बताया कि वर्तमान के भौतिकतावादी युग में मां-बाप के अलग होने पर बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक कई तरीकों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना सं. 86 / 2024

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि यात्रियों के सुविधा के लिए निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल गाड़ियों का संचलन निम्नवत् किया जायेगा।

(1)गाड़ी सं. 05301 / 05302 मऊ- आंनद विहार (ट)-मऊ ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- मऊ से (गुरूवार) को दिनांक: 25.04.2024 सें 27.06.2024 = 10 फेरा, आनंद विहार (टी) से (गुरूवार) को दिनांक: 25.04.2024 से 27.06.2024 = 10 फेरा

गाड़ी सं. 05301 मऊ-आनंद विहार (ट)			गाड़ी सं. 05302 आनंद विहार (ट) - मऊ	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	04.00	मऊ	14.30	---
04.42	04.44	बेलथरा रोड	13.38	13.40
05.20	05.22	भटनी	13.05	13.07
05.42	05.44	देवरिया सदर	12.40	12.42
06.50	07.00	गोरखपुर	11.30	11.40
07.35	07.37	खलीलाबाद	10.38	10.40
08.08	08.10	बस्ती	10.05	10.07
08.58	09.00	मनकापुर	09.05	09.07
09.25	09.35	गोंडा	08.38	08.40
10.35	10.37	बुढ़वल	07.35	07.37
12.18	12.23	सीतापुर	06.00	06.05
15.35	15.37	बरेली	02.55	02.57
17.20	17.22	मुरादाबाद	01.23	01.25
19.35	19.37	गाज़ियाबाद	22.53	22.55
20.30	---	आनंद विहार (ट)	---	22.30

रेक संरचना - शयनयान-07, साधारण द्वितीय श्रेणी- 04, एसी 2 टियर - 02, एसी 3 टियर इकोनोमी- 06, एलएसएलआरडी--01, लगेज-सह- जनरेटर यान - 01 = कुल 21 कोच

(2)गाड़ी सं. 05309 / 05310 मऊ- आंनद विहार (ट)-मऊ ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- मऊ से (रविवार) को दिनांक: 28.04.2024 सें 23.06.2024 = 09 फेरा, आनंद विहार (टी) से (सोमवार) को दिनांक: 29.04.2024 से 24.06.2024 = 09 फेरा

गाड़ी सं. 05309 मऊ-आनंद विहार (ट)			गाड़ी सं. 05310 आनंद विहार (ट) - मऊ	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	18.00	मऊ	04.00	---
18.35	18.37	बेलथरा रोड	02.55	02.57
19.15	19.17	भटनी	02.00	02.02
19.37	19.40	देवरिया सदर	01.40	01.42
20.40	20.50	गोरखपुर	00.30	00.40
21.25	21.30	खलीलाबाद	23.55	23.57
21.55	21.57	बस्ती	23.30	23.32
22.40	22.42	मनकापुर	22.40	22.42
23.05	23.10	गोंडा	22.15	22.17
00.10	00.12	बुढ़वल	21.20	21.22
01.40	01.45	सीतापुर	19.45	19.50
04.45	04.50	बरेली	16.40	16.45
06.40	06.45	मुरादाबाद	14.45	14.50
08.55	08.57	गाज़ियाबाद	13.30	13.32
10.00	---	आनंद विहार (ट)	---	12.30

रेक संरचना - शयनयान-05, साधारण द्वितीय श्रेणी- 04, एसी 2 टियर - 02, एसी 3 टियर - 08, प्रथम सह द्वितीय एसी-01, एलएसएलआरडी-01, लगेज-सह- जनरेटर यान - 01 = कुल 22 कोच

(3) गाड़ी सं. 05323 / 05324 छपरा - आंनद विहार (ट)-छपरा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- छपरा से (सोमवार) को दिनांक: 29.04.2024 सें 24.06.2024 = 09 फेरा, आनंद विहार (टी) से (मंगलवार) को दिनांक: 30.04.2024 से 25.06.2024 = 09 फेरा

गाड़ी सं. 05323 छपरा-आनंद विहार (ट)			गाड़ी सं. 05324 आनंद विहार (ट) - छपरा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	23.55	छपरा	17.30	---
00.45	00.50	सिवान	16.10	16.15
01.25	01.30	थावे	15.15	15.20
02.00	02.02	तमकुही रोड	14.30	14.32
02.28	02.30	पडरौना	14.00	14.02
03.45	03.50	कप्तानगंज	13.15	13.20
04.50	05.00	गोरखपुर	12.15	12.25
05.40	05.42	खलीलाबाद	11.22	11.24
06.07	06.10	बस्ती	10.50	10.53
06.32	06.34	बभनान	10.14	10.16
06.52	06.54	मनकापुर	09.55	09.57
07.25	07.30	गोंडा	09.30	09.35
09.00	09.02	बाराबंकी	08.20	08.22
10.20	10.30	ऐशबाग	07.00	07.10
12.50	12.55	कानपुर सेंट्रल	05.24	05.29
14.27	14.29	इटावा	03.41	03.43
19.00	19.02	गाज़ियाबाद	23.15	23.17
20.00	--	आनंद विहार (ट)	--	22.30

रेक संरचना - साधारण द्वितीय श्रेणी- 02, शयनयान-15, एसी 3 टियर- 04, एसी 2 टियर-01, एसएलआरडी-02 = कुल 24 कोच

(4) गाड़ी सं. 05325 / 05326 गोरखपुर- लोकमान्य तिलक (ट) - गोरखपुर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- गोरखपुर से (प्रतिदिन) दिनांक: 25.04.2024 सें 10.05.2024 (27.04.2024 को छोड़कर)= 15 फेरा, लोकमान्य तिलक (ट) से (प्रतिदिन) दिनांक: 27.04.2024 से 12.05.2024 (29.04.2024 को छोड़कर) = 15 फेरा

गाड़ी सं. 05325 गोरखपुर -लोकमान्य तिलक (ट)			गाड़ी सं. 05326 लोकमान्य तिलक (ट) - गोरखपुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	21.15	गोरखपुर	18.00	---
21.50	21.52	खलीलाबाद	16.43	16.45
22.20	22.25	बस्ती	16.00	16.02
23.45	23.47	मनकापुर	14.35	14.37
00.10	00.15	गोंडा	14.00	14.05
01.35	01.37	बाराबंकी	12.43	12.45
02.45	02.55	लखनऊ	11.35	11.45
05.25	05.30	कानपुर सेंट्रल	10.05	10.10
07.18	07.20	उरई	06.28	06.30
10.00	10.05	वीरांगना लक्ष्मीबाई	05.15	05.20
12.30	12.35	बीना	03.10	03.15
15.05	15.10	भोपाल	01.10	01.15
16.50	16.55	इटारसी	22.45	22.55
19.40	19.43	खण्डवा	19.40	19.43
21.45	21.50	भुसावल	17.25	17.30
01.30	01.35	नासिक रोड	13.30	13.35
04.40	04.45	इगतपुरी	12.40	12.45
06.30	06.35	कल्याण	10.57	11.00
06.50	06.55	ठाणे	10.35	10.38
07.25	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	10.25

रेक संरचना - साधारण द्वितीय श्रेणी- 04, शयनयान-12, एसी 3 टियर- 02, जीएसएलआरडी-02 = कुल 20 कोच

(5) गाड़ी सं. 05317 / 05318 छपरा - आंनद विहार (ट)-छपरा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- छपरा से (शनिवार) को दिनांक: 27.04.2024 सें 29.06.2024 = 10 फेरा, आनंद विहार (टी) से (रविवार) को दिनांक: 28.04.2024 से 30.06.2024 = 10 फेरा

गाड़ी सं. 05317 छपरा-आनंद विहार (ट)			गाड़ी सं. 05318 आनंद विहार (ट) - छपरा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	23.55	छपरा	17.30	---
00.45	00.50	सिवान	16.10	16.15
01.25	01.30	थावे	15.15	15.20
02.00	02.02	तमकुही रोड	14.30	14.32
02.28	02.30	पडरौना	14.00	14.02
03.45	03.50	कप्तानगंज	13.15	13.20
04.50	05.00	गोरखपुर	12.15	12.25
05.40	05.42	खलीलाबाद	11.22	11.24
06.07	06.10	बस्ती	10.50	10.53
06.32	06.34	बभनान	10.14	10.16
06.52	06.54	मनकापुर	09.55	09.57
07.25	07.30	गोंडा	09.30	09.35
09.00	09.02	बाराबंकी	08.20	08.22
10.20	10.30	ऐशबाग	07.00	07.10
12.50	12.55	कानपुर सेंट्रल	05.24	05.29
14.27	14.29	इटावा	03.41	03.43
19.00	19.02	गाज़ियाबाद	23.15	23.17
20.00	--	आनंद विहार (ट)	---	22.30

रेक संरचना - साधारण द्वितीय श्रेणी- 20, एलएसएलआरडी-01, लगेज-सह- जनरेटर यान - 01 = कुल 22 कोच

(6) गाड़ी सं. 05305 / 05306 छपरा - आंनद विहार (ट)-छपरा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी

संचलन के दिन- छपरा से (मंगलवार एवं शुक्रवार) को दिनांक: 30.04.2024 सें 28.06.2024 = 18 फेरा, आनंद विहार (ट) से (बुधवार एवं शनिवार) को दिनांक: 01.05.2024 से 29.06.2024 = 18 फेरा

गाड़ी सं. 05305 छपरा-आनंद विहार (ट)			गाड़ी सं. 05306 आनंद विहार (ट) - छपरा	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	23.55	छपरा	17.30	---
00.45	00.50	सिवान	16.10	16.15
01.25	01.30	थावे	15.15	15.20
02.00	02.02	तमकुही रोड	14.30	14.32
02.28	02.30	पडरौना	14.00	14.02
03.45	03.50	कप्तानगंज	13.15	13.20
04.50	05.00	गोरखपुर	12.15	12.25
05.40	05.42	खलीलाबाद	11.22	11.24
06.07	06.10	बस्ती	10.50	10.53
06.32	06.34	बभनान	10.14	10.16
06.52	06.54	मनकापुर	09.55	09.57
07.25	07.30	गोंडा	09.30	09.35
09.00	09.02	बाराबंकी	08.20	08.22
10.20	10.30	ऐशबाग	07.00	07.10
12.50	12.55	कानपुर सेंट्रल	05.24	05.29
14.27	14.29	इटावा	03.41	03.43
19.00	19.02	गाज़ियाबाद	23.15	23.17
20.00	---	आनंद विहार (ट)	---	22.30

रेक संरचना - साधारण द्वितीय श्रेणी- 04, शयनयान-04, एसी 3 टियर- 10, एसी 2 टियर-02, एसएलआरडी-02 = कुल 22 कोच

मुजाधि/टी–18 ए   मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

एक नजर

दो तस्कर गिरफ्तार

कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार : स्थानीय पुलिस ने बुधवार दो तस्करों को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से पिकअप में लदा साढ़े सतराह किलो पोस्ता छिलका बरामद हुआ। इंस्पेक्टर ने दोनों विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई कर जेल भेजा है। इंस्पेक्टर कोठी संतोष सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था हेतु दरोगा सरफराज समेत सिपाही साथ भ्रमण पर रहे। तभी इब्राहिमाबाद गांव ओर आ रही तेज रफ्तार पिकप चालक को रोककर पूछताछ की गई। पिकप में दो बोरियों में लदा 17 किलो 500 ग्राम पोस्ता छिलका बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में दोनों ने अपना नाम व पता दिलीप उर्फ शैलेन्द्र कुमार पुत्र रामचन्दर निवासी सदरपुर थाना कोठी व मनीष कुमार पुत्र रामकुमार निवासी मोहिउद्दीनपुर थाना सतरिख होना बताया। दोनों ने इसकी ब्रिकी करने बात स्वीकारी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। बुधवार न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेजा गया।

एक साल की कैद व दस हजार रुपये का जुर्माना

हरदोई, अमृत विचार। पुलिस की जांच, मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन पक्ष की मज़बूत पैरवी के चलते एडीजे-15 की कोर्ट ने आरोपी को एक साल की कैद और 10 जुर्माने की सज़ा सुनाई है। 21 अप्रैल को पिहानी कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट के बारे में आरोपी शिवकुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज किया गया। आरोपी को उसी दिन 21 अप्रैल को गिरफ्तार करते हुए 9 मई को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। अभियोजन पक्ष ने आपसी समन्वय बना कर गवाहों की गवाही कराते हुए पैरवी किए जाने पर बुधवार को एडीजे-15 ने आरोपी शिवकुमार को एक साल की कैद और 10 हज़ार रुपये जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

वर्षों पहले चार्जशीट व एफआर फिर भी थानों में हजारों फाइलें

हरदोई

अमृत विचार। जिले के विभिन्न थानों में लिखे गए करीब 11 हजार मुकदमे ऐसे हैं, जिनमें चार्जशीट और फाइनल रिपोर्ट (एफआर) लग चुकी है। इसके बाद भी उनकी फाइल थाना और सीओ स्तर पर ही लंबित है। हालांकि इन केसों की फाइल को समय पर अदालत में दाखिल कर दिया जाना चाहिए था।

जिले में करीब 7 हजार चार्जशीट और करीब 4 हजार एफआर थानों और सीओ पेशी में पड़ी है। कुछ फाइलों को तो 5 से 7 साल तक हो गए है। फाइलों में धूल जमा हो गयी है। पीड़ित चक्कर काटते काटते चुप्पी साधकर बैठ गए है। अब कोर्ट में जबतक चार्जशीट नही पहुचेगी तो न्याय कैसे मिलेगा। अफ़सरों को इस बात की जानकारी है फिर भी यह हाल है। बताया गया है कि थाने में हजारों केस की फाइल लंबित है। इसकी वजह पुलिसकर्मियों के ढुलमुल रवैये को जिम्मेदार माना जाता है। सूत्रों की अगर माने तो अलग-अलग थानों में कई वर्षों से विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे की विवेचना लंबित है। इतना ही नहीं, जिन मुकदमे में आरोपितों के विरुद्ध चार्जशीट अथवा फाइनल रिपोर्ट लग चुकी है, उसे भी कोर्ट में दाखिल नहीं किया गया है। ऐसे मामले करीब 11 हजार के आसपास हैं।

केस-1 : शहर कोतवाली में दो साल पहले एक मुकदमा लिखा गया था। जिसका मुकदमा संख्या 633/22 है। जिसकी विवेचना शहर कोतवाली पुलिस ने कर सीओ सिटी के यहां भेज दी थी। सीओ सिटी कार्यालय से यह फाइल अभी तक कोतवाली शहर में वापस नही गयी है। जिस वजह से यह फ़ाइल कोर्ट में नहीं जा पा रही है। पीड़ित और आरोपी सीओ सिटी कार्यालय के चक्कर काटकर परेशान हैं। धारा 306 में यह मुकदमा लिखा गया था।

केस-2 : बेनीगंज कोतवाली में पिछले साल दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। जिसका मुकदमा संख्या 510/23 है। इस मामले में चार्जशीट लगे 8 महीने हो गए है। लेकिन यह चार्जशीट कोर्ट नही पहुची है। पीड़ित और आरोपी चार्जशीट के लिए कोतवाली के चक्कर लगा रहे है।

शिक्षिका पर कार्रवाई के लिए लिखी चिट्ठी

हरदोई, अमृत विचार : बीएलओ जैसी ज़िम्मेदारी से मुंह फेरने वाली शिक्षिका के खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही के लिए बीईओ सण्डीला ने बीएसए को चिट्ठी लिखी है। लिखी गई चिट्ठी में शिक्षिका के ऊपर और भी कई आरोप लगाए गए है। बीईओ सण्डीला ने बीएसए के नाम लिखी चिट्ठा में कहा है कि ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय जामू में तैनात सहायक अध्यापिका रजनी शंखवार बूथ नंबर-64,कमरा नंबर-02 की बीएलओ है। ड्यूटी के दौरान जिस दिन बोर्ड परीक्षा नही थी,उस दिन विद्यालय से गैर हाज़िर रहीं। इससे पहले स्पष्टीकरण मांगा गया था,लेकिन लापरवाह शिक्षिका ने उसका कोई जवाब नही दिया। बीईओ ने बीएसए से शिक्षिका का सात दिनों का वेतन रोकने और मतदाता सूची जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही करने पर कार्यवाही की संस्तुति की है।

पति को पीट-पीटकर मार डालने की आरोपी भाइयों सहित गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

- ननद को उपहार में एलईडी टीवी और सोने की अंगूठी देने को लेकर हुआ विवाद

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में भाइयों के साथ मिलकर पति को पीट-पीटकर मार डालने की आरोपी पत्नी को पुलिस ने भाइयों सहित बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि मंगलवार यह हत्या महज इस लिए की गई थी क्योंकि पति अपनी बहन को एलईडी टीवी और सोने की अंगूठी उपहार में देना चाहता था। इस घटना से न केवल गांव के लोग बल्कि पूरा जिला स्तब्ध रह गया है।

बड्डूपुर के सहरी मजरे झरसावा गांव के निवासी 35 वर्षीय चंद्र प्रकाश मिश्र की बहन पूजा का विवाह 26 अप्रैल को होना है। शादी की तैयारियों में चंद्र प्रकाश भी लगा हुआ था। वह अपनी बहन को शादी में गिफ्ट के तौर पर एलईडी टीवी और सोने की अंगूठी देना चाहता था। लेकिन उसकी पत्नी छवि मिश्रा इसका विरोध कर रही थी। इसी बात को लेकर पति पत्नी में मंगलवार को कहासुनी शुरू हुई। इसी दौरान महिला ने रामनगर के मोहल्ला कादिराबाद स्थित अपने मायके से भाई सहित दूसरे लोगों को बुला लिया। जब घर में शादी के लिए जब मंडप रखा जा रहा था, तब उसी जगह पत्नी के मायके से आए लोगों ने चंद्र प्रकाश को ईंटों और लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने गंभीर हालत में चंद्रप्रकाश को सीएचसी घूंघटेर पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत के चलते उसे जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर कर दिया गया। लेकिन जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। जिसके बाद घर में चल रही शादी की खुशियां मातम में बदल गई। मृतक का एक वर्ष का बेटा गोपाल भी है। सीओ फतेहपुर डॉ. बीनू सिंह ने बताया कि पत्नी ननद की शादी में एलईडी टीवी देने का विरोध कर रही थी। इसी को लेकर विवाद हुआ और युवक की जान चली गई। चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार लोगों में मृतका की पत्नी छवि, हिमांशु बाजपेई उर्फ लालू, विकास वाजपेई, सुधांशू बाजपेई शामिल हैं। एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। मोनू उर्फ आकाश बाजपेई पुत्र सत्यप्रकाश बाजपेई और प्रदीप शुक्ला पुत्र अहिरवादीन शुक्ला की पुलिस तलाश कर रही है।

अयोध्या एयरपोर्ट को पहली बार मिला 6.46 करोड़ का नोटिस

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या का महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी अब कर के दायरे में आ गया है। शासन के निर्देश के बाद नगर निगम ने अयोध्या एयरपोर्ट को 6.46 करोड़ रुपये का नोटिस थमाया है। नोटिस के अंतर्गत एयरपोर्ट प्रशासन ने अगर एक माह के भीतर कोई आपत्ति नहीं जताई तो उनसे कर की अदायगी की जाएगी।

गत दिनों अयोध्या नगर निगम के विस्तार के बाद जीआईएस सर्वे हुआ था। उस दौरान नगर के रिहायशी व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की माप-जोख हुई थी। यह भी तय हुआ था कि सर्वे के मुताबिक ही लोगों को अपना कर जमा करना होगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 का अब एयरपोर्ट को नोटिस दिया गया है। सर्वे में सामने आया है कि एयरपोर्ट की कुल भूमि तीन करोड़ 57 लाख, 62 हजार 760 वर्ग फीट है। इसमें 45 हजार वर्ग फीट में निर्माण है बाकी तीन करोड़ 57 लाख, 17 हजार 760 वर्ग फीट खुला क्षेत्र है। निर्माण वाले एरिया का 75 पैसे वर्ग फीट व खुले क्षेत्र पर 15 पैसे वर्ग फीट के हिसाब से संपत्ति कर लगाया गया है।

अधिवक्ता के न आने से सुनवाई टली

कुशाग्र हत्याकांड

- इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की अर्जी अदालत ने खारिज की
- 29 को तय होंगे आरोप, कोर्ट ने दिया अंतिम अवसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चर्चित कुशाग्र अपहरण व हत्याकांड के मामले में बचाव पक्ष की ओर से दाखिल इलेक्ट्रानिक साक्ष्य की अर्जी कोर्ट ने खारिज कर दी। बुधवार को सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपी रचिता वत्स के अधिवक्ता के न आने के कारण आरोप तय नहीं हो सके। कोर्ट ने अंतिम अवसर देते हुए 29 अप्रैल सुनवाई की तिथि निर्धारित की है।

30 अक्टूबर 2023 को आचार्य नगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का 16 वर्षीय कुशाग्र कनोडिया स्कूटी से कोचिंग जाने के लिए घर से निकला था। रात नौ बजे उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। रात में परिजनों को 30 लाख की फिरौती वाला खत मिला, जिसके बाद परिजनों में हड़कंप मच गया था। कुशाग्र का अपहरण उसकी पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स के प्रेमी प्रभात ने किया है।पुलिस प्रभात के ओम नगर स्थित आवास पर पहुंची, जहां कुशाग्र का शव मिला था। वहीं फिरौती का पत्र प्रभात के दोस्त शिवा उर्फ आर्यन गुप्ता ने कुशाग्र के घर फेंका था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामला एडीजे सात आजाद सिंह की कोर्ट में विचाराधीन है। बुधवार को मामले में आरोप पत्र तय होने थे, लेकिन रचिता वत्स के वकील श्रीकांत की अनुपस्थिति के कारण आरोप तय नहीं हो सके। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि बचाव पक्ष की ओर से कोर्ट में इलेक्ट्रानिक साक्ष्य की याचिका दाखिल की थी, जो कि कोर्ट ने खारिज कर दी। वहीं कोर्ट में प्रभात व आर्यन के अधिवक्ता मनीष शर्मा पेश हुए।

मुलायम को जेल में बंद करने वालों से हाथ मिला रहे अखिलेश : कौशल

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- प्रधानमंत्री के 400 पार के नारे को सफल बनाने के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया

अमृत विचार : मोहनलालगंज लोक सभा क्षेत्र अंतर्गत बख्शी का तालाब क्षेत्र में भाजपा का बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया गया। बुधवार दोपहर में शुरू हुए इस सम्मेलन में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई। वहीं बूथ अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वह अपने बूथ पर अधिक से अधिक मतदान कराएं। सभी बूथ अध्यक्षों से अबकी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को सफल बनाने के लिए जी तोड़ प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री एवं मौजूदा लोकसभा क्षेत्र 34 मोहनलालगंज से भाजपा संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी कौशल किशोर व बीकेटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक योगेश शुक्ला बूथ अध्यक्षों को सम्बोधित किया। विधायक योगेश शुक्ला ने सम्मेलन में मौजूद सभी बूथ अध्यक्षों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी बूथ अध्यक्ष मित्रों को सुबह से ही बूथ पर ले जाकर मतदान कराएं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का माला पहनाकर स्वागत करते भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

आंधी नहीं इस बार मोदी का चल रहा तूफान : केशव

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार : महमूदनगर स्थित रजवाडा लॉन में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा, बसपा व कांग्रेस पर तीखे वार किये। उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि 2014 में मोदी जी हवा, 2019 में आंधी तो 2024 में तूफान चल रहा है। इस तूफान के आगे किसी के टिकने की औकात नहीं है। पूर्व की सरकार में केन्द्र सरकार से लाभार्थियों को 100 रुपये में से मात्र 15 रुपये ही मिलते थे। बाकी 85 रुपये बीच के लोग ही खा जाते थे लेकिन मोदी जी ने सीधी पात्रों के खाते में रुपये डालने का काम किया। जिससे लोगों को पूरा रुपया मिल रहा है। 2014 से 2024 तक 34 लाख करोड़ रुपये सीधी लाभार्थियों के खाते में डाले गये है। पूर्व की सरकारों में 5 लाख करोड़ रुपया ही लोगों को मिलता था शेष 29 लाख भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone: 0581-2526051, 053, 153
Email: registrar@biu.edu.in, Website: www.biu.edu.in
For any query contact : 7906374491, 9105500202, 9105500404

APPLICATIONS ARE INVITED FOR ADMISSION TO Ph. D. PROGRAMMES
JULY 2024 SESSION IN THE FOLLOWING DISCIPLINES

- FACULTY OF MEDICAL SCIENCES (All Clinical and Non-Clinical Specialties)
- FACULTY OF NURSING M. Sc.(N) with 3 years teaching or clinical experience
- FACULTY OF DENTAL SCIENCES All Specialties)
- HUMANITIES AND JOURNALISM English
- FACULTY OF PHARMACY

Last Date of Receiving Application : 20th May, 2024
Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.), India
For more details and application form & application fee
Visit University Website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/research/Latest-Application-form-for-PHD-pogramme.pdf

ट्रैक्टर के नीचे दबकर चालक की मौत

डलमऊ, रायबरेली अमृत विचार। ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे एक ट्रैक्टर चालक की ट्रैक्टर पलटने से दबकर मौत हो गई। घटना के बाद काम कर रहे श्रमिकों में हड़कंप मच गया। गदागंज पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।गदागंज थाना क्षेत्र के दाउदपुर गढ़ई में स्थित बालिकरन कुमार सिंह ईंट-भट्ठे पर बुधवार को काम चल रहा था। एक ट्रैक्टर ट्राली पर ईटा लोड करके ट्रैक्टर चालक नंगू पुत्र लाल बहादुर निवासी पूरे लोधन जलालपुर धई ले जाने को तैयार था तभी अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें दबकर मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। अचानक हुई घटना से ईट भट्ठे पर मौके पर काम कर रहे श्रमिकों में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी डलमऊ अरुण कुमार नवहार ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली है। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर में दबकर चालक की मौत हुई है शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा जा रहा है।

सगाई से पहले युवती की हत्या

आरोपी के भूसा घर में मिला युवती का शव, चार पर हत्या की रिपोर्ट

प्रतापगढ़, अमृत विचार : एकतरफा प्यार में पागल युवक कातिल बन गया। सगाई के पूर्व युवती की गोली मार कर हत्या कर दी। शव आरोपी के भुसौली (भूसा घर) में बरामद हुआ। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने कथित प्रेमी समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

अंतू थाना क्षेत्र के छतरपुर रघना निवासी तुलसीराम वर्मा की 21 वर्षीय बेटी शालू की शादी कोतवाली देहात के मोहनगंज बाजार निवासी शुभम वर्मा के साथ चार माह पूर्व तय हुई थी। बुधवार को बेटी की सगाई होनी थी। इसके लिए घर पर ही सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई थी। चर्चा रही कि युवती से गांव का ही जयचंद्र वर्मा वर्षों से एकतरफा प्रेम कर रहा था। जयचंद्र को युवती की शादी तय होने की जानकारी मिली, तो वह आए दिन शालू की शादी खुद के साथ करने का दबाव उसके परिजनों पर बना रहा था। आरोप है कि जयचंद्र युवती के परिजनों से सगाई न करने की धमकी दी थी। इसकी शिकायत युवती के भाई ने पुलिस से की थी। शिकायत पर पुलिस मंगलवार को गांव में जाकर शिकायत के बारे में जांच पडताल कर आरोपी युवक की खोजबीन की। युवक के न मिलने पर पुलिस आरोपी के परिजनों को फटकार लगाते हुए हिदायत दी। इस बीच मंगलवार की रात करीब आठ बजे युवती रहस्यमय ढंग से अपने घर से गायब हो गई। परिजनों ने काफी खोजबीन किया लेकिन वह नहीं मिली। इसके बाद डायल 112 पर पुलिस को बेटी के गायब होने की सूचना दी। युवती का मोबाइल नंबर अन्य संभावित स्थानों पर पड़ताल के बाद जानकारी न मिलने पर सुबह थाने पर आकर तहरीर देने की बात कह कर पुलिस वापस लौट गई। सुबह करीब सात बजे आरोपी के घर की एक महिला ने प्रधान को फोन पर सूचना दी कि भूसा घर में अज्ञात युवती की लाश पड़ी है। इस पर प्रधान समेत ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो युवती की पहचान शालू के रुप में की गई।

> अंतू के छतरपुर रघना में युवती की गोली मार कर हत्या कर दी गई। मृतका के भाई की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हत्या की वजह एकतरफा प्यार बताया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।
> -दुर्गेश सिंह,एएसपी पूर्वी

दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या घर से थोड़ी दूर पड़ा मिला शव

अमृत विचार, घाटमपुर : थाना सजेती के रैपुरा गांव में एक लड़की नित्य क्रिया के लिए खेतों में गई थी। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने सारी रात खोजबीन की लेकिन उसका पता नहीं चला। सुबह घर से महज डेढ़ सौ मीटर दूरी पर उसका शव पड़ा मिला। जिसके मुंह और गले में चोटों के निशान थे, कपड़े भी फटे थे। जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय फोर्स मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सजेती थाना क्षेत्र के रैपुरा गांव निवासी रामगोपाल संखवार की 20 वर्षीय पुत्री रानी मंगलवार शाम शौच के लिए पास के खेतों में गई थी। काफी देर तक वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी खोज शुरू की। सारी रात रानी का पता नहीं चला। सुबह होते ही एक बार पुनः परिजनों के द्वारा खोजबीन शुरू की गई तो घर से 100 मीटर की दूरी पर झाड़ियां के बीच रानी का शव पड़ा देखा। रानी के मुंह और गले में चोट के निशान थे और उसके मुंह से खून निकल रहा था।

बरेली इंटरनेशनल विश्वविद्यालय
प्रवेश प्रारम्भ
सत्र : 2024-25

Accreditations, Affiliations & Approvals

प्रस्तुत पाठ्यक्रम
CUET (UG/PG) स्कोर स्वीकृत और CUET (UG/PG) में सूचीबद्ध

मेडिकल साइंसेज
एमएससी मेडिकल (एनाटॉमी/बायोकेमिस्ट्री/माइक्रोबायोलॉजी/फार्माकोलॉजी/फिजियोलोजी)

डेन्टल साइंसेज
डिप्लोमा - डेंटल हाइजिनिस्ट/डिप्लोमा - डेंटल मैकेनिक्स

नर्सिंग विज्ञान
एएनएम/जीएनएम/बीएससी नर्सिंग/पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग/निर्स प्रक्टिशनर इन क्रिटिकल केयर (NPPCC)/ एमएससी नर्सिंग (मेडिकल सर्जिकल/चाइल्ड हेल्थ/मेंटल हेल्थ/अब्स्टेट्रिक्स एवं गायनेकोलॉजिस्ट)

फार्मेसी
डी. फार्मा/बी. फार्मा/एम फार्मा (फार्माकोलॉजी/फार्मास्यूटिक्स)

पैरामेडिकल साइंसेज
डिप्लोमा इन मेडिकल लैब तकनीशियन (DMLT)/डिप्लोमा इन एक्स-रे तकनीशियन/डिप्लोमा इन डायलिसिस तकनीशियन/ डिप्लोमा इन इमरजेंसी और ट्रामाकेयर/डिप्लोमा इन एम आर आई तकनीशियन/बैचलर इन फिजियोथेरेपी (BPT)/ बैचलर इन मेडिकल लेबोरेटरी (BMLT)/बैचलर ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (BRIT)/बीएससी (ऑप्टोमेट्री)

फोरेंसिक साइंसेज
बीएससी फोरेंसिक विज्ञान

मैनेजमेंट एंड कॉमर्स
बी.कॉम (ऑनर्स)/बीबीए (Finance & Texation)/बीसीए (आईटी और मल्टीमीडिया)/एम.कॉम (ऑनर्स)/मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA)/मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (MHA)/मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (MPH)

ह्यूमैनिटीज एंड जर्नलिज्म
बी.ए (पत्रकारिता)/बी.ए (जनसंचार)/एम.ए (अंग्रेजी)/एम.ए (मनोविज्ञान)/एम.ए (पत्रकारिता)/एमए (जनसंचार)

योगा एंड नेचुरोपैथी
पीजी डिप्लोमा इन योगा एंड नेचुरोपैथी (PGDYN)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9105500202, 9105500404, फोन-0581-2526153, 051, 053
पता : एडमिशन सेल, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज कैंपस, बरेली, पिन कोड-243006 (उ.प्र.)
E-mail : admission@biu.edu.in

बाराती संग बैलगाड़ी से दुल्हन के घर पहुंचे दूल्हे राजा

- यादगार बन गया लम्हा, बरात बनी आकर्षण का केन्द्र

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जब संसाधन नहीं थे तो बैलगाड़ी से बारात ले जाना मजबूरी थी। लेकिन आज जब बारात ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर और लग्जरी गाड़ियों का उपयोग हो रहा है उस समय बैलगाड़ी से कोई बारात लेकर दुल्हन के घर पहुंचे तो इसे आकर्षण केन्द्र गन जाना स्वाभाविक है। वह भी तब जब साथ में बैलगाड़ियों की एक लंबी कतार कतार हो।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में डीह थाना क्षेत्र के अंतर्गत खुरहटी गांव केरहने वाले राहुल यादव पुत्र सुरजपाल यादव बुधवार को कई बैल गाड़ियों से बारात को अपने घर से बेहटा गांव के लिए दुल्हन को लाने के लिए निकला। बताया कि पिता की इच्छा थी कि अपनी संस्कृति को आगे बढ़ाएं। इसीलिए बैलगाड़ी से बारात निकालने का निर्णय लिया गया। आधुनिकता के इस दौड़ में जहां शादी विवाह के अवसर पर लोग फॉर्च्यूनर, मर्सिडीज़, इनोवा जैसी लग्जरी गाड़ियों से बारात ले जाना अपनी शान समझते हैं। वहीं आज के समय में राहुल यादव ने पुरानी परंपरा के माध्यम से अपनी संस्कृति को जीवित रखने की कोशिश करते हुए बैलगाड़ियों के साथ निकल पड़े। बैलों के गले व पैरों में सजे हुए घुंघरू खनखन की आवाज से निकली बारात लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी, जिसको देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी। अपनी दुल्हनियां को लेने के लिए बैलगाड़ी पर सवार होकर जब दूल्हा निकला, तो हर कोई उसे निहारने लगा। चांदी के आभूषण के साथ धोती, कमीज और पारंपरिक वेशभूषा में सजे दूल्हे ने कहा कि उसने अपनी परंपरा निभाई है। देशी अंदाज में निकली इस बारात की लोगों ने जमकर सराहना की।

बैलगाड़ी पर सवार दूल्हा।

बैलगाड़ियों से जाती बरात अमृत विचार

दो बच्चों को यमुना में फेंक खुद भी कूदी मां

संवाददाता, कमासिन (बांदा)

अमृत विचार : पति से झगड़कर एक महिला ने बुधवार की शाम पुल के ऊपर से पहले बेटी, फिर बेटे को यमुना नदी में फेंक दिया और फिर खुद पुल से नदी में छलांग लगा दी। गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों की लाशें बरामद कर ली हैं। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

कमासिन थाना क्षेत्र के दादौं गांव निवासी राजेश निषाद अपनी पत्नी मंटू देवी (26) के साथ मंगलवार को फतेहपुर जनपद के किशनपुर क्षेत्र के एक भट्ठे से वापस घर आया था। राजेश टीबी का मरीज है। बुधवार सुबह वह दवा लेने के लिए सीएचसी गया था। दोपहर में दवा लेकर घर वापस पहुंचा। पत्नी मंटू ने कुछ देर बाद ही ईंट पथाई के लिए भट्ठा चलने की जिद पकड़ ली। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद मंटू नाराज होकर बेटी काजल (5) और पुत्र दीपक (3) को साथ लेकर पैदल ही निकल गई। शाम को दादौं-किशनपुर घाट के पक्के पुल पर पहुंचकर पहले बेटी काजल और फिर पुत्र दीपक को यमुना नदी में फेंक दिया। इसके बाद खुद पुल से छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों के शवों को बरामद कर लिया।

देश के संसाधनों पर किसानों व गरीबों का पहला हक : जयंत

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

राजनीति

- समाजवादी पार्टी गंगा पार से हमें खत्म करना चाहती थी
- बोले- देश में चौधरी चरण सिंह की विचारधारा की जरूरत

अमृत विचार : रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि देश के संसाधनों पर किसानों और गरीबों का पहला हक है। सरकार की भी यही प्राथमिकी होती है। चौधरी चरण सिंह गांव का विकास चाहते थे। इसलिए कुटीर उद्योगों की पैरवी करते थे। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे लोग भी जानते हैं कि देश में चौधरी चरण सिंह की विचारधारा की जरूरत है। आजादी के बाद से कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी रही। किसानों की जमीनों को लेकर चौधरी चरण सिंह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि हम भी सपा के साथ थे, लेकिन सपा गंगा पार से हमें खत्म करना चाहती थी। सपा के लोग अब हमें दुश्मन मानने लगे हैं।

जिले में लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को वह गांव पपसरा के मैदान पर भाजपा के प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सपा के लोगों ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर भी बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण काम वोट है। वोट डालने के लिए गर्मी में भी किसानों को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लोग तीसरी बार भी मन बना चुके हैं। इस बार रालोद भाजपा के साथ है। जो कमी रह गई थी, उसे पूरा किया जाएगा। कहा कि हम लोग अब सरकार में है। रालोद के कैबिनेट मंत्री हैं। अब हम सरकार के हर फैसले में शामिल होंगे। चौधरी चरण सिंह के विचारों को साकार करने के लिए भविष्य में काम होगा।

पेड़ से पैर फिसला, दुपट्टा बना फंदा, छात्रा की मौत

संवाददाता, हसनपुर (अमरोहा)

- परिजन ने बिना कार्रवाई के ही छात्रा का किया अंतिम संस्कार

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव दीपपुर में बुधवार को अमरूद तोड़ते समय पेड़ पर पैर फिसलने से छात्रा के गले में दुपट्टे का फंदा कस गया। इससे उसकी मौत हो गई। हालांकि परिजन छात्रा को लेकर निजी चिकित्सक के यहां गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृतक घोषित कर दिया।

बताया जाता है कि कोतवाली क्षेत्र के गांव दीपपुर में किसान सुरेंद्र सिंह का परिवार रहता है। उसकी पुत्री कक्षा-11 की छात्रा थी। बुधवार को वह अकेली आम के बाग में गई थी। बताया कि वहां वह अमरूद के पेड़ पर चढ़ गई और अमरूद तोड़ने लगी। इस बीच पेड़ से उसका पैर फिसल गया। इससे छात्रा के गले में पड़ा दुपट्टा पेड़ की शाखाओं में उलझ गया और दुपट्टे के फंदे में छात्रा की गर्दन कस गई। उधर से गुजर रहे लोगों ने देखा तो वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने सूचना देकर परिजनों को बुलाया। परिजन फंदे से उतार कर छात्रा को नगर के एक निजी चिकित्सक के यहां ले गए। वहां उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। बाद में परिजनों ने बिना किसी कार्रवाई के उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

सोना तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी करने वाले एक गिरोह का मुंबई में भंडाफोड़ किया है और 10.48 करोड़ रुपये मूल्य की बहुमूल्य धातु, नकदी और अन्य कीमती सामान जब्त किए हैं। डीआरआई के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को दक्षिण मुंबई में उस जगह तलाशी अभियान चलाया गया, जहां सोना को पिघलाने का काम किया जाता है और यहां से दो अफ्रीकी नागरिक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने एक बयान में बताया कि तलाशी के दौरान अधिकारियों ने 9.31 किलोग्राम सोना और 16.66 किलोग्राम चांदी जब्त की।

क्या ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर को फिर से प्रोग्राम किया जा सकता है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- मतों के वीवीपैट से मिलान के मुद्दे पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

उच्चतम न्यायालय ने इलेक्ट्रॉनिंग वोटिंग मशीन' (ईवीएम) के माध्यम से डाले गए सभी वोट का वोटर वेरिफियेबिल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के साथ पूरी तरह मिलान करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायालय ने निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाए गए सवालों के जवाबों का संज्ञान लेने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी से ईवीएम की कार्य-प्रणाली के संबंध में पांच प्रश्न पूछे थे जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि क्या ईवीएम में लगे माइक्रोकंट्रोलर को फिर से प्रोग्राम किया जा सकता है या नहीं। वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त नीतेश कुमार व्यास ने इससे पहले ईवीएम की कार्य-प्रणाली के बारे में अदालत में प्रस्तुतिकरण दिया था। पीठ ने उन्हें अपराह्न दो बजे प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बुलाया था।

पीठ ने कहा था कि उसे कुछ पहलुओं पर स्पष्टीकरण की जरूरत है क्योंकि आयोग द्वारा ईवीएम के बारे में बार-बार पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) पर दिए गए उत्तरों को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति है। पीठ ने कहा हमें कुछ संशय है और स्पष्टीकरण की जरूरत है और इसलिए हमने मामला निर्देशों के लिए सूचीबद्ध किया है। उसने कहा, हम अपने निष्कर्षों में तथ्यात्मक रूप से गलत नहीं होना चाहते, बल्कि पूरी तरह सुनिश्चित होना चाहते हैं।

दंतेवाड़ा : 18 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को तीन महिला नक्सलियों समेत 18 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली भैरमगढ़ और मलांगेर एरिया कमेटी में सक्रिय थे।

उन्होंने बताया कि ये नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान 'लोन वर्राटू' (अपने घर/गांव वापस लौटो) से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

हमारी प्राथमिकताएं मानव के साथ प्रकृति केंद्रित भी हों : द्रौपदी मुर्मू

- राष्ट्रपति ने देहरादून में वन अधिकारियों को प्रमाण पत्र और पदक सौंपे

ब्यूरो, देहरादून

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में प्रशिक्षणरत व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने वन अधिकारियों को प्रमाण पत्र और पदक भी सौंपे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारतीय वन सेवा के वर्ष 2022 बैच के सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बैच में 10 महिला अधिकारी हैं, जो समाज के प्रगतिशील बदलाव का प्रतीक है। भारतीय वन सेवा के अधिकारियों पर जंगलों के संरक्षण, संवर्धन एवं पोषण की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा की हमारी प्राथमिकताएं मानव के साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। पृथ्वी की जैव-विविधता एवं प्राकृतिक सुंदरता का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे हमें अति शीघ्र करना है। वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के जरिए मानव जीवन को संकट से बचाया जा सकता है। भारतीय वन सेवा के पी. श्रीनिवास, संजय कुमार सिंह, एस मणिकन्दन जैसे अधिकारी ड्यूटी के दौरान कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राण न्योछावर किए हैं तो कई ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने पर्यावरण के लिए अतुलनीय काम किया है। प्रशिक्षु अधिकारियों को ऐसे अधिकारियों को रोल मॉडल बनाकर उनके आदर्शों पर आगे बढ़ना चाहिए। इस दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, वन महानिदेशक आदि मौजूद रहे।

देहरादून में इंदिरा गांधी वन अकादमी में प्रशिक्षु अधिकारी को प्रमाण पत्र सौंपतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, साथ में मौजूद राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह।

डिस्चार्ज ऑर्डर की वैधता जांच सकता है श्रम न्यायालय

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने श्रम न्यायालय की शक्तियों को व्याख्यायित करते हुए स्पष्ट किया कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 11-ए के तहत जांच अधिकारी की ओर से पारित डिस्चार्ज या डिस्मिसल ऑर्डर में दिए गए निष्कर्ष की सत्यता की जांच करने के लिए पर्याप्त शक्ति है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकलपीठ ने चरणपाल सिंह के मामले पर विचार करते हुए पारित किया। कोर्ट ने पाया कि याची को विभागीय जांच के दौरान साक्ष्य प्रस्तुत करने और अपना बचाव करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था।

कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान के बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के खिलाफ नकली पासपोर्ट और शैक्षिक प्रमाण पत्र के मामले में अगली सुनवाई तक याची के खिलाफ किसी भी प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की पीठ के समक्ष हुई। याची के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि ट्रायल के दौरान याची को बचाव के लिए तथ्य रखने से वंचित किया जा रहा है।

अखिलेश-जयंत के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के कथित उल्लंघन का मामला

अमृत विचार : इलाहाबाद हाई कोर्ट में वर्ष 2022 में कोविड-19 दिशा निर्देशों के कथित उल्लंघन मामले में यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख जयंत चौधरी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई लंबित है।

उक्त नेताओं पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं और महामारी रोग अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वर्तमान याचिका समन आदेश और संपूर्ण आपराधिक कारवाई को चुनौती देते हुए दाखिल की गई है। सुनवाई के दौरान सरकारी अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार वर्तमान मामले में शामिल मुद्दे और अन्य जुड़े हुए मुद्दों के संबंध में जून 2024 के अंत तक नीतिगत निर्णय लेगी कि उपरोक्त नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई जारी रहेगी या नहीं। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव (गृह) और प्रमुख सचिव (कानून) से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा था, जिसे मंगलवार को दाखिल किया गया।

सरकार के रवैये को देखते हुए न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकलपीठ ने सभी राजनीतिक नेताओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर 30 जुलाई तक रोक लगा दी है और निर्देश दिया है कि अधिकारियों द्वारा कोर्ट के आदेश का सही अर्थों में अनुपालन किया जाए। मामले के अनुसार सपा प्रमुख और जयंत चौधरी के खिलाफ 300-400 अज्ञात व्यक्तियों के साथ 3 फरवरी 2022 को लुहारली गेट, गौतमबुद्ध नगर से नोएडा की ओर रोड शो करने तथा जनसभा आयोजित कर चुनाव प्रचार करने का आरोप है।

वर्ग पहेली-50

बाएं से दाएं

4.1. बल, शक्ति 2. ज़ोर 3. सामर्थ्य।

6.1. भलीभांति, भरपूर, पूरी तरह से, परिपूर्ण 2. अघाया हुआ, संतुष्ट।

9. बहुत दुबला-पतला, जिसके शरीर में हड्डियां ही रह गई हों।

10. शिव के सिर पर विराजमान गंगा।

ऊपर से नीचे

1.1. किसी बात का पता लगाने के लिए लोगों से प्रश्न करना या पूछना 2. ख़ोजबीन करना 3. मालूमात के लिए सवाल-जवाब करना; (इनक्वाइरी)।

2.1. कांपता हुआ 2. व्याकुल 3. क्षुब्ध।

3.1. कलौंछ 2. वह काला अंश जो धुएं के जमने से बन जाता है, कालिख।

5.1. हिंदी वर्णमाला में 'क' से 'ह' तक के वर्णों का समूह 2. बारहखड़ी 3. वर्णमाला 4. किसी विषय का आरंभिक या ज़रूरी ज्ञान।

7.1. महान या उच्च आशय और विचारों वाला व्यक्ति 2. आदर्श व्यक्ति, सज्जन 3. समुद्र, सागर।

8.1. मोहित करने की शक्ति, माया या जादू 2. वशीकरण 3. सुंदर स्त्री 4. मोहक प्रभाव 5. पोई का साग 6. एक तरह की जूही।

वर्ग पहेली -49 का हल

		1 छू				2 चुँ
3 भाँ	4 प	ना		5 ध		द
	रि		6 क	म	ज़ो	री
7 अ	व	न	म	न		
	ह		ठी		8 दं	
9 सि	न	क			भ	
			10 ल	प	क	ना

चंद्रयान-3 का महत्व अंतरिक्ष अध्ययन तक ही सीमित नहीं

कोलकाता, एजेंसी

- विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रुचि बढ़ाने में मददगार साबित होगा मिशन : इसरो अध्यक्ष

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा है कि चंद्रयान-3 मिशन का महत्व सिर्फ अंतरिक्ष अध्ययन तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह वैज्ञानिक समुदाय को बढ़ावा देने, इंजीनियरिंग और विज्ञान जैसे व्यापक क्षेत्रों में भागीदारी पर जोर देने तक फैला हुआ है।

सोमनाथ ने यहां एक समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए एक वैज्ञानिक 'पूल' विकसित करने के महत्व पर जोर दिया जो न केवल अंतरिक्ष अन्वेषण को बढ़ावा देता हो बल्कि विविध औद्योगिक अवसरों की भी तलाश करता हो। उन्होंने जोर दिया कि चंद्रयान-3 का महत्व न सिर्फ अंतरिक्ष अनुसंधान बल्कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दिलचस्पी बढ़ाने, इन क्षेत्रों में चुनौतियों और प्रगति को पेश कर युवा पीढ़ी को आकर्षित करने में है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा मिशन की सफलता ने इंजीनियरिंग, गणित और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के लिए भी रास्ते खोले हैं।

उन्होंने कहा कि हमें युवा पीढ़ी को आकर्षित करना होगा और उन्हें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में चुनौतियों और कामकाजी माहौल में सुधार के बारे में अवगत कराना होगा। चंद्रमा मिशन की सफलता से वह उत्साह पैदा हुआ है। सोमनाथ ने कहा कि हम आईटी क्षेत्र में बहुत अच्छी स्थिति में हैं और अग्रणी नियोक्ताओं में से एक बने हुए हैं, और अब हमने इलेक्ट्रॉनिक्स शुरू की है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को देखते हैं, तो हम शीर्ष की ओर नहीं देख रहे हैं। हम प्रणालियों के आपूर्तिकर्ता हैं।

लेकिन हार्डवेयर सिस्टम के निर्माता नहीं हैं, धीरे-धीरे यह हो रहा है। उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण से लेकर वैश्विक बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार स्थापित करने तक इसरो की बढ़ती भूमिका का जिक्र किया। अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग के संबंध में सोमनाथ ने कहा कि इसरो एक संयुक्त उपग्रह निसार बना रहा है। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन विभिन्न देशों की भागीदारी में तैयार हो रहा है और इसरो इसके लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जापान, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के साथ गठजोड़ कर रहा है।

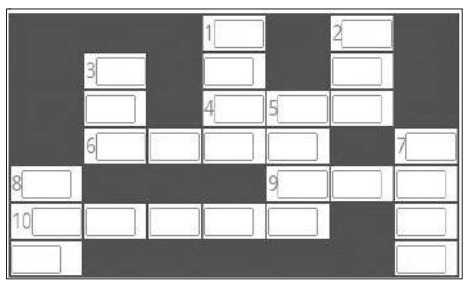

सुडोकू -129

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

				6		1		
4		7						
9					5	8		
					9		7	
2								5
	3							
		2	1					3
					7	6		4
5				3				

सुडोकू -128 का हल

8	4	3	2	1	5	7	9	6
9	6	2	4	3	7	8	5	1
7	1	5	6	8	9	3	2	4
1	9	4	8	7	6	5	3	2
2	5	6	3	9	1	4	7	8
3	8	7	5	4	2	6	1	9
6	3	9	7	2	4	1	8	5
5	2	8	1	6	3	9	4	7
4	7	1	9	5	8	2	6	3

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अप्रैल गुरुवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-प्रतिपदा 06 .45 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

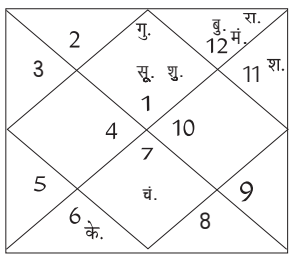

दिशाशूल-दक्षिण। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 26 अप्रैल 02 .24 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष

आज घर की साज-सजावट में आप काफी ध्यान देंगे। मेहनत के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे।

वृष

आज जीवनसाथी के साथ चर्चा करने से काफी समस्याओं का समाधान हो जायेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निवारण होगा। बेवजह की बातों को तूल देने से बचें। आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।

मिथुन

आज प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है। लेकिन शाम के समय आप मनोरञ्जन में बितायेंगे। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है।

कर्क

आज नवीन कार्य योजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे। कुसंगति से आपको बचना चाहिए।

सिंह

आज आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण मीटिंग को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए काफी बेहतरीन है।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। नई विधा सीखने के लिए तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। दिन भर की थकान दूर होगी। आपका खोया हुआ आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में अपनी सलाह सोच-समझकर दें।

तुला

आज कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े भ्रमित हो सकते हैं। प्रेमी जन के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। दिन की शुरुआत में काम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक

आज अनावश्यक विवादों से दूर रहें। विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। अपने नकारात्मक पक्ष को समझे और उसे नियंत्रित करने का प्रयास करें। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है।

धनु

आज कोर्ट-कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द लेंगे। घर की साज-सजावट का पूरा ध्यान रखेंगे। कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की सम्भावना बन रही है।

मकर

आज जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी। आपके काम में स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा से आपको लाभ मिलेगा। रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियाँ दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्म सन्तुष्टि का अनुभव करेंगे।

कुंभ

आज स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्या के प्रति आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं। अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। छोटी-छोटी बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया आपकी छवि के लिए नुकसानदेह हो सकती है।

मीन

आज आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। व्यवहारिक बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। बदलते मौसम को लेकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
शादी में जरूर आना
सुबह : 10 .56
धड़कन
रात : 08 .44

SONY PIX
रश आर 3
सुबह : 09 .30
ब्राइटबर्न
रात : 07 .30

&pictures
पार्टनर
सुबह : 11 .01
इंग्लिश विंग्लिश
रात : 08 .00

ZEE CINEMA
ट्रफिक सिग्नल
सुबह : 08 .35
त्रिशुल
शाम : 06 .00

colors CINEPLEX
वन फ्राईडे नाइट
सुबह : 08 .23
चमत्कार
शाम : 05 .52

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर पर रात :08 .00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पहला दोस्त- यार कल तो तू बहुत मायूस था आज इतना खुश कैसे है?
दूसरा दोस्त- कल मेरी बीवी ने 7 हजार की साड़ी खरीद ली थी
पहला दोस्त- अच्छा आज इतना खुश क्यों है उसने साड़ी वापिस कर दी क्या ?
दूसरा दोस्त- नहीं यार मेरी पत्नी वही साड़ी पहनकर तेरी पत्नी से मिलने आ रही है।

चिंटू- अगर कोई गलती हो जाए तो पता है क्या करना चाहिए?
पिंटू- क्या ...?
चिंटू- शांति से बैठकर सोचना चाहिए कि नाम किसका लगाना है।

प्रियो भवति दानेन प्रियवादेन चापर : ।
मन्त्रमूलबलेनान्यो य : प्रिय : प्रिय एव स : ॥

कोई पुरुष दान देकर प्रिय होता है, कोई मीठा बोलकर प्रिय होता है, कोई अपनी बुद्धिमानी से प्रिय होता है ; लेकिन जो वास्तव में प्रिय होता है ,वह बिना प्रयास के प्रिय होता है ।

संपादकीय

वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा

सेंट पीटर्सबर्ग में एक कार्यक्रम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद 21वीं सदी के सबसे गंभीर खतरों में से एक बना हुआ है। वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद वैश्विक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरा है जिसे जल्द से जल्द हल करने की आवश्यकता है। विश्व राजनीति आज तेजी से आतंकवाद की चपेट में आ रही है। इंटरनेट और सोशल मीडिया समाज को अस्थिर करने के लिए दुष्प्रचार, कट्टरपंथ और साजिश के सिद्धांत फैलाने के लिए आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के उपकरण बन गए हैं। सवाल है कि 21वीं सदी में लोकतंत्र, सुशासन, विकास और राष्ट्रों की सुरक्षा के लिए उभरते आतंकवाद के खतरे के बारे में क्या किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद की घटनाएं न्याय, लोकतंत्र, सार्वजनिक जवाबदेही, राष्ट्रीय संसाधनों के वितरण और जातीय सहिष्णुता, धार्मिक सहिष्णुता और इसी तरह सत्ता साझा करने के मुद्दों पर बढ़ते समकालीन संघर्षों के साथ बढ़ेंगी। साथ ही सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्चस्तरीय अधिकारियों की 12वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लेते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग तथा आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक खुले, स्थिर, सुरक्षित, विश्वसनीय और समावेशी ढांचे के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया।

इस तरह के सहयोग की रूपरेखा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम समझ विकसित करने में मदद के लिए सरकारों से लेकर निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, तकनीकी समुदायों और सिविल सोसायटी तक सभी हितधारक और नियमित संस्थागत संवाद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सुरक्षा मानकों के विकास के माध्यम से समान विचारधारा वाले देशों की क्षमता निर्माण और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग के लिए तंत्र का निर्माण भी ऐसे सहयोग का हिस्सा होना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के मामले में, प्रासंगिक संधि प्रावधानों का पालन किया जाना चाहिए। साइबर अपराध पर संयुक्त राष्ट्र का समझौता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण पहल होगा। सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने और विश्वसनीय व समावेशी ढांचा बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। सरकारों और समाज को हमेशा आतंकवाद की प्रत्येक घटना का अध्ययन करने और उचित समाधान लागू करने की आवश्यकता है, क्योंकि कहा जाता है कि रोकथाम इलाज से बेहतर है। डिजिटल आतंकवाद की चुनौती को विफल करने के लिए इस खतरे के बारे में सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है।

अस्सी के बाद सत्तर के फेर में भाजपा

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

पार्टी इस सच को महसूस कर रही है कि मतदाताओं में मतदान का उत्साह ना होना उसके लिए घातक हो सकता है। पिछले दस वर्ष का रिकार्ड देखिए तो कई चुनावों में जितना-जितना वोट प्रतिशत बढ़ा है उसी अनुपात से भाजपा की सीटों में इजाफा हुआ है। विशेषकर यूपी मे बढ़ते वोटिंग का ग्राफ हिन्दुत्व की लहर और ध्रुवीकरण के संकेत देती रही है।

पहले चरण के चुनाव में मतदाताओं का उत्साह ना देख भाजपा में बेचैनी लाजमी है। खासकर यूपी मे अस्सी की अस्सी सीटें जीतने का लक्ष्य असंभव सा दिख रहा, ऐसे में पिछले लोकसभा चुनाव में जीती 64 सीटें बचाने के लिए पार्टी चुनावी रणनीति को नई धार देने में जुट गई है।

पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के पुराने बयान में मिर्च-मसाला लगाकर एक चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विवादित संबोधन इसकी बानगी है। भाजपा के सबसे बड़े नेता और पीएम के इस बयान को ध्रुवीकरण की कोशिश माना जा रहा है। अंदरखाने की खबरों को मानें तो भाजपा ने यूपी में अस्सी की आस छोड़कर 65-70 का लक्ष्य तय करके अपनी जीती सीटों की संख्या को बर्करार रखने के लिए संगठन, कार्यकर्ताओं और पन्ना प्रमुखों को कुछ नए दिशा निर्देश दिए हैं। खासकर इस बात पर जोर दिया गया है कि दूसरे चरण के चुनाव से सत्तर प्लस प्रतिशत वोटिंग हो। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बूथ संभालने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए आम जनमानस को वोट डालने के लिए प्रेरित और जागरूक करने की हिदायत दी गई है। भाजपा के यूपी संगठन को ये जिम्मेदारी दी गई है कि हर एक कार्यकर्ता दस मतदाताओं को मतदान के लिए घर से बाहर निकालने का लक्ष्य हासिल करे।

पार्टी इस सच को महसूस कर रही है कि मतदाताओं में मतदान का उत्साह ना होना उसके लिए घातक हो सकता है। पिछले दस वर्ष का रिकार्ड देखिए तो कई चुनावों में जितना-जितना वोट प्रतिशत बढ़ा है उसी अनुपात से भाजपा की सीटों में इजाफा हुआ है। विशेषकर यूपी मे बढ़ते वोटिंग का ग्राफ हिन्दुत्व की लहर और ध्रुवीकरण के संकेत देती रही है।

लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले पूरी तरह से देश में भाजपा के पक्ष में माहौल दिख रहा था। पहले चरण में वोट प्रतिशत गिरने के बाद लगने लगा कि देश की जनता इतनी भगवामय नहीं है जितना माना जा रहा था। बताते चलें कि विभिन्न टीवी चैनलों और सर्वे एजेंसियों ने भी ओपिनियन पोल में भाजपा को भारी बहुमत से जीतने और अपने लक्ष्य के करीब होने की संभावना जताई थी।

इंडिया गठबंधन की बुनियाद रखने वाले और देशभर के विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद में आगे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलट कर एनडीए का हिस्सा बनने से लेकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का अकेले लड़ना। पंजाब में कांग्रेस और आप का अलगाव, रालोद के जयंत चौधरी का एनडीए में चला जाना, अपना दल (कमेरावादी) की पल्लवी पटेल द्वारा असद्दुदीन ओवेसी की एआईएमआईएम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला.. जैसे बिखराव के बाद विपक्षी खेमा एनडीए के आगे बौना लग रहा था। किंतु यूपी में इंडिया गठबंधन खास कर सपा ने बेहद कम मुस्लिम और अधिक पिछड़ों को टिकट देकर चुनाव को जातिगत बनाने की रणनीति तय की, और ध्रुवीकरण के रास्ते बंद करने का रणनीति तय की।

चुनावी आग़ाज़ में ही यूपी-बिहार जैसी हिन्दी पट्टी में भी कम वोट पड़ना और भी घातक है। क्योंकि उत्तर भारत का जनाधार भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। दक्षिण में जो नुकसान होता है उत्तर उसे कवर कर लेता है। खासकर योगी के सुरक्षा का बुल्डोजर मॉडल, राममंदिर की उपलब्धि, प्राण प्रतिष्ठा का भव्य-दिव्य कार्यक्रम और काशी-मथुरा वाले यूपी से तो बहुत ज्यादा उम्मीद है। यहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चुनाव का आरंभ हुआ। अस्सी की अस्सी सीटें जीतने के लक्ष्य वाली भाजपा को अनुमान था कि यहां बंपर वोटिंग के साथ भगवा के प्रति उत्साह दिखेगा। अतीत में जाइए तो मुजफ्फरनगर के सांप्रदायिक दंगे और कैराना में पलायन की खबरों के बाद भाजपा को अप्रत्याशित लाभ हुआ था। किसानों और जाट समाज के इस गढ़ में मुस्लिम समाज की भी बड़ी तादाद है। दस वर्ष पूर्व यहां से शुरू हुआ ध्रुवीकरण पूरे यूपी में और फिर देश के कई राज्यों में फैल गया था। 2024 में उम्मीद और भी बढ़ गई। राम मंदिर का मिशन पूरा होने की सफलता के बाद काशी-मथुरा ने हिंदुत्व की लहर और ध्रुवीकरण की आशा बढ़ा दी। साथ काफी समय के बाद भाजपा की ताकत में चार चांद लगाने के लिए किसान और जाट समाज में पकड़ रखने वाले राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी एनडीए का हिस्सा बन गए हैं। यही सब कारण भाजपा का पलड़ा भारी होने के संकेत दे रहे थे।

इंडिया गठबंधन की बुनियाद रखने वाले और देशभर के विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद में आगे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलट कर एनडीए का हिस्सा बनने से लेकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का अकेले लड़ना। पंजाब में कांग्रेस और आप का अलगाव, रालोद के जयंत चौधरी का एनडीए में चला जाना, अपना दल (कमेरावादी) की पल्लवी पटेल द्वारा असद्दुदीन ओवेसी की एआईएमआईएम के साथ चुनाव लड़ने का फैसला.. जैसे बिखराव के बाद विपक्षी खेमा एनडीए के आगे बौना लग रहा था। किंतु यूपी में इंडिया गठबंधन खास कर सपा ने बेहद कम मुस्लिम और अधिक पिछड़ों को टिकट देकर चुनाव को जातिगत बनाने की रणनीति तय की, और ध्रुवीकरण के रास्ते बंद करने का रणनीति तय की। इधर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऐन चुनाव से पहले क्षत्रिय समाज द्वारा पंचायत कर भाजपा पर अनदेखी का आरोप लगाकर विपक्ष द्वारा जाति की राजनीति की मंशा को हवा दे दी। और फिर सैनी समाज, त्यागी समाज और अन्य जातियों की भी सत्तारूढ़ दल से नाराजगी की थोड़ी बहुत सुगबुगाहट नजर आने लगी। दूसरी तरफ हाशिए पर पड़ी बसपा भी मौजूदा चुनाव में मजबूती से लड़ती नजर आ रही। राजनीति परिपक्वता दिखाते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस बार टिकट वितरण में ना सिर्फ सपा-कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) को ही घेरा बल्कि भाजपा की भी मुश्किल बढ़ा दी। इस तरह बी टीम की तोहमत से बच कर बसपा अपना पारंपरिक वोट बैंक वापस लाने में हर संभव प्रयास कर रही है। ये कोशिश भी भाजपा भी भाजपा के माथे पर पसीना ला सकती है।

कुल मिलाकर पहले चरण के बाद भी यदि इस गर्मी में भी हिन्दुत्व एवं ध्रुवीकरण में गर्मी पैदा नहीं हुई और चुनाव माहौल ठंडा ही रहा, वोट प्रतिशत नही बढ़ा, प्रधानमंत्री के बयान से भी ध्रुवीकरण नहीं हुआ और जाति की राजनीति का असर फिर दिखाई दिया ये तो ये चुनाव एक तरफा नहीं बल्कि आमने-सामने का होगा।

प्रसंगवश

इस बार का सन्नाटा

सन 1951, मुझे अपने बचपन की याद है, जब किशोरी रमन कॉलेज की फील्ड में पंडित जवाहरलाल नेहरू आए थे। गली मोहल्ले के नर नारी टोल के टोल बना कर बड़े चाव से वहां पंहुचे थे। मेरी बुआ मुझे अपने साथ ले गई थी वहां मैंने अपने मोहल्ले के गोविंद रसिकजी को पहचान लिया था। गोविंद रसिक जी ने हम लोगों को मंच के नीचे बैठा दिया था और कुछ तो समझ में आना ही नहीं था किंतु वहां से मैंने जवाहरलाल नेहरू को देखा और इतनी बड़ी सभा पहली बार देखी।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

यह भारत के जनतंत्र का पहला चुनाव था। तब से लेकर अब तक जितने भी चुनाव हुए हैं, वे सब मेरी यादों में हैं। मैं बालक ही था, जब अटलजी मथुरा से चुनाव लड़े थे। शरद नामका मेरा सहपाठी मुझे बतलाया करता था कि कौन सी पार्टी अच्छी है। मोहल्लों में तान के अखाड़े खड़े होते थे और बाजार में डंडे शाही निकलती थी। एक लाइन याद है, पता नहीं, वह कौन से प्रत्याशी की ओर से गाई गई थी-पक्का इरादा कर के अखाड़े में कूदे हैं कस के लंगोट।/ हिम्मत से सब को हरा के दिखा देंगे आवेगी जो कोई जोट।

पार्टी में तो किसी में गया नहीं, गृहस्थी का भार था, किंतु बालकपन से लेकर अब तक जनतंत्र की इस प्रक्रिया का साक्षी जरूर रहा। जनता पार्टी बनी थी, तब राम राम की जगह जय जनता की, अभिवादन पद बन गया था। लोग मिलते थे, जय जनता की।

सन 2024 के चुनाव को भी देख रहा हूं। आज भरोसा कोई करे भी तो किस पर करे? बात तो ठीक है, सबको देख लिया है। किंतु समष्टिभाव और समष्टि प्रक्रिया पर तो विश्वास है ही। इसलिए सोच लेता हूं कि जो भी होगा, अच्छा ही होगा। लेकिन एक अंतर देख रहा हूं। अबकी बार लोग चुप हैं। मीडिया में जो कोलाहल हो रहा है, उसे तो सभी देख ही रहे हैं। लेकिन गली मोहल्ले में, पार्क में लोग मिलते तो हैं, लेकिन खुल कर कुछ भी नहीं कहते। वह चख-चख जो घर के चबूतरे पर ही हो जाती थी, कॉलोनी के दस नर नारी ठुरक कर अपनी बात कह कर जाते थे, अबकी बार कहां है? पार्टी जन की बात नहीं कर रहा, लेकिन लोकसभा के चुनाव में ऐसा सन्नाटा पहली बार देख रहा हूं।

'छिपा पाठ्यक्रम' और उसमें निहित संदेश

'रिक्शा चालक की बेटी बनी टॉपर, 'मज़दूर का बच्चा विद्यालय में अव्वल, 'किसान के बेटे ने गणित में पाए सौ में सौ' जैसे कितने ही शीर्षक किसी भी परीक्षा का परिणाम आने पर हम सबकी निगाहों से गुज़रते हैं। इनका निहितार्थ किसी विषम अथवा चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में अर्जित की गई सफलता के प्रति पाठकों का ध्यान आकृष्ट करना होता है। लेकिन इनमें अनचाहे रूप से एक दूसरा संदेश भी छिपा रहता है कि अमुक पेशा, व्यवसाय या परिस्थिति में उक्त सफलता अनपेक्षित है। यह संदेश प्रायः अनचाहे या अनपेक्षित होते हैं जो छिपे पाठ्यक्रम (हिडन करिकुलम) का हिस्सा होते हैं।

डॉ. अवनीश यादव
प्रान्तीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उ.प्र.

विद्यालय स्तर पर, विशेषकर सह शिक्षा वाले विद्यालयों में दिए जाने वाले निर्देशों में जेंडर विभेद अक्सर पाया जाता है। जैसे छात्राओं को 'बेटा' कहकर संबोधित करना।

नब्बे के दशक के अंतिम बरसों में उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक स्तरीय पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा, संशोधन व परिवर्धन का कार्य संचालित था। उन्हीं दिनों समीक्षा के दौरान यह बिंदु उभर कर आया कि पाठ्य सामग्रियों में कई अंश छिपे पाठ्यक्रम (हिडन करिकुलम)की तरह मौजूद हैं जो पठन-पाठन के समय अनचाहा संदेश दे सकते हैं। ऐसे कई अंश वाक्यों के रूप में भी थे, जैसे- 'वह महिला होते हुए भी बहादुर थी, 'वह गरीब होते हुए भी ईमानदार था' या कि 'वह सेठ होते हुए भी दयालु था'

औपचारिक एवं अनौपचारिक चर्चा-वार्ताओं में मौजूद इस प्रकार की धारणाएं प्रायः 'हिडन करिकुलम' की तरह समाज में प्रसारित होती रहती हैं और इनका प्रयोग विभिन्न शब्दावलियों, वाक्य-विन्यासों और देहभाषाओं के रूप में प्रचलित होता जाता है। बहुधा इन धारणाओं के मूल में नकारात्मक पूर्वाग्रह अधिक होते हैं।

अपवाद स्वरूप ही सही, यह पूर्वाग्रही धारणाएं कतिपय कक्षाओं में भी पहुंचती हैं। जहां परस्पर विद्यालयीय क्रियाकलापों में कदाचित, 'तुम क्या पढ़ोगे, एकदम गदहा हो' से लेकर पुश्तैनी काम - धंधों पर टिप्पणी जैसे वाक्यों का प्रयोग सामने आता है। पाठ्यवस्तु में भी यदा-कदा इस प्रकार के अंशों के होने से बच्चों के व्यक्तित्व पर इनका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जो उनके विद्यालय से पलायन का बड़ा कारण बन जाता है। इसलिए आवश्यक है कि इस 'हिडन करिकुलम' पर विद्यालय स्तर से ही विशेष ध्यान दिया जाए।

प्रतिभा किसी क्षेत्र, वर्ण अथवा संप्रदाय विशेष की पूंजी नहीं होती बल्कि सहज रूप से हर बच्चे में मौजूद होती है। हां, यह ज़रूर है कि सीखने -सिखाने की अनुकूल परिस्थितियां एवं एक्सपोज़र उसे तराशने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। स्वाभाविक ही है कि प्रतिभा को तराशने की इस प्रक्रिया का प्रमुख केंद्र विद्यालय ही होते हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि विद्यालय से जुड़ा हर घटक यह सुनिश्चित करे कि बच्चे बिना किसी आरोपित आग्रह या पूर्वाग्रह के अपनी स्वाभाविक गति से आगे बढ़ें।

इसके लिए सबसे ज़रूरी यह है कि विभिन्न क्रियाकलापों के दौरान दिए जा रहे निर्देशों, चर्चा -परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण तथा परस्पर संवाद की भाषाशैली और भाव-भंगिमाओं पर विशेष ध्यान दिया जाय। ऐसी किसी भी शब्दावली, संकेत या भाव-भंगिमा का प्रयोग न किया जाय जिसका निहितार्थ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बच्चे की निजता को ठेस पहुंचाए या उसे हतोत्साहित करे। किसी भी बच्चे के जीवन को आकार देने में भाषा विशेष भूमिका निभाती है। अतः यह आवश्यक है कि हमारी सामान्य बातचीत या संवाद के दौरान ऐसी शब्दावली या वाक्यों का प्रयोग न हो जिनमें अनचाहे संदेश छिपे हों।

विद्यालय स्तर पर, विशेषकर सह शिक्षा वाले विद्यालयों में दिए जाने वाले निर्देशों में जेंडर विभेद अक्सर पाया जाता है। छात्राओं को 'बेटा' कहकर संबोधित करना, निर्देशों का अधिकांशतः पुल्लिंग शब्दों में होना जैसी स्थितियां सामान्य मानी जाती हैं। विद्यालयीय क्रियाकलाप किसी न किसी लिखित औपचारिक पाठ्यक्रम का अंग होते हैं। जिसके क्रम में विद्यार्थी सीखने के विभिन्न अनुभवों द्वारा अपने ज्ञान का निर्माण करते हैं। छिपा हुआ पाठ्यक्रम (हिडन करिकुलम) स्कूली पाठ्यचर्या का वह अलिखित, अनौपचारिक और बहुधा अनपेक्षित हिस्सा होता है जिसे बच्चे औपचारिक पाठ्यक्रम के साथ साथ ग्रहण करते रहते हैं। यह हिस्सा सकारात्मक भी हो सकता है और नकारात्मक भी। पर यह तब चिंताजनक हो जाता है जब इसके निहितार्थ नकारात्मक होते हैं और बच्चे के व्यक्तित्व पर अवांछित असर डालते हैं। विद्यालय वह उचित प्लेटफ़ॉर्म है जहां इसके नकारात्मक पक्षों को कम या दूर किया जा सकता है। अतः आवश्यक है विद्यालयीय व्यवस्था से जुड़े समस्त हितधारक इस ओर विशेष ध्यान दें।

सोशल फोरम

ब्रांडेड जमाना

फ़िल्म थ्री इडियट का एक दृश्य है जिसमे आमिर खान करीना कपूर के भावी पति के बारे में करीना से कहता है कि उसके पति को अपनी घड़ी और जूतों पर बड़ा गुमान है। और उनको लेकर वह थोड़ा दिखावा करता है। और एक घटना से वो इसे साबित भी कर देता है।

आजकल जब कुछ लोगों को देखता हूं तो वो मुझे करीना के पति समान दिखते हैं। चलते फिरते ब्रांडेड शोरूम। सर से लेकर पैर तक पूरे ब्रांडेड। इधर बड़े अजीब अजीब से समाचार पढ़ने को मिलते हैं। एक सीजन में कोई खिलाड़ी हिट हुआ या किसी एक्टर की एकाध फ़िल्म हिट हो गई तो चार पांच सौ करोड़ उसकी नेटवर्थ तो यूं ही हो जाती है। इतने करोड़ का बंगला, इतने करोड़ की कारें तो बड़े सामान्य से समाचार हो जाते हैं। ज्यादा कमाया तो अपना प्राइवेट जेट भी संभव है।

तजिंदर सिंघ
जमशेदपुर, झारखंड

मैं किसी की कमाई के विरुद्ध नही हूं। लेकिन 80 करोड़ को 5 किलो अनाज वाले देश मे कुछ लोगों को इतना पैसा थोड़ा आंखों में चुभता है। वैसे इसके लिए भी हम आम जन जिम्मेवार हैं। क्योंकि हम ही उनकी जेबें भरते हैं। आईपीएल जैसे तमाशे में जनता लुटा रही है और कुछ लोग कमा रहे हैं। यही हाल हीरो हेरोइन को सर पर बैठाने वालों का भी है। किसी जमाने में तीन से चार रुपये की जगह आज 4 से 5 सौ रुपये देकर फ़िल्म देख रहे हैं तो एक ही हिट फ़िल्म से अथाह पैसा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। आज एक फ्लॉप फ़िल्म भी अपनी लागत से ज्यादा कमा लेती है। और उसके हीरो हेरोइन भी। अब ऐसे धनाढ्य लोगों की जमात के ईगो को संतुष्ट करने के लिए ब्रांड बने हुए हैं। अरमानी का सूट हो, गुची के जूते हों। वैसे अब तो गुची भी गरीब पहनते हैं। मेरे एक मित्र का बेटा प्री वेडिंग शूट के लिए मालद्वीप गया। भाई यहां हीरो हीरोइन अपनी शादी के अधिकार बेच लाखों कमा रहे हैं और उनकी नकल कर हम लाखों गवां रहे हैं।

आप और हम मध्यम वर्गीय लोग ये सब सुन हैरान भले हों लेकिन अपनी हैसियत भर हमारे भी नखरे हैं और हमारे भी अपने ब्रांड हैं। **-फेसबुक वॉल से**

राजनैतिक सत्ता संपूर्ण सामाजिक प्रगति की कुंजी

लोकतंत्र के महापर्व में संपूरण देश चुनावी रंग में सराबोर है। सभी दलों के घोषणा पत्र सभी जनों को आकर्षित करने वाले हैं। पहले भी होते रहे हैं लेकिन क्या जनता परीक्षक की भूमिका में है। परीक्षण कर वोट देना सबको आ गया है या हर बार की तरह पिछली गारंटी पूरी न करने वाले नई गारंटी देने वाले दलों के समक्ष मजबूर है। मतदाता उन्हीं में से जो अच्छा लुभा ले जाये के बहाव में।

सुरेन्द्र सोनकर
सामाजिक चिंतक

आंबेडकर ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा राजशक्ति ही सामाजिक उन्नति की कुंजी है। इसलिए अनुसूचित जातियों को चाहिए वे अपनी प्रगति के लिए संगठित हों और सत्ता पर काबिज हों।

25 अप्रैल 1948 को लखनऊ में शेड्यूल कास्ट फेडरेशन का पांचवां अधिवेशन था, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारत के कानून मंत्री डॉ.बी आर आंबेडकर आमंत्रित किए गए थे। तब उत्तर प्रदेश को संयुक्त प्रांत कहा जाता था। मुख्यमंत्री तब पंडित गोविंद बल्लभ पंत थे। उस अधिवेशन में उन्होंने भी शिरकत की थी। हालांकि डॉ आंबेडकर उस तिथि से पहले दो बार और भी लखनऊ आए थे। एक बार लोथियन समिति के सदस्य के रूप में बारह वर्ष पूर्व लखनऊ आए थे। प्रत्येक बार वे लखनऊ के रिसालदार पार्क बुद्ध विहार में रुके। बुद्ध विहार के मुख्य कर्ता-धर्ता महेथरा बोधानन्द जी थे जो कि त्रिपटक के महाविद्वान थे। इस अधिवेशन की सफलता के पीछे उनका हाथ था। वे पिछड़ा वर्ग के सदस्य रहे, जिनका कहना था आसमान व्यवस्था को चौरस करके ही दम लूंगा। हालांकि व्यवस्था अभी भी चौरस नहीं हुई है पिछड़ा वर्ग के सदस्य रहे शिवदयाल चौरसिया अध्यक्ष समता सैनिक दल के गोपीचंद पिम्पल, कन्हैया लाल सोनकर, गयाप्रसाद तिलक चंद कुरील, अखिल भारतिय फेडरेशन के महासचिव पी एन राजभोज, मेवालाल सोनकर, बुद्धदास चौधरी इन सबके अतिरिक्त जागरूक पिछड़े वर्ग व अनुसूचित जाति के कार्यकर्ताओं की वजह से उस समय एक लाख के आसपास लोग उपस्थित हुए थे। इसके पीछे एक वजह थी, शेड्यूल कास्ट फेडरेशन ने एक वर्ष पूर्व ही अनुसूचित जातियों ने हितों की अनदेखी पर आंदोलन किया था। पुलिस ने लगभग दो हजार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था।

शिवदयाल चौरसिया ने डॉ.आंबेडकर से पूछा संविधान में पिछड़े वर्गों के लिए क्या है? आंबेडकर ने कहा जिस दिन पिछड़े और वंचित वर्ग के लोग एक साथ आ जाएंगे, तब हमारे लोगों के साथ अन्य लोग भी गौरान्वित महसूस करेंगे। आंबेडकर ने काफी प्रयास के साथ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 में पिछड़े वर्गों की जानकारी उनकी स्थिति उनकी भागीदारी एवं उत्थान के लिए एक कमीशन बनाए जाने का प्रावधान किया था जिसके तहत तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने काका कालेलकर आयोग गठित किया था।

25 अप्रैल 1948 को लखनऊ उत्तर प्रदेश शेड्यूल कॉस्ट फेडरेशन के सालाना अधिवेशन में डॉ. आंबेडकर ने जो भाषण दिया, जिसकी गर्माहट ने दिल्ली में पंडित नेहरू और पटेल को विचलित कर दिया लेकिन जिन लोगों के लिए आंबेडकर जोखिम लेकर संदेश दिया वे समाज या राजनीतिक नुमाइंदे आज तक नहीं समझे। नेहरू व पटेल ने अम्बेडकर को पत्र लिखकर नाराजगी व्यक्त की थी। आंबेडकर द्वारा स्पष्टीकरण का सिलसिला चलता रहा।

आंबेडकर ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा राजशक्ति ही सामाजिक उन्नति की कुंजी है। इसलिए अनुसूचित जातियों को चाहिए वे अपनी प्रगति के लिए संगठित हों और सत्ता पर काबिज हों। ऐसे में कांग्रेस व समाजवादी पार्टियों के बीच सत्ता संतुलन में ही उनका कल्याण होगा। कांग्रेस एक जलता हुआ मकान है। उन्हें कोई ताज्जुब नहीं कुछ वर्षों में नष्ट होने के कगार पर पहुंच जाए। डॉ. आंबेडकर ने कहा पिछड़े वर्ग व दलित वर्ग मिलकर देश की बहुसंख्यक आबादी होते हैं। वे मिल जाएं तो इस देश पर राज कर सकते हैं। भारत का मेहनतकश समाज देश के विकास में सहयोगी है। आजादी के अमृत काल तक कितना बदलाव आया है। यह आज भी सवाल है। आंबेडकर ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा राजशक्ति ही सामाजिक उन्नति की कुंजी है। इसलिए अनुसूचित जातियों को चाहिए वे अपनी प्रगति के लिए संगठित हों और सत्ता पर काबिज हों। ऐसे में कांग्रेस व समाजवादी पार्टियों के बीच सत्ता संतुलन में ही उनका कल्याण होगा। हालांकि कांग्रेस आज बदलाव के मार्ग पर है। वह जाति जनगणना की पक्षधर है। पिछड़े दलितों की भागीदारी पर भी चिंतित है। राहुल गांधी के बयानों में जब तब दिखता है। आंबेडकर के बाद बहुजन समाज पार्टी उभरी भी उत्तर प्रदेश के सत्ता तक पहुंची। आज स्थिति सोचनीय है समाजवादी पार्टी भी सत्ता का स्वाद चख चुकी है। प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल है लेकिन कुछ निर्णय ऐसे हुए दलित समाज नाराज हुआ लेकिन आज समाजवादी पार्टी के प्रमुख भी समझे हैं, आंबेडकर व लोहिया की विचारधारा स्थापित करना चाहते हैं। सबको समुचित भागीदारी की बात भी कर रहे हैं। चुनाव की बेला में आंबेडकर का बयान 25 अप्रैल 1948 वाला आज भी बहुजनों में एकता के लिए प्रसांगिक है।

बढ़ती आर्थिक असमानता

इन दिनों देश में बढ़ रही गैर बराबरी की चर्चा जोरों पर है, हाल ही में वर्ल्ड इनेक्वलिटी लैब ने जो आंकड़े पेश किए वो बेहद चौकाने वाले है, इनसे पता चलता है कि मात्र एक फीसदी लोगों के पास देश की संपत्ति का 40 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। रिपोर्ट के अनुसार 2014-15 से 2022-23 के मध्य आय में असमानता सबसे तेजी से बढ़ी है। देश में अरबपतियों की संख्या निरंतर बढ़ रही हे नए आंकड़ों के अनुसार यह संख्या अब 259 हो गई है। यह रफ्तार कई अन्य देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा है लेकिन वहीं दूसरी ओर 72 करोड़ से ज्यादा लोग मात्र 6000 रूपये मासिक आय पर अपना गुजारा करने को मजबूर हैं। आमदनी की असमानताओं में सिर्फ साउथ अफ्रीका और ब्राजील ही आगे हैं, यह भी बताना जरूरी है कि 1991 में जब वैश्विक उदारीकरण शुरू हुआ इस समय केवल एक भारतीय 1 अरब डालर से ज्यादा संपत्ति का मालिक था, किंतु पिछले चंद वर्षो में भारत में असमानता ब्रिटिश राज के समय से भी ज्यादा हो गई है। 2014 से 2023 के मध्य जहा आम आदमी की औसत आय 27.8 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं चंद पूंजीपतियों की आय में 280 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है, यह असीमित बढ़ोतरी ही अमीर गरीब की असमानता का मुख्य कारण है। गैर बराबरी तीन तरह की बताई जाती है, एक खपत में, दूसरी आय में और तीसरी वेल्थ में। इस आसमान पूंजी के बंटवारे को केवल क्रोनी केपिटालिज्म का विकास ही कहा जा सकता है, देश का चहुंमुखी विकास तो कतई नहीं। चहुंमुखी विकास के लिए और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे महिलाओं की सीमित भागीदारी को बढ़ाना ही होगा। 85 प्रतिशत तक छोटे मझौले किसानों की आय को बढ़ाने की जरूरत होगी, माइक्रो सेक्टर की आमदनी बढ़ानी होगी, शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाना होगा ताकि लेबर प्रोडक्टिव हो सके, कर्मचारियों की रियल सेलरी में बढ़ोतरी की जरूरत होगी। क्योंकि जो ग्रोथ हो रही है उसका लाभ सिर्फ उद्योग जगत तक सीमित है और यही कारण आर्थिक असमानताएं बढ़ रही है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे को ध्यान में रख कर आर्थिक नीतियों में बड़े परिवर्तन की जरूरत होगी।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शुरू हुए लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कम मतदान से उपजी आशंकाओं को पीछे छोड़कर भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए और कांग्रेस-सपा के इंडिया गठबंधन के साथ बहुजन समाज पार्टी ने अब प्रदेश में दूसरे चरण की उन आठ सीटों पर मुकाबले के लिए कमर कस ली है, जिन पर 26 अप्रैल को वोट डाले जाने हैं। इन आठ सीटों में पिछले 2019 के चुनाव में भाजपा ने सात सीटों मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में कमल खिलाया था, जबकि अमरोहा सीट सपा से गठबंधन के चलते बसपा ने जीती थी। इस बार प्रदेश की इन आठ सीटों में से पांच पर जानकार मुकाबला त्रिकोणीय मान रहे हैं। दो सीटों पर भाजपा और सपा के बीच जबकि एक सीट पर भाजपा से बसपा की सीधी टक्कर होने का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रदेश में मिशन -80 का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा के लिए यह चरण अगर काफी अहम है, तो कांग्रेस की साख भी चार सीटों पर चुनाव लड़ने के कारण सबसे ज्यादा दांव पर लगी है। सपा के लिए इस चरण में खोने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन बसपा क्या खाता खोलने में कामयाब रहेगी, यह सवाल भी है। लेकिन इससे भी बड़ा सवाल 40 डिग्री पार जाते पारा में कौन अपने ज्यादा से वोट बूथ तक पहुंचा पाएगा, इसकी मशक्कत का भी है। हालांकि चुनाव आयोग मतदान बढ़ाने के लिए लगातार विशेष प्रयास कर रहा है।

जातीय समीकरण और ध्रुवीकरण का दूसरा चरण

91 प्रत्याशी आठ सीटों पर इस बार मैदान में

42 प्रत्याशी हैं दूसरे चरण में करोड़पति

02 वर्तमान सांसद भी आमने-सामने

से अधिक हुआ था 2019 में मतदान

मनोज त्रिपाठी

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में प्रदेश में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा संसदीय सीट पर 26 अप्रैल को वोट पड़ेंगे। इन आठ लोकसभा सीटों पर कुल 91 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें से अमरोहा को छोड़कर बाकी सभी सीटें 2019 में भाजपा ने जीती थीं। अमरोहा सीट सपा और रालोद के साथ गठबंधन के चलते बसपा के खाते में गई थी। इस बार चुनावी समीकरण पिछले चुनाव वाले नहीं हैं। रालोद अब भाजपा के साथ मिलकर चुनावी मैदान में है, तो सपा ने कांग्रेस के साथ गठजोड़ बनाया है। बसपा अकेले दम पर सभी आठ सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रही है। भाजपा आठ में से सात सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उसने बागपत सीट गठबंधन में शामिल रालोद को दी है। इसके मुकाबले इंडिया गठबंधन में सपा और कांग्रेस चार-चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस के प्रत्याशी गाजियाबाद, मथुरा, बुलंदशहर, अमरोहा सीट पर मैदान में हैं, जबकि सपा अलीगढ़, बागपत, गौतमबुद्ध नगर और मेरठ सीट पर मुकाबला कर रही है। ऐसे में यह चुनावी चरण भाजपा-रालोद, सपा-कांग्रेस गठबंधन और बसपा की कड़ी परीक्षा लेने जा रहा है, जिसमें भाजपा पिछले चुनाव में मिली जीत का अंतर देखते हुए इस बार भी कमल खिलाने के लिए थोड़ी आश्वस्त नजर आ रही है।

ब्रजवासी किसे कहेंगे राधे-राधे

- मथुरा लोकसभा सीट हाईप्रोफाइल सीट मानी जाती है। इस सीट से हेमा मालिनी भाजपा प्रत्याशी के रूप में लगातार दो बार चुनाव जीत चुकी हैं और इस बार जीत की तिकड़ी लगाने में जुटी हैं। कांग्रेस यहां पिछली बार यहां 20 वर्ष पहले चुनाव जीती थी, जबकि बसपा का इस सीट पर अब तक खाता नहीं खुल पाया है। कांग्रेस ने हेमा मालिनी के मुकाबले दलित समाज के मुकेश धनगर को उतारा है, तो बसपा ने जाट बिरादरी से आने वाले रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी सुरेश सिंह पर दांव लगा रखा है। भाजपा की तरफ से अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा की बारी जैसा मुद्दा उछाला जा रहा है। यह सीट जाट बाहुल्य मानी जाती है। जाट वोटों में सेंध लगने से बचाने के लिए धर्मेंद्र से शादी करने के कारण हेमा मालिनी खुद को जाट बता रही हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश धनगर चुनाव ब्रजवासी और अप्रवासी का मुद्दा गर्म करने में लगे हैं और जाट वोट बंटने पर अपनी जीत का रास्ता खोज रहे हैं। जानकार मान रहे हैं कि मथुरा सीट पर बसपा अगर जाट-दलित वोटों को जोड़ने में कामयाब रही तो भाजपा को मुश्किल में डाल सकती है।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 60.77%, 2014 – 53.29%

मेरठः भाजपा- बनाम बसपा लग रही लड़ाई

- मेरठ लोकसभा सीट से धारावाहिक रामायण में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल भाजपा प्रत्याशी हैं, उनके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रोड शो कर चुके हैं। सपा से यहां पूर्व महापौर सुनीता वर्मा उनका मुकाबला कर रही हैं। बसपा से देवव्रत त्यागी किस्मत आजमा रहे हैं। पिछली बार मेरठ सीट पर भाजपा मामूली अंतर से जीत दर्ज कर पाई थी। बसपा के याकूब कुरैशी ने सपा का गठबंधन मिलने से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र अग्रवाल को कांटे की टक्कर दी थी। इसी कारण भाजपा ने राजेंद्र अग्रवाल का टिकट काटकर अरुण गोविल को उतारा है। याकूब परिवार अब बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी को जिताने के लिए पूरी ताकत के साथ लगा है। बसपा सुप्रीमो दो दिन पहले यहां सभा कर गई हैं। इस दौरान उन्होंने वोट बैंक साधने के लिए सपा को ज्यादा निशाने पर रखा था। इसके चलते सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा के लिए चुनौती खड़ी हो गई है। मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर मुस्लिम मतदाता सपा और बसपा दोनों से प्रत्याशी हिंदू होने के कारण अभी असमंजस में नजर आ रहा है। सपा प्रत्याशी खुद को राम के सामने सबरी बताकर मुख्य मुकाबले में रहने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जिस तरह से बसपा मुस्लिम, दलित के साथ राजपूत और त्यागी वोटों पर नजर लगा रही है, उससे जानकार मेरठ का चुनाव भाजपा बनाम बसपा की तरफ बढ़ता मान रहे हैं।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 48.19%, 2014 – 47.80%

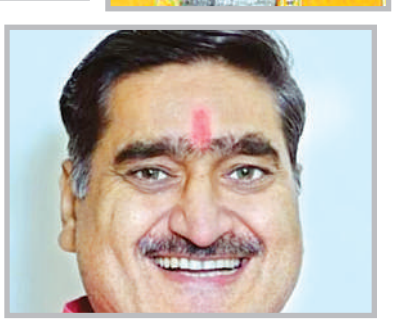

08 लोकसभा सीटों पर कुल 91 प्रत्याशी मैदान में हैं।

गौतमबुद्ध नगर में त्रिकोणीय मुकाबला

- गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से चुनाव जीत रहे भाजपा सांसद डॉ महेश शर्मा जीत की हैट्रिक लगाने के लिए इस बार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लोकसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों को लेकर कई जगह लोग उनसे नाराज हैं, लेकिन वोट भाजपा को ही देने की बात कह रहे हैं। सपा से उतरे डॉ. महेंद्र नागर अपने सजातीय और पीडीए वोट बैंक के बूते चुनावी जंग को दो डॉक्टरों के बीच रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, तो बसपा प्रत्याशी पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सोलंकी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की भरसक कोशिश में जुटे हैं। इससे चुनाव रोचक हो गया है। तीनों प्रत्याशी अलग-अलग जातियों से हैं। भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मण, सपा प्रत्याशी गुर्जर और बसपा प्रत्याशी ठाकुर बिरादरी से हैं। सपा ने गुर्जर-मुस्लिम-यादव समीकरण बनाने का दांव चला है तो बसपा ने ठाकुर-दलित समीकरण के सहारे जीत का ताना बाना बुन रखा है। इस सीट पर ठाकुर मतदाता बड़ी संख्या में है, जो भाजपा के परंपरागत वोटर माने जाते है, लेकिन ठाकुरों की नाराजगी का मुद्दा उछालकर इस वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिशें भी कम नहीं हो रही हैं। इस लोकसभा सीट पर धीरे-धीरे मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 59.6 %, 2014 – 50.0 %

2024 में किस दल के कितने प्रत्याशी

इंडिया गठबंधन		राजग गठबंधन		
04	04	07	01	08
सपा	कांग्रेस	भाजपा	रालोद	बसपा

2019 में आठ सीटों पर यह था स्कोर

07	01
भाजपा	बसपा

2019
बसपा ने सपा के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव में 19 फीसदी वोट पाए, 10 सीटें जीतीं

25% सपा और कांग्रेस का साझा वोट प्रतिशत रहा था 2019 के लोकसभा चुनाव में

दूसरे चरण का रण क्या बदल पाएगा हाथ के हालात

- प्रदेश में दूसरे चरण के चुनाव में कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर है। कांग्रेस इस चरण में सबसे ज्यादा चार लोकसभा सीटों पर मैदान में है। गठबंधन के तहत बाकी चार सीटों पर समाजवादी पार्टी चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी मथुरा, गाजियाबाद, अमरोहा और बुलंदशहर सुरक्षित सीटों पर भाजपा का मुकाबला कर रहे हैं। कांग्रेस से गाजियाबाद में ब्राह्मण महिला डॉली शर्मा, अमरोहा में मुस्लिम प्रत्याशी के रूप में बसपा से आए सांसद दानिश अली हैं, तो मथुरा की सामान्य सीट पर पार्टी ने दलित समाज के मुकेश धनगर पर दांव लगा रखा है। बुलंदशहर सुरक्षित सीट पर शिवलाल वाल्मीकि लोगों से हाथ का साथ मांग रहे हैं। फिलहाल कांग्रेस ने चारों सीटों पर प्रचार के अंतिम चरण में पूरी ताकत झोंक रखी है। कांग्रेस ने इन चारों सीटों में सबसे ज्यादा उम्मीद गाजियाबाद सीट पर लगा रखी है। यहां भाजपा द्वारा वीके सिंह का टिकट काटकर विधायक अतुल गर्ग को उतारे जाने से कांग्रेस को जीत के लिए उम्मीद की किरण नजर आ रही है। मथुरा सीट कांग्रेस ने आखिरी बार 2004 में जीती थी। यहां 2009 और 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे थे। अमरोहा में बसपा से आए सांसद दानिश अली पर दांव लगाकर कांग्रेस जीत के लिए पूरी तरह उन्हीं पर और सपा के समर्थन पर निर्भर नजर आ रही है, इसकी वजह यह है कि इस सीट पर 1984 के बाद पार्टी का खाता नहीं खुला है और संगठन काफी कमजोर है। बुलंदशहर में कांग्रेस 2019 के चुनाव में तीसरे नंबर पर थी। इस बार यहां जातीय समीकरणों के सहारे पार्टी मुकाबले में आने की उम्मीद में है।

अलीगढ़ः जातीय खांचे में फंसी जीत की हैट्रिक

- तालों की नगरी अलीगढ़ से ब्राह्मण बिरादरी के भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम जीत की हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। लेकिन बसपा ने यहां भाजपा छोड़कर हाथी की सवारी करने वाले ब्राह्मण समाज के ही हितेंद्र कुमार उर्फ बंटी उपाध्याय को मैदान में उतार कर भाजपा के सामने मुश्किल खड़ी कर दी है। सपा ने जाट बिरादरी के पूर्व सांसद चौधरी बिजेन्द्र सिंह पर फिर भरोसा जताया है। इस सीट पर सर्वाधिक मुस्लिम मतदाता हैं। बावजूद इसके सपा और बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है। बसपा ने पहले मुस्लिम गुफरान नूर को टिकट दिया था, पर उनके बीमार होने पर प्रत्याशी बदल दिया। मुस्लिम मतों का झुकाव या बिखराव यहां के परिणाम पर असर डालेगा, ऐसा माना जा रहा है। इसे देखते हुए दो दिन पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रैली करके मुस्लिमों को जोड़ने के साथ पीडीए को मजबूत करने की बाद कह गए हैं। इसके बाद से सपा प्रत्याशी का हौसला बढ़ गया है।

भाजपा का वोट% 2019 – 56.42 %, 2014 – 48.34 %

बागपत : ब्राह्मण और पिछड़ा वर्ग लिखेगा जीत

- चौधरी चरण सिंह के परिवार का गढ़ रही इस सीट पर चुनाव जातीय समीकरणों में उलझता नजर आ रहा है। 47 वर्षों बाद चौधरी परिवार का कोई सदस्य यहां चुनाव नहीं लड़ रहा है। रालोद ने भाजपा से गठबंधन में मिली इस सीट पर अपने राष्ट्रीय सचिव राजकुमार सांगवान को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है। एक तरह से जयंत चौधरी चुनावी कमान संभाले हैं। सपा ने इस सीट पर साहिबाबाद के पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा को उतार कर मुकाबला दिलचस्प बना दिया है। अमर पाल शर्मा की ब्राह्मण बिरादरी में बढ़िया पकड़ मानी जाती है। बसपा ने दिल्ली हाई कोर्ट के अधिवक्ता गुर्जर बिरादरी के प्रवीण बंसल पर दांव लगाया है। पिछले दो चुनावों में यहां आमने-सामने रहीं भाजपा और रालोद के हाथ मिलाने से इस सीट पर गिना जाने वाला साढ़े तीन लाख जाट वोट तो सांगवान के समर्थन में लामबंद हो गया है, लेकिन मुस्लिम वोटर जो करीब चार लाख है, सपा की तरफ झुकने से रालोद प्रत्याशी के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है, क्योंकि करीब 70 हजार यादव वोट सपा के साथ पहले ही खड़ा है। ऐसे में बागपत सीट पर जीत की राह ब्राह्मण और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के बीच से ही निकलने के कयास लगे जा रहे हैं।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 50.32 %, 2014 – 42.15 %

बुलंदशहर है भाजपा का बुलंद दुर्ग

- अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर इस बार दो सांसदों के बीच चुनावी जंग हो रही है। भाजपा ने यहां पिछले दो बार से लगातार जीत दर्ज कर रहे खटिक बिरादरी के भोला सिंह को जीत की हैट्रिक लगाने का मौका दिया है। बसपा ने नगीना के मौजूदा सांसद गिरीश चंद्र को मैदान में उतारा है। उनके सामने दलित वर्ग की गैर जाटव जातियों को अपने पक्ष में मोड़ने की चुनौती है। कांग्रेस से उतरे आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सदस्य शिवराम वाल्मीकि सपा से जुड़े वोटरों को जोड़कर दोनों सांसदों के बीच अपनी सफलता की राह खोज रहे हैं। बसपा यहां दम तो दिखाती रही है, पर कभी जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पायी है। सपा को जरूर वर्ष 2009 में सफलता मिली थी। इसी लोकसभा चुनाव को छोड़कर वर्ष 1991 के चुनाव से अब तक भाजपा यहां अपराजेय रही है।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 60.64 %, 2014 – 59.83%

गाजियाबाद : जीत का चौका या चौंकाएंगे मतदाता

- गाजियाबाद में पिछले आठ लोकसभा चुनावों में भाजपा सात बार जीती है। इस बार यहां भाजपा, कांग्रेस और बसपा तीनों दलों के नए और स्थानीय प्रत्याशी जीत के लिए जूझ रहे हैं। प्रत्याशी बदलने के साथ ही चुनावी और जातीय समीकरण भी बदल गए हैं। भाजपा से मैदान में उतरे शहर के विधायक अतुल गर्ग के सामने पिछली बार वीके सिंह को मिली पांच लाख की जीत बरकरार रखने की चुनौती है, तो सपा-कांग्रेस गठबंधन से डॉली शर्मा भाजपा का किला भेदने के लिए जलभराव, कूड़े के पहाड़ और प्रदूषण जैसी समस्याओं के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा के मुद्दों पर धार पैनी किए हैं। बसपा प्रत्याशी नंदकिशोर पुंडीर क्षत्रियों की नाराजगी के मुद्दे पर भाजपा के वोटबैंक में सेंध लगाने में जुटे हैं। बुधवार को इसीलिए उन्होंने क्षत्रिय बहुल धौलाना विधानसभा में रोड शो निकाला। बसपा सुप्रीमो मायावती यहां रैली में कह भी गई थीं कि देख लेना, क्षत्रिय को टिकट दिया है। तीनों प्रत्याशियों की इस टक्कर में अब भाजपा इस सीट पर जीत का चौका लगाएगी या वोटर चौंकाएंगे यह सवाल हर कहीं चर्चा में तैर रहा है।

भाजपा का वोट प्रतिशत
2019 – 61.93 %, 2014 – 56.51 %

अमरोहा में हाथी बिगाड़ेगा कांग्रेस का खेल ?

- 1980 के बाद से किसी प्रत्याशी को लगातार दो बार लोकसभा न भेजने वाली अमरोहा की जनता पुराना रिवाज कायम रखेगी या पिछले साढ़े चार दशक से चली आ रही परंपरा को इस बार तोड़ देगी। इस बात पर हर किसी की निगाह लगी है। यहां बसपा को छोड़कर हाथ का साथ थामने वाले मौजूदा सांसद कुंवर दानिश अली मुस्लिम बहुल इस सीट पर सपा की साइकिल का साथ मिलने से दोबारा जीत हासिल करने के लिए तेजी से पैडल मारते नजर आ रहे हैं। ऐसे में भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर भी इस बार रालोद का साथ पाकर 2014 वाली सफलता हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं। मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर बसपा उम्मीदवार मुजाहिद हुसैन मुकाबले का तीसरा कोण बनकर असली परेशानी कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अली के सामने खड़ी कर रहे हैं। जानकार बसपा और कांग्रेस-सपा गठबंधन दोनों के मुस्लिम प्रत्याशी होने से मुस्लिम वोटों में बिखराव तय मान रहे है। कहा जा रहा है कि बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी कांग्रेस का खेल बिगाड़ने के लिए खड़ा किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने अमरोहा सीट पर प्रचार करते हुए कहा भी था कि दानिश अली ने मुस्लिमों को धोखा दिया है और उनके साथ गद्दारी की है। ऐसे में भाजपा के कंवर सिंह तंवर की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन यहां भी समस्या भाजपा-रालोद कार्यकर्ताओं में एकजुटता नहीं बन पाने की आ रही है। कई बार टकराव की स्थिति बन चुकी है।

वोट प्रतिशत
बसपा **2019 – 51.4 %,** भाजपा **2014 – 48.3 %**

जीत की भरी हुंकार

मथुरा से भाजपा की उम्मीदवार सांसद हेमा मालिनी ने रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाया।

बहस में उलझे मतदाता | परिवारवाद और भ्रष्टाचार से शुरू हुई चुनावी लड़ाई नए मुकाम पर पहुंची, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे हुए दरकिनार

मंगलसूत्र, संपत्ति बंटवारे और विरासत टैक्स से बढ़ी सियासी गर्मी बूथ तक पहुंचेगी!

राजपुरुष

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मौसम का पारा और मतदाताओं का मिजाज कितना गर्म रहेगा, इसका पता तो 26 अप्रैल को ही चलेगा, लेकिन सियासी तापमान अभी से बेहद गर्म हो गया है। परिवारवाद और भ्रष्टाचार से शुरू हुई लड़ाई अचानक कांग्रेस के मैनिफेस्टो से होती हुई मंगलसूत्र, संपत्ति सर्वे, मुस्लिम आरक्षण और विरासत टैक्स पर उलझ गई है। महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे दरकिनार हो गए हैं और मतदाता भी इस बहस में जुड़कर यह पड़ताल करने में लगा है कि क्या वास्तव में कांग्रेस पार्टी जातीय जनगणना और संपत्ति सर्वे की आड़ में अरबन नक्सल के हाथों में खेल रही है। हालांकि इस विमर्श में कुछ लोगों को यह भी लग रहा है कि चुनावी जंग में यह सब कुछ जुमलों की बौछार या फिर वोट बैंक को साधने के इंतजाम से ज्यादा कुछ नहीं है। लेकिन इस तरह के आक्रमक चुनावी अभियान का मतदाता के मन पर कहां और कितना असर हुआ है या आगे होगा, इसकी लाभ-हानि का जोड़ घटाना परिणाम आने पर ही लगाया जा सकेगा, फिलहाल बयानों के अग्नि बाण दोनों तरफ से जारी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार पिछले तीन दिनों से अपनी रैलियों में कांग्रेस के घोषणा पत्र की बातों का जिक्र करते हुए उसे कठघरे में खड़ा करके सवालों के दनादन प्रहार कर रहे हैं। वह लोगों को आगाह कर रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार आने पर लोगों की संपत्ति घुसपैठियों और उन लोगों में बांट दी जाएगी, जिनके अधिक बच्चे हैं। यहां तक कि माताओं-बहनों का मंगलसूत्र तक नहीं बचने देंगे। जिनके पास दो घर हैं, उनका एक घर छीन लिया जाएगा। कांग्रेस भाजपा के इस प्रचार अभियान को लेकर चुनाव आयोग तक पहुंच गई है, लेकिन आरोपों की बौछार रुकने का नाम नहीं ले रही है। प्रधानमंत्री के हमले को को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह के साथ यूपी और एमपी के मुख्यमंत्री और धार देने में जुट गए हैं। इसी क्रम में नया विवाद इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा के बयान से जुड़ गया है, उन्होंने एक साक्षात्कार में अमेरिका जैसे उत्तराधिकार टैक्स की भारत के लिए वकालत की है। उनकी इस टिप्पणी पर भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ और हमलावर रुख अख्तियार किया तो कांग्रेस को कहना पड़ा कि यह बयान पित्रोदा के निजी विचार हैं। पित्रोदा ने भी अपने बयान पर भी सफ़ाई दी है। लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में चुनावी रण में भाजपा की तरफ से हो रहे ताबड़तोड़ हमलों की बौछार का कांग्रेस की तरफ से जवाब आना ही था। पहले प्रियंका गांधी ने पलटवार किया कि उनकी मां सोनिया गांधी ने अपना मंगलसूत्र देश के लिए कुर्बान कर दिया था। अब राहुल गांधी जिनके तेलंगाना में यह कहने से सारा विवाद शुरू हुआ था कि उनकी सरकार आने पर देश में संपत्ति का सर्वे कराया जाएगा, भी यह कहते हुए इस दंगल में कूद पड़े हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश 25 करोड़पति बनाए हैं, कांग्रेस की सरकार आने पर करोड़ों लोग लखपति बनाए जाएंगे।

कांग्रेस की सफाई कितनी उसके काम आई

- कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं के हमले से बचाव की मुद्रा में हैं। पार्टी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उनके घोषणा पत्र जिसे न्याय पत्र दिया गया है, उसमें ऐसा कुछ भी नहीं जैसा कि प्रचारित किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक उनके घोषणा पत्र में आर्थिक न्याय से जुड़े पेज नंबर 28 के बिंदु नंबर 21 में ये जरूर लिखा है कि कांग्रेस नीतियों में उपयुक्त बदलाव करके धन और आय के मामले में बढ़ती असमानता का समाधान करेगी। घोणषा पत्र के पेज नंबर 6 पर कांग्रेस ने हिस्सेदारी न्याय और सामाजिक न्याय के अंतर्गत लिखा है कि आर्थिक सामाजिक जाति गणना कराएगी. आर्थिक सामाजिक स्थिति का पता लगाएगी. फिर कांग्रेस सुधार के लिए कदम उठाएगी। इसी तरह पेज नंबर 7 पर अल्पसंख्यक के तहत लिखा गया है कि तानाशाही या बहुसंख्यकवाद के लिए देश में कोई जगह नहीं है। कांग्रेस भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकार को बनाए रखने और रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

- **आक्रमक प्रचार अभियान क्या जुमलों की बौछार या वोट बैंक साधने का इंतजाम, बड़ा सवाल**

इलेक्शन बायस्कोप

चुनाव के दौरान मतदाताओं को जागरूक करने में स्कूली छात्र भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। कहीं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से तो कहीं नुक्कड़ नाटक से ये युवा नागिरकों को मताधिकार के प्रति प्रेरित करते नजर आते हैं। इसी क्रम में राजेंद्र नगर स्थित नवयुग कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत रंगोली बनाती छात्राएं। अमृत विचार

प्रधानमंत्री के चुनाव कार्यालय की शुरुआत

अमृत विचार, वाराणसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय उद्घाटन के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यहां 'प्रधान सेवक' नरेन्द्र मोदी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करना उनके लिए सम्मान की बात है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा ताकि हम 400 पार करने के लक्ष्य को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा, हमें नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास का संदेश हर घर तक पहुंचाना है। उनके विकसित भारत के वादे का भी प्रचार करना है। शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी की विरासत को संवारने के साथ-साथ विश्वस्तरीय विकास किया है।

तीन भूमिकाओं में योगी का गजब संतुलन

मुख्यमंत्री ही नहीं, भाजपा नेता और गोरक्षपीठाधीश्वर की भी निभा रहे भूमिका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के स्टार प्रचारकों की राष्ट्रीय सूची में शामिल योगी आदित्यनाथ इन दिनों अपनी तीन भूमिकाओं में गजब का संतुलन बनाकर चल रहे हैं। वह एक भाजपा नेता के रूप में देशभर का दौरा कर भाजपा उम्मीदवारों का प्रचार तो कर ही रहे हैं, इस बीच मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर की भी भूमिका निभा रहे हैं।

योगी ने चुनावी कार्यक्रमों के बीच बीते दिनों नवरात्र के अंतिम दिन गोरक्षपीठ की परंपरा निभाने गोरखपुर पहुंचे थे। यहां योगी ने पीठ की परंपरा के अनुरूप हवन कर आराधना की और इसके बाद नौ कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उनके पांव पखारे। उन्हें अपने हाथ से भोजन कराया। इसके बाद दक्षिणा व उपहार देकर उनकी विदाई की।इससे पहले मुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने ईद, रामनवमी, अंबेडकर जयंती और चैत्र नवरात्र को देखते हुए राज्य में सुरक्षा एवं शांति बनाए रखने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को दिए निर्देशों में उन्होंने हिदायत दी थी कि फील्ड में तैनात सभी अधिकारी यह सुनिश्चित कराएं कि धार्मिक कार्यक्रम, पूजा-पाठ व अन्य आयोजन निर्धारित स्थान पर ही हों। किसी भी दशा में सड़क व यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो। सभी पर्व शांति व सौहार्द के साथ संपन्न हों, इसके लिए स्थानीय आवश्यकताओं को लेकर सभी प्रबंध सुनिश्चित कराए जाएं। कही पर भी कोई अप्रिय घटना न हो।बहरहाल, भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में 25 दिन में योगी आदित्यनाथ ने 67 से अधिक रैलियां, रोड शो, प्रबुद्ध सम्मेलन कर जनसंवाद किया है।

- **योगी ने 25 दिनों में 67 से अधिक चुनावी कार्यक्रमों के बीच गोरक्षपीठ से जुड़ी परंपराएं भी निभायीं**
- **अब तक महाराष्ट्र, जम्मू, उत्तराखंड राजस्थान, बिहार व छत्तीसगढ़ में चुनावी प्रचार कर चुके हैं योगी**
- **मुख्यमंत्री के रूप में ईद और चुनाव में सुरक्षा को लेकर भी संभाली कमान**

इस दौरान उत्तर प्रदेश के कई लोकसभा सीट के प्रचार के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भी मंच साझा किया है। इतना ही नहीं वह लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अब तक महाराष्ट्र, जम्मू, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार व छत्तीसगढ़ में भी रैली कर चुके हैं। इनमें से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, महाराष्ट्र के वर्धा, राजस्थान के जोधपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व बाड़मेर सीटों पर 26 अप्रैल को चुनाव होगा।

चुनाव में जीत के लिए युवाओं को साधने में जुटी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए प्रदेश कांग्रेस युवा वोटरों को साधने में जुट गई है। पार्टी की ओर से 25 अप्रैल से विश्वविद्यालयों में छात्र पंचायतों का आयोजन शुरू होगा, जिसमें कांग्रेस अपने घोषणा पत्र 'पंच न्याय' के तहत युवा न्याय को युवाओं-छात्राओं के सामने पेश करेगी। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मध्य जोन की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मध्य जोन के अध्यक्ष अनस रहमान ने की, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव अजय रावत मौजूद रहे। बैठक में युवा पोस्टर का विमोचन भी किया गया। बैठक में लोकसभा चुनाव में प्रदेश के युवाओं को कांग्रेस के पक्ष में करने पर रणनीति तैयार की गई। छात्रों को न्याय दिलाने पर जोर दिया गया। बैठक में प्रमुख एनएसयूआई मध्य जोन के उपाध्यक्ष आकाश अवस्थी, प्रदेश महासचिव अंशुल यादव, राशि साहू, आर्यन मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा प्रभारी लखनऊ विश्वविद्यालय, दिव्यांश शुक्ला, शहर अध्यक्ष लखनऊ प्रिंस प्रकाश, लोरिक यादव आदि शामिल हुए।

भाजपा से साक्षी महाराज व सपा से ऊषा वर्मा समेत 53 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

अमृत विचार, लखनऊ। प्रदेश में चैथे चरण की 13 लोकसभा सीटों के चुनाव के लिए बुधवार को 53 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इसमें भाजपा के साक्षी महाराज व सपा से ऊषा वर्मा समेत अन्य प्रत्याशी शामिल हैं। अब तक 133 नामांकन हो चुके हैं। ददरौल विधानसभा सीट के उप चुनाव के लिए तीन नामांकन हुए।

प्रत्याशी 25 अप्रैल तक नामांकन कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकरी नवदीप रिणवा ने बताया कि शाहजहांपुर में छह, खीरी में एक, धौरहरा में तीन, सीतापुर में चार, हरदोई में छह, मिश्रिख में तीन, उन्नाव में दो, फर्रूखाबाद में छह, इटावा में पांच, कन्नौज में 10, कानपुर में एक, अकबरपुर में एक, बहराइच में पांच प्रत्याशी ने नामांकन किया। शाहजहांपुर (अजा) सीट के लिए सपा से ज्योत्सना गौड़, बसपा से दोद राम वर्मा, धौरहरा सीट के लिए पीस पार्टी से कासिम अली, सीतापुर सीट के लिए कांग्रेस से राकेश कुमार, अपना दल (कमेरावादी) से मोहम्मद काशिफ व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से लेखराज ने नामांकन किया। हरदोई (अजा) सीट के लिए सपा से ऊषा वर्मा, बसपा से भीमराव अम्बेडकर, मिश्रिख (अजा) के लिए बसपा से बीआर अहिरवार व उन्नाव सीट के लिए भाजपा से स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी ने नामांकन पत्र भरा। फर्रूखाबाद सीट के बसपा से क्रांति पांडेय व सपा से नवल किशोर ने नामांकन किया। इटावा (अजा) सीट के लिए बसपा से सारिका सिंह व बहराइच सीट के लिए बसपा से बिरजेश कुमार ने नामांकन पत्र भरा। ददरौल विधानसभा सीट के लिए बसपा से सर्वेश चन्द्र मिश्रा ने नामांकन किया।

दलीय प्रतिष्ठा से जुड़ी है मोहनलालगंज सीट

केंद्रीय मंत्री हैं मौजूदा सांसद कौशल किशोर लगातार तीसरी जीत के लिए लगा रहे जोर

इंडी गठबंधन ने आरके चौधरी तो बसपा ने राजेश उर्फ मनोज प्रधान पर लगाया है दांव

चुनाव डेस्क, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की सियासत में राजधानी लखनऊ से लगी मोहनलालगंज संसदीय सीट सभी दलों के लिए प्रतिष्ठा से जुड़ी सीट मानी जाती है। यहां के सांसद कौशल किशोर केंद्रीय मंत्री हैं यह सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित सीटों में से एक सीट है। यह सीट राजधानी लखनऊ और उन्नाव जिले के बीच पड़ती है, एक समय में इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा हुआ करता था, लेकिन बाद में भारतीय जनता पार्टी ने यहां मजबूत पकड़ बना ली और अभी उसी का कब्जा है। संसदीय क्षेत्र मोहनलाल गंज में लगातार तीसरी बार सत्तापक्ष को विपक्ष टक्कर देता रहा, लेकिन सफलता नहीं मिली इस बार भी बड़े उलटफेर के लिए विपक्ष अपनी ताकत झोके हुए है।

मोहनलालगंज लोकसभा सीट के तहत बख्शी का तालाब, मलीहाबाद, सरोजिनी नगर, मोहनलालगंज और सिधौली 5 विधानसभा सीटें आती हैं, 2022 के विधानसभा चुनाव में सभी पांचों सीटों पर भाजपा ने बाजी मारी है। 2019 के आम चुनाव में मोहनलालगंज लोकसभा सीट पर भाजपा ने एक बार फिर से कौशल किशोर पर ही भरोसा जताया था, यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले बसपा और सपा के बीच चुनावी गठबंधन हो गया और यहां से बसपा ने अपने उम्मीदवार सीएल वर्मा को सांसद कौशल किशोर के सामने उतारा था।

चुनावी मुकाबला कांटेदार रहा था और कौशल किशोर को 6,29,999 वोट मिले जबकि सीएल वर्मा को 5,39,765 वोट मिले, कांग्रेस की ओर से मैदान में उतरे आर के चौधरी को 60,069 वोट ही मिले, कौशल किशोर को 90,234 मतों के अंतर से जीत मिली। इससे पहले 2014 के चुनाव में मोदी लहर के बीच यह सीट भी बीजेपी के खाते में आ गई।

मोहनलालगंज संसदीय सीट पर ज्यादातर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। मोहनलालगंज सीट साल 1962 के लोकसभा चुनाव से पहले अस्तित्व में आई, तब यहां पर हुए चुनाव में कांग्रेस की गंगा देवी सांसद चुनी गईं।

कौशल किशोर | आरके चौधरी | राजेश उर्फ मनोज प्रधान

भाजपा की जुगलबंदी रंग लाई

2014 में नरेंद्र मोदी के चेहरे के जरिए भाजपा जहां माहौल बनाने में जुटी थी, वहीं अमित शाह दूसरे दलों के जमीनी असर रखने वाले चेहरों को अपने पाले करने में लगे थे। इसी कड़ी में भगवा सियासत को कम्युनिस्टी कौशल किशोर भा गए। कम्युनिस्ट पार्टी में सियासत कर चुके कौशल और भाजपा की जुगलबंदी रंग लाई और 18 साल बाद मोहनलालगंज में फिर कमल खिल गया। 2012 में यहां की पांचों विधानसभा सीटें हारने वाली भाजपा ने 2017 में मलिहाबाद, बीकेटी व सरोजनीनगर पर भी कब्जा जमा लिया। वोटों के विभाजन की यह गणित विपक्ष को समझ में आई और 2019 में बंटवारा रोकने के लिए सपा-बसपा एक हो गए। संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर सीएल वर्मा ने कौशल किशोर के सामने ताल ठोंकी लेकिन मोहनलालगंज का मन नहीं बदल सके।

बसपा सरकार में चार बार रहे मंत्री

मोहनलालगंज सीट पर लगातार तीसरी बार चुनाव मैदान में उतर रहे कौशल किशोर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। जनता के बीच 24 घंटे उपलब्धता, मोदी लहर और पिछले दो चुनाव के आंकड़े गिनाते हुए वह दावा कर रहे हैं कि इस बार उन्हें पिछले चुनाव से ज्यादा वोट मिलेंगे और जीत का अंतर भी बड़ा होगा। वहीं इंडी गंठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने मोहनलालगंज सीट से आर के चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। इनका नाम यूपी की राजनीति के बड़े नेताओं में शुमार है। बसपा सरकार में वो चार बार मंत्री रह चुके हैं। बता दें कि फैजाबाद में जन्मे आरके चौधरी ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत बहुजन समाज पार्टी से की थी। वह इसके संस्थापक सदस्य भी थे। इसके साथ ही वो कांशीराम के बेहद करीबी भी रहे हैं। बसपा ने निगोहां निवासी राजेश कुमार उर्फ मनोज प्रधान को लोकसभा चुनाव में उतारा है। राजेश क्षेत्र में काफी दिनों से सक्रिय हैं।

2019 के चुनाव का लेखा जोखा

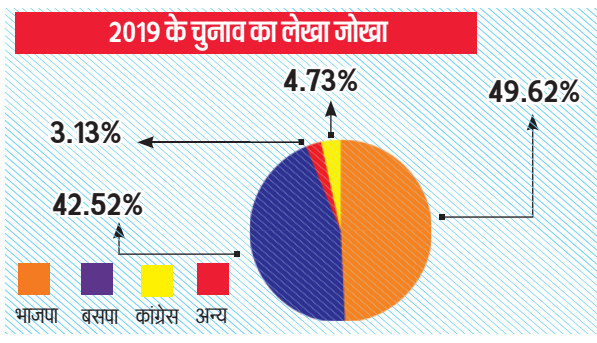

उम्मीदवार	वोट
कौशल किशोर	6,29,999
सीएल वर्मा	5,39,795
आरके चौधरी	60,069

2014 में किसको कितने वोट

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	कौशल किशोर	4,55,274
बसपा	आरके चौधरी	3,09,858
सपा	सुशीला सरोज	2,42,366
कांग्रेस	नरेंद्र गौतम	52,598

निर्वाचित सांसद

वर्ष	सदस्य	दल
1962,67, व 71	गंगा देवी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1977	राम लाल कुरील	जनता पार्टी
1980	कैलाश पति	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1984	जगन्नाथ प्रसाद	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1989	सरजू प्रसाद सरोज	जनता दल
1991	छोटेलाल	भारतीय जनता पार्टी
1996	पूर्णिमा वर्मा	भारतीय जनता पार्टी
1998, 99	रीना चौधरी	समाजवादी पार्टी
2004	जय प्रकाश रावत,	समाजवादी पार्टी
2009	सुशीला सरोज,	समाजवादी पार्टी

2014 नोटा	2019 नोटा
4,708	10,795

2009 चुनाव के आंकड़े

दल	उम्मीदवार	वोट
सपा	सुशीला सरोज	2,56,367
बसपा	जय प्रकाश	1,79,772
आरएसबीपी	आरके चौधरी	1,44,341
भाजपा	रंजन कुमार चौधरी	82,435

2024

कुल मतदाता- 20,023,431

पुरुष - 9,40,429

महिला - 10,82,912

अन्य - 90

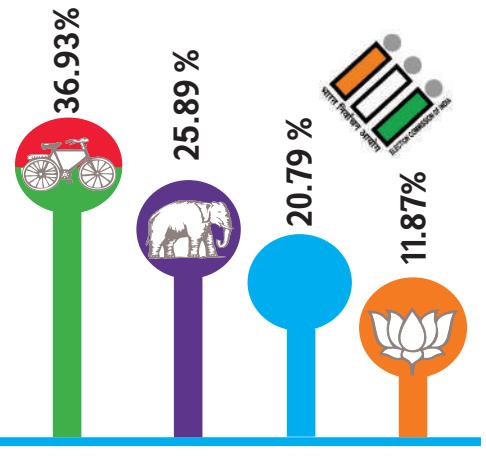

अपनी ढपली अपना राग

भाजपा ने व्यापारियों को 16 लाख करोड़ रुपये वितरित किए हैं। अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई तो उस पैसे को फिर से जनता के बीच बांटेंगे। - राहुल गांधी

चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के साथ हर दिन शाम को आंधी आएगी। जो पश्चिम से हवा चली है, वह भाजपा का सफाया करेगी। - अखिलेश यादव

सपा की नीतियों की वजह से जनता ने उसे नकार दिया है। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से साफ हो चुकी है भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीत रही है। -ब्रजेश पाठक

इस बार कांग्रेस 40 सांसद भी नहीं जीत पाएगी। देश में मोदी लहर चल रही है। भाजपा को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। -केशव प्रसाद मौर्य

इस दौर में इंडी गठबंधन ही एकमात्र विकल्प है जो देश में लोकतंत्र को पुन: स्थापित कर जनहित के कार्य करेगा। -आराधना मिश्रा

अयोध्या-काशी खोले द्वार, तभी होगा चार सौ पार

सियासी फतह के लिए सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का आजमाया जा रहा दांव

काशी-तमिल संगमम के जरिए भाजपा ने मथी दक्षिण की सियासत

चुनाव में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से बढ़त की उम्मीद

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार : इस बार सत्ता संग्राम में दक्षिण राज्यों की भूमिका अहम है। खासतौर से दक्षिण के पांच राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना। भाजपा काशी और अयोध्या के जरिए पिछले लगभग दो साल से इन राज्यों में अपनी पैठ बनाने की जुगत में रही। सियासत को मथने की कोशिश की। सियासत की पृष्ठभूमि में सांस्कृतिक जुड़ाव से लक्ष्य साधने व काशी तमिल संगमम और राम दर्शन यात्रा से इसे परवान चढ़ाने की कोशिश। सियासी गलियारे में अब जुमला सुनने को मिल रहा है कि काशी-अयोध्या खोले द्वार तभी होगा मिशन चार सौ पार।

दक्षिण के इन राज्यों पर भाजपा की निगाह पिछले एक दशक से है। साल 2014 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव में जब उत्तर और पूर्व के राज्यों में भाजपा की आंधी चल रही थी। तब भी दक्षिण के कर्नाटक को छोड़ अन्य राज्यों में हवा भी नहीं दिखी। भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव के लिए मिशन-400 पार रखा है, लेकिन यह बगैर दक्षिण के राज्यों की सीटे मिलने से सफल होने में संदेह है। उत्तर की कमी को भी दक्षिण से पूरा करने का लक्ष्य है। भाजपा ने मंथन किया। दक्षिण को फतह करने के लिए चरण बद्ध रणनीति बनाई। देश के सबसे दक्षिण के राज्य तमिलनाडु से घुसने की कोशिश की। जहां से भगवान राम ने लंका पर चढ़ाई की थी। काशी तमिल संगमम कार्यक्रम के जरिए दक्षिण के राज्यों को उत्तर से नए सिरे से सांस्कृतिक रूप से जोड़ने की कोशिश साल 2022 मे शुरू की। 16 नवंबर से 16 दिसंबर तक तमिलनाडु से काशी के बीच यात्राएं, सेमीनार, गोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वयं पीएम मोदी ने इसकी कमान संभाली। तमिलनाडु से अभियान के पीछे भी रणनीति थी। हालांकि तमिलनाडु में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता नहीं खुला था। बावजूद इसके काशी और तमिलनाडु को जोड़ना आसान था। काशी के आराध्य भगवान शिव ने ऋषि अगस्त्य की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उनको एक गूढ़भाषा तमिल की शिक्षा दी थी। ऋषि अगस्त्य ने इसे व्याकरण बद्ध करके एक भाषा का रूप दिया था। यह इसकी पृष्ठभूमि में था। इसे प्रचारित किया गया। दूसरा भगवान श्री राम ने तमिलनाडु के रामनाथपुरम (रामेश्वरम) से लंका विजय का अभियान शुरू किया था। तीसरा दक्षिण के इन पांच राज्यों में से तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 39 सीटें हैं। तमिलनाडु से आने वाले विद्वानों, कलाकारों सहित अन्य विशेषज्ञों को काशी के साथ अयोध्या का भ्रमण कराकर सांस्कृतिक मजबूती के बहाने पैठ बनाई। इस सांस्कृतिक जुड़ाव की पृष्ठभूमि में सियासत थी। उसे परवान चढ़ाने की कोशिश की गई। यह क्रम साल 2023 में भी चला। दोबारा कार्यक्रम 17 से 30 दिसंबर तक चलाया गया। इसके समाप्त होते होते अयोध्या का राम मंदिर शीर्ष पर आ गया। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के जरिए देश को राम मय बनाने की कोशिश की। प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व पीएम मोदी ने अनुष्ठान शुरू किया। दक्षिण के राज्यों में श्री राम से जुड़े तीर्थस्थलों की यात्राएं की। प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी आते-आते उत्तर से दक्षिण तक को एक करने की प्रयास हुआ। प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम दर्शन यात्रा शुरू की गई। ट्रेनों से यहां के लोगों को दर्शन कराया गया। इसमें भी ज्यादा फोकस पूर्व और दक्षिण के अन्य राज्यों पर रहा। अब सांस्कृतिक जागरण के जरिए सियासत को साधने के परिणाम का समय नजदीक है।

2019 के चुनाव में दक्षिण के राज्यों में भाजपा की स्थिति

राज्य	कुल सीटें	मिली सीटें
कर्नाटक	28	25
आंध्र प्रदेश	25	00
केरल	20	00
तेलंगाना	17	04
तमिलनाडु	39	00
कुल योग	129	29

जीत के लिए बदली रणनीति

उत्तर से दक्षिण की ओर रुख करने की जद्दोजहद में भाजपा ने कई सियासी कदम भी उठाए हैं। रिपोर्ट कहती हैं कि साल 2021 के विधानसभा चुनाव में एआईडीएमके के साथ गठबंधन करके चार सीटे जीतने वाली भाजपा ने अन्नामलाई को प्रदेश पार्टी का अध्यक्ष बनाया। पद यात्रा निकाली। पार्टी को कैडर बेस बनाने की कोशिश की। स्टालिन के खिलाफ मुखर आंदोलन शुरू किया। अंबुमणि राम दास की पीएमके, विजयकांत की पीएमडीके, ओ पन्नीरसेलवम की एआईएडीएमके (के गुट) जैसे कई छोटे दलों के साथ गठबंधन करके चुनाव मैदान में है। ट्रिपल सी, कल्चर, नेशनलिज्म, करप्शन और क्रेडिबिल्टी के मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान फतह की रणनीति पर है।

इस लोकसभा चुनाव में अयोध्या और काशी को लेकर की गई कसरत का परिणाम पर निगाह है। इस चुनाव में भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और राम मंदिर मुद्दे की परीक्षा भी दक्षिण के राज्यों में होगी। मुद्दे की धार तेज हुई तो भाजपा का मिशन कामयाब होगा। अन्यथा यह भी एक सियासी जुमला बनकर रह जाएगा।

चुनावी चक्कर

जीजा जी की नजर सीट पर आपका क्या होगा साले साहब?:

भाजपा से अमेठी की उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर एक प्रतिक्रिया में कहा कि, जीजाजी (रॉबर्ट वाड्रा) की नज़र लोकसभा सीट पर है साले साहब (राहुल गांधी) क्या करेंगे? परिवार में ही टसन चल रही है। आगे उन्होंने कहा कि एक समय था जब बसों में यात्रा करने वाले लोग अपनी सीट पर रूमाल रखकर निशान बना लेते थे, ताकि कोई उस पर न बैठे। वहीं, राहुल गांधी भी रूमाल से अपनी सीट चिह्नित करने आएंगे, क्योंकि उनके बहनोई की नजर इस सीट पर है। स्मृति ने यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा के अमेठी से चुनाव लड़ने की चर्चाओं का संज्ञान लेते हुए दी। दरअसल, स्मृति ईरानी कभी 'सास भी कभी बहू थी' नामक टीवी धारावाहिक में प्रमुख किरदार निभा चुकी है। पारिवारिक रिश्तों पर आधारित इस सीरियल को कर चुकीं स्मृति को संभवत: पुराने किरदार याद आ ही जाते हैं। ठीक वैसे ही जैसे मथुरा प्रत्याशी हेमा मालिनी पिछले दिनों मीडिया को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अपनी शोले फिल्म के किरदारों का जिक्र किया था। हेमा ने विपक्ष की तुलना गब्बर सिंह और मोदी-शाह की तुलना जय-वीरू की जोड़ी से की थी।

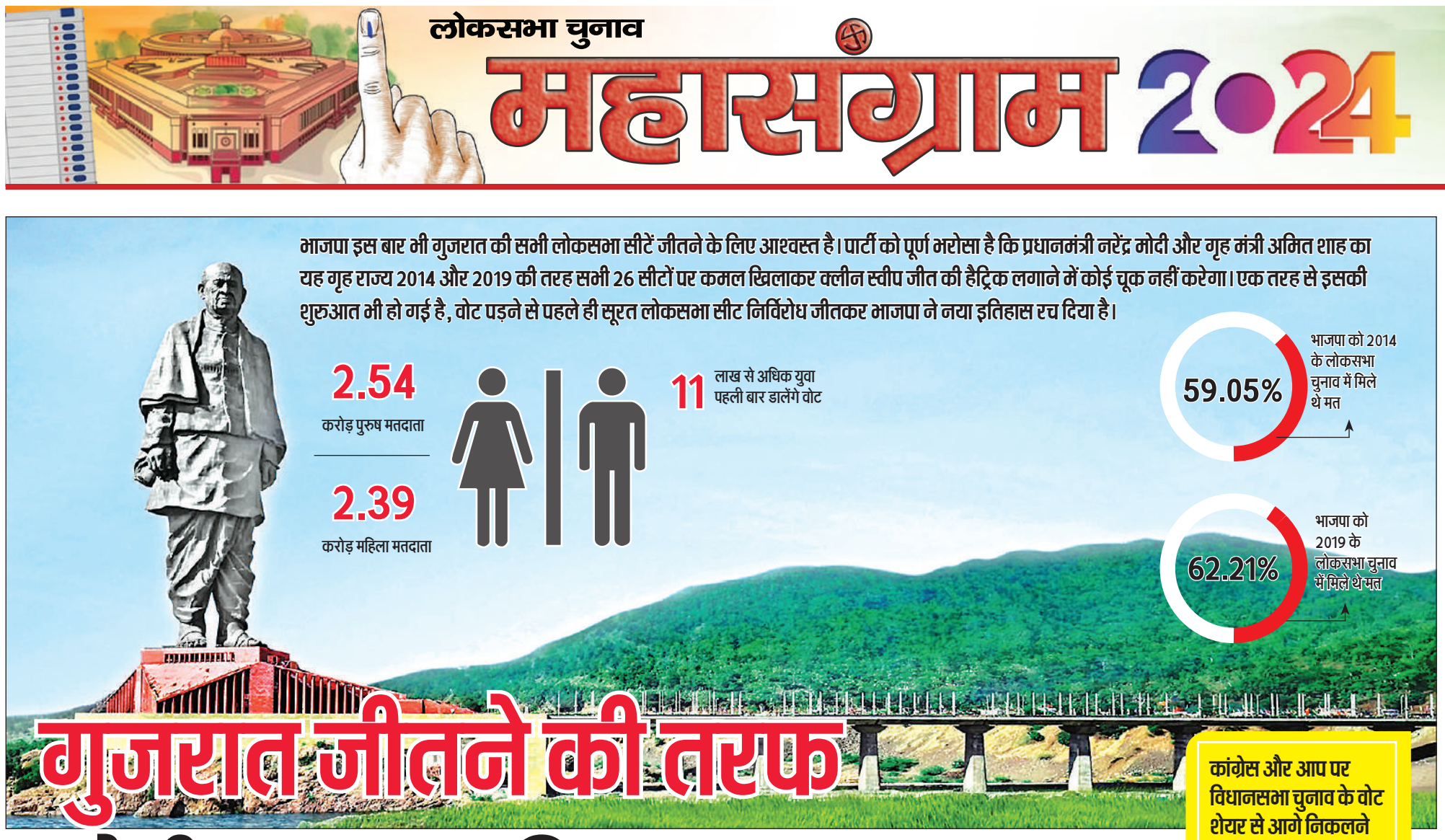

मोदी-शाह का विजय रथ

- सूरत लोकसभा सीट निर्विरोध जीतकर वोट पड़ने से पहले पार्टी खोल चुकी है क्लीन स्वीप हैट्रिक का खाता

दिग्विजय सिंह

अमृत विचार: गुजरात में भाजपा की पंरपरागत प्रतिद्वंदी कांग्रेस ही है। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में असर जरूर छोड़ा था, लेकिन लोकसभा चुनाव में उसकी उपस्थिति चुनौती देने वाली नहीं है। कांग्रेस की मुश्किल यह है कि लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले ही उसके तमाम नेता पार्टी छोड़ गए हैं। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान एक ही चरण में सात मई को होगा। कांग्रेस ने भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन किया है। राज्य में कांग्रेस 24 और आप दो सीटों भरूच और भावनगर में चुनाव लड़ रही है। गुजरात में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 26 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में कोई भी सीट नहीं आई थी। राज्य में भाजपा का जन समर्थन लगातार चुनाव दर चुनाव बढ़ रहा है, इसके मुकाबले कांग्रेस पूरा जोर लगाने के बाद भी बमुश्किल अपना जनाधार बचाने में ही कामयाब हो पा रही है।

भाजपा का वोट लगातार बढ़ता रहा

- भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 59 .05 फीसदी वोट प्राप्त किए थे, जबकि 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 62 .21 फीसदी पर पहुंच गया। इसके मुकाबले कांग्रेस का वोट प्रतिशत स्थिर ही रहा। 2014 में पार्टी को 32 .86 प्रतिशत वोट मिले थे। 2019 में भी कांग्रेस 32 .11 फीसदी ही वोट प्राप्त कर सकी थी। इस आंकड़े से साफ है कि 2014 में भाजपा जहां कांग्रेस से वोट शेयर में करीब 27 फीसदी आगे थी, वहीं 2019 में उसकी बढ़त 30 फीसदी से ज्यादा थी। अब ऐसे में सवाल है कि कांग्रेस के वोट घटे बिना, भाजपा के वोट बढ़े कैसे। इसका जवाब अन्य को मिलने वाले वोटों से मिलता है।
- अन्य को 2014 में मिले 8% से कुछ अधिक वोट मुकाबले 2019 में महज 6% वोट ही मिल सका। यही दो फीसदी से ज्यादा वोट भाजपा के खाते में चला गया। हालांकि वोटों के इस खेल यह भी तथ्य है कि राज्य में जब भी कांग्रेस का वोट शेयर 40 फीसदी से ऊपर गया है, उसके हाथ कुछ सीटें जरूर लगी हैं। 2009, 2004 और 1999 के चुनावी आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। 2009 में कांग्रेस को 11 सीटें मिली थीं और उसे 43 .38 फीसदी वोट हासिल हुए थे जबकि भाजपा को कांग्रेस से करीब तीन फीसदी ज्यादा वोटों के साथ 15 सीटें मिली थीं। 2004 में भी कमोबेश यही स्थिति थी, भाजपा को तब 45 .02 फीसदी वोट के साथ 14 सीटें मिली थीं और कांग्रेस के हाथ में 43 .86 फीसदी वोट के साथ 12 सीटें आई थीं।

32.86 फीसद मत कांग्रेस को 2014 में मिले थे

32.11 फीसद मत कांग्रेस को 2019 मिले थे

राजकोट भाजपा का मजबूत गढ़, क्षत्रिय विवाद के बाद सेंध लगाने की कोशिश में कांग्रेस

- क्षत्रिय समाज में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला के बयान को लेकर उपजे विरोध और आंदोलन के बाद राजकोट की सीट पर दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने रूपाला की उम्मीदवारी को जहां वापस नहीं लिया है, वहीं कांग्रेस ने बड़ा दांव खेलते हुए परेश धानाणी को राजकोट में उतार दिया है। अब यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी अमरेली के ही रहने वाले हैं। कांग्रेस प्रत्याशी धानाणी गुजरात में नेता विपक्ष रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2002 के विधानसभा चुनावों में रूपाला को शिकस्त दी थी। ऐसे में धानाणी के मैदान में उतरने के बाद सभी की नजरें इस बात पर लगी हैं कि क्या धानाणी 2002 वाला परिणाम दोहराने में सफल हो पाएंगे या फिर रूपाला 22 साल पुरानी हार का बदला उनसे राजकोट के रण में लेंगे। तीन बार के राज्यसभा सदस्य रुपाला पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस और आप पर विधानसभा चुनाव के वोट शेयर से आगे निकलने का दबाव

- भाजपा अपने मजबूत गढ़ गुजरात में जमीनी स्तर पर लगातार अपनी पैठ मजबूत करने पर काम करती रहती है, इसके लिए पार्टी चुनाव का इंतजार नहीं करती है। इसी के चलते कांग्रेस उसका मुकाबला करने की ताकत खोती जा रही है। यही कारण है कि कांग्रेस ने इस बार आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन कर उसे दो सीटें दी हैं। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब आप अकेले मैदान में उतरी थी तो उसे 1 .17 फीसदी वोट ही मिले ही थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में आप को करीब 13 फीसदी वोट मिले थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 52 .50 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके मुकाबले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों का वोट शेयर 40 .2 प्रतिशत ही था। कांग्रेस और आप नेताओं का कहना है कि उनका गठबंधन लोकसभा चुनाव में इसी आधार पर 40 से 45 फीसदी मत प्राप्त करने की तैयारी कर रहा है। ऐसा होने पर आधी लोकसभा सीटों पर भाजपा को हाथ मलना पड़ सकता है। भाजपा ने भी ताकत लगा दिया है। प्रधानमंत्री कई रैली कर चुके हैं।

14 सांसदों के टिकट काटने के बाद भाजपा के प्रति कहीं कोई नाराजगी नहीं

- भाजपा ने इस बार गुजरात में अपने 14 मौजूदा सांसदों के टिकट काटे थे। उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मिलाकर सिर्फ 12 सांसद ही दोबारा मैदान में हैं। पार्टी ने इस बार सिर्फ चार महिलाओं को ही टिकट दिया है। 2019 में गुजरात से छह महिलाएं लोकसभा पहुंची थीं। भाजपा के लिए राहत की बात यह है कि आधे से ज्यादा सांसदों के टिकट काटने के बाद भी पार्टी के प्रति कहीं कोई नाराजगी नहीं है। मतदाताओं का मोदी और शाह पर भरोसा अटूट है तो भाजपा गुजरात गौरव का प्रतीक है।
- इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ मिली दो सीटों पर भरूच और भावनगर में आम आदमी पार्टी ने अपने मौजूदा विधायकों क्रमश : चैतर वसावा और उमेश मकवाणा को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस और आप दोनों की कोशिश उन मतदाताओं तक पहुंचने की है, जो भाजपा का विकल्प तलाश रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस आप गठबंधन आदिवासी वोटों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। राज्य के आदिवासी बहुल इलाके परंपरागत रूप से कांग्रेस के समर्थन में रहे हैं। लेकिन कांग्रेस की सबसे बड़ी परेशानी चुनाव से पहले राज्य के नेताओं का भाजपा में शामिल होना है। इससे पार्टी की छवि पर गलत संदेश गया है, जिसकी भरपाई करना मुश्किल हो गया है। दरअसल, गुजरात में कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढ़वाडिया, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अंबरीश डेर ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टी का साथ छोड़ दिया था, तो उससे पहले चार विधायक भी पार्टी से नाता तोड़ चुके थे। हाल ही में पार्टी प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया है। इसके अलावा जिला और पंचायत स्तर पर भी सैकड़ों पदाधिकारी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सबसे ताजा मामला सूरत के कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभाणी का है, जिसका पर्चा रद होने से इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल के निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता खुला। अब खबर है कि नीलेश कुंभाणी भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं।

1996 में अटल बिहारी वाजपेयी भी गांधी नगर से चुने गए थे सांसद

गांधी नगर में अमित शाह के लिए कांग्रेस की सोनल पटेल चुनौती नहीं

- 2019 के लोकसभा चुनाव में हाई प्रोफाइल गांधी नगर सीट से गृह मंत्री अमित शाह को 8 लाख 94 हजार 624 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. सीजे चावड़ा तीन लाख 37 हजार 610 मत ही प्राप्त कर सके थे। इस तरह अमित शाह ने साढ़े पांच लाख से ज्यादा मतों से जीत हासिल की थी। 2014 में गांधी नगर सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को 7,73,539 वोट (68 .04%) और कांग्रेस प्रत्याशी ईश्वरभाई पटेल को 2,90,418 (25 .55%) वोट मिले थे। तब आडवाणी ने 4 लाख 80 से ज्यादा मतों से जीत हासिल की थी। आडवाणी ने आधा दर्जन बार गांधी नगर सीट का संसद में प्रतिनिधित्व किया था। एक बार 1996 में यहां से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने भी जीत हासिल की थी। गांधी नगर में इस बार अमित शाह का मुकाबला कांग्रेस की सोनल पटेल से हो रहा है। सोनल गुजरात महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रह चुकी हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि वह अमित शाह के लिए बड़ी चुनौती नहीं पेश कर पाएंगी।

सपा ने गैर यादव ओबीसी समुदाय को साधने के लिए बिछाई बिसात

58 उम्मीदवारों में 15 गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय से

चुनाव डेस्क, कानपुर

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ प्रदेश में 62 सीटों पर प्रत्याशी उतारने में फोकस तो पीडीए पर रखा है, लेकिन पुराने मुस्लिम और यादव की छाप वाले दाग को धोने की कोशिश की भी है। पार्टी ने जहां कई मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर ध्रुवीकरण की आशंका से बचन के लिए मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारे हैं, वहीं बड़ी सावधानी के साथ भाजपा के पिछड़ा वर्ग वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए गैर यादव ओबीसी समुदाय को साधने के लिए बिसात भी बिछाई है। प्रदेश में सपा ने 17 सीटें कांग्रेस तो एक टीएमसी के लिए छोड़ी है।

प्रदेश में सपा ने अब तक जिन 58 उम्मीदवारों की घोषणा की है। उनमें से 15 गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों से हैं। हालांकि इनमें से अधिकतर कभी न कभी बसपा के दिग्गज नेताओं में गिने जाते थे। इनमें सबसे बड़ा चेहरा बाबू सिंह कुशवाहा का है। सपा ने इन्हें जौनपुर लोकसभा सीट से उतारा है। बाबू सिंह कुशवाहा प्रदेश में मायावती की सरकार में दिग्गज कैबिनेट मंत्री थे। ओबीसी समुदाय से आने वाले कुशवाहा बसपा से निकाले जाने पर भाजपा में शामिल हो गए लेकिन उन्हें वहां भी पार्टी से निकाल दिया गया। 2016 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी बनाई थी। अब वह सपा के साथ गठबंधन में साइकिल चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस कड़ी में दूसरा बड़ा नाम लाल जी वर्मा का है, जिन्हें सपा ने अंबेडकर नगर से टिकट दिया है। वह भी बसपा के बड़े नेताओं में गिने जाते थे लेकिन 2021 में पार्टी से निष्कासित कर दिए गए थे। कुर्मी ओबीसी समुदाय से आने वाले लालजी वर्मा इसके बाद सपा में शामिल हो गए थे। 2022 में वह कटेहरी विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर चुनाव जीते थे। इसी तरह आरके चौधरी सपा के टिकट पर मोहनलालगंज से चुनाव मैदान में हैं। वह बसपा के संस्थापकों में रहे हैं और कांशीराम के विश्वासपात्र थे। 1993 से 1995 तक वह मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सपा-बसपा सरकार में मंत्री थे। पासी समुदाय से आने वाले चौधरी ने 2001 में बसपा छोड़कर राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी बनाई थी। 2014 का लोकसभा चुनाव बसपा के टिकट पर मोहनलालगंज से लड़ा लेकिन भाजपा के कौशल किशोर से हार गए थे। इसके बाद आरके चौधरी सपा में शामिल हो गए थे।

कुर्मी समुदाय से आने वाले राम शिरोमणि वर्मा को सपा ने श्रावस्ती से टिकट दिया है। वह यहां से मौजूदा सांसद हैं और हाल ही में सपा में शामिल हुए हैं। 2019 में सपा-बसपा गठबंधन में राम शिरोमणि वर्मा ने बसपा उम्मीदवार के रूप में यह सीट जीती थी। बसपा के ही नेता राजा राम पाल अकबरपुर से चुनाव मैदान में हैं। राजाराम 2004 में बसपा सांसद चुने गए।बाद में कांग्रेस में शामिल हुए। पाल (ओबीसी) समुदाय से आने वाले राजा राम ने 2009 का लोकसभा चुनाव अकबरपुर से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में जीता था। लेकिन 2014 और 2019 में हारने के बाद सपा में शामिल हो गए थे। कप्तानगंज से पांच बार के विधायक राम प्रसाद चौधरी बस्ती से चुनाव मैदान में हैं। वह कुर्मी समुदाय से हैं और 2019 का लोकसभा चुनाव बसपा के टिकट पर हार गए थे। कुर्मी समाज के ही राम शिरोमणि वर्मा को सपा ने श्रावस्ती से टिकट दिया है। वह भी मौजूदा सांसद हैं और हाल ही में सपा में शामिल हुए हैं। 2019 में सपा-बसपा गठबंधन में राम शिरोमणि वर्मा बसपा के टिकट पर जीते थे। नीरज मौर्य सपा के टिकट पर नीरज आंवला लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। वह जलालाबाद से दो बार के विधायक रह चुके हैं। भाजपा में होते हुए सपा में आए हैं। शंकर राजभर सपा से सलेमपुर में चुनाव लड़ रहे हैं। 2009 में बसपा से सांसद चुने गए थे।

जीतेंगे बाजी कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केरल के वायनाड संसदीय सीट पर रोड शो किया और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं अपने भाई राहुल गांधी के लिए वोट मांगा।

बैतूल में मोदी और मंदिर के भरोसे भाजपा प्रत्याशी

भोपाल। मध्य प्रदेश की अदिवासी बाहुल्य बैतूल लोकसभा सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना था, लेकिन बसपा प्रत्याशी अशोक भलावी के निधन के चलते दोबारा पर्चे भरे गए। अब मतदान तीसरे चरण में 7 मई को होगा। बसपा से अब इस सीट पर अर्जुन अशोक भलावी चुनाव लड़ रहे हैं।

बैतूल सीट पर कांग्रेस ने अपने जनजातीय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राम टेकाम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा ने मौजूदा सांसद दुर्गादास उइके को दोबारा मैदान में उतारा है। यहां मुकाबला इन्हीं दोनों के बीच है। बैतूल लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ गिनी जाती है। यहां 1996 से भाजपा कमल खिला रही है। कांग्रेस आखिरी बार 1991 में चुनाव जीती थी। तब कांग्रेस के असलम शेर खान ने भाजपा के आरिफ बेग को 23 हजार वोटों से चुनाव हराया था। इसके बाद से बैतूल में कांग्रेस लगातार हार रही है। बैतूल में आदिवासी समुदाय के बाद सर्वाधिक मतदाता ब्राह्मण समाज के हैं। इसके बाद गूर्जर और राजपूत मतदाता हैं।

मुरैना-श्योरपुर संसदीय सीट चुनाव दर चुनाव गाढ़ा होता गया भाजपा का भगवा रंग

मुरैना के रण में त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी भाजपा

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। मध्य प्रदेश की मुरैना-श्योपुर संसदीय सीट पर भारतीय जनता पार्टी का वह अभेद्य किला है जिसे ढहाने की कोशिश कांग्रेस ने तो खूब की लेकिन ढहा नहीं सके। स्थिति यह है कि 1996 से लगातार भाजपा का उम्मीदवार यहां जीत रहा है। चुनाव दर चुनाव भगवा रंग गाढ़ा हो रहा है यह कहना गलत नहीं होगा। इस बार भी कांग्रेस और बसपा ने उम्मीदवार उतारे हैं। मुख्य मुकाबले में हर बार कांग्रेस ही रही। इस बार बसपा यहां लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटी है। उसे कितनी कामयाबी मिलेगी यह वक्त ही बताएगा।

इस बार के चुनाव में भाजपा ने शिव मंगल सिंह तोमर को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने सत्यपाल सिंह सिकरवार को मैदान में उतारा है।

जबकि बसपा ने रमेश चंद्र गर्ग पर दांव लगाया है। 2009 और 2019 में इस सीट से जीते नरेंद्र सिंह तोमर इस बार चुनावी समर में नहीं हैं। तोमर को पार्टी ने विधानसभा का चुनाव लड़ाया था और वे जीते भी। मध्य प्रदेश विधानसभा का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने इस बार शिव मंगल सिंह तोमर को टिकट देकर उनकी ही पसंद को तरजीह दी है। शिवमंगल सिंह दिमनी से भाजपा के विधायक रह चुके हैं तो उनका मुकाबला कभी उन्हीं की पार्टी से विधायक रहे सत्यपाल सिंह सिकरवार से है। भाजपा ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके बाद वे कांग्रेस में चले गए थे। जातीय समीकरण पर नजर डालें तो यहां जाट, गुर्जर, ब्राह्मण, राजपूत, और यादव मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। राजपूत, गुर्जर और ब्राह्मण निर्णायक भूमिका में होते हैं।

कांग्रेस के बागी हैं बसपा उम्मीदवार: बसपा से चुनावी समर में उतरे रमेश चंद्र गर्ग कांग्रेस से बगावत कर बसपा में आए हैं। पार्टी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया है। वह भाजपा में भी रह चुके हैं। उनका ऑयल का बड़ा कारोबार है।

लगातार चार बार जीते भाजपा के अशोक अर्गल: भाजपा इस सीट पर 1996 से लगातार जीत रही है। पार्टी नेता अशोक अर्गल 1996, 1998, 1999 और 2004 में जीते। 2009 में वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सांसद बने। 2014 में पार्टी ने अनूप मिश्रा को मैदान में उतारा तो वे भी जीते। 2019 में पुनः नरेंद्र सिंह तोमर समर में आए और उन्हें जीत मिली। अब देखना यह है कि शिव मंगल सिंह इस जीत को बरकरार रख पाते हैं या नहीं।

आठ में से पांच विस सीटों पर कांग्रेस काबिज

- संसदीय क्षेत्र में 8 विधानसभा सीटें आती हैं। आठ में से पांच पर कांग्रेस तो तीन पर भाजपा का कब्जा है। विधानसभा सीटों पर कांग्रेस की जीत पर गौर करें तो इस बार के चुनाव में उसका पड़ला भरी है। लेकिन लोकसभा चुनावों के अब तक के परिणाम पर नजर डालें तो भाजपा के साथ मतदाता यह मजबूती से खड़े रहे हैं। भाजपा नेता यह मानते हैं कि विधानसभा में मतदाता भले ही उनके साथ नहीं थे लेकिन लोकसभा में वे उनके ही उम्मीदवार को जीत दिलाएंगे।

एक बार ही विधानसभा पहुंचे तोमर

- भाजपा उम्मीदवार शिवमंगल सिंह तोमर ने अब तक तीन बार विधानसभा का चुनाव लड़ा पर जीत उन्हें एक ही बार मिली। 2008 में पहली बार वे बसपा के रविंद्र सिंह तोमर से मात्र 256 वोट से जीते थे। 2013 के चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2018 में भी वे मैदान में उतरे पर कांग्रेस के गिर्राज डण्डोतिया से हार गए थे। बावजूद इसके पार्टी ने उन पर लोकसभा चुनाव में भरोसा जताया है।

मैंथा बाजार भाव

चन्दौसी : शिवालिक- 995 फ्लैग-1105 बोल्ड- 1145 डीएमओ- 865
रामपुर : शिवालिक-990 फ्लैग-1105 डीएमओ-885 बोल्ड-1165

लखनऊ मंडी

गेहूँ (आरआर 21) 2360-2800, गेहूँ (के 65)3500-3800, बाजरा 2200-2300, मक्का 2700-2800, जौ 2900-3000, चावल सेल्हा 2800-3100, चावल बासमती 7000-8000,चावल मोटा 2800-3000 चावल मन्सूरी 3200-3500, चावल शक्कर चीनी 4800-5200, चावल गोल्डन सेल्हा 5600-8600, चावल राजरानी 7000-7500, चना देशी 6800-7000, चना फार्मी 7200-7500, चना काबली 14500-17000, मटर हरा 6000-6200, मटर सफेद 6100-6500, दाल चना 8000-8400, दाल मटर 6400-6500, उड़द हरा 12000-12500, उड़द काला 9000-9500, दाल उड़द हरी 15500-16000, दाल उड़द काली 10500-11000, दाल उड़द धोवा 12000-12500, मूँग खड़ा 10000-10500, मूँग दाल 10500-11000, मूँग धोवा 12000-13000, मसूर 8800-9000, मलका 9000-9500, दाल अरहर फूल 16000-17000

2जी फैसला बदलने की कोशिश नहीं, रक्षा व उपग्रह क्षेत्र के लिए नीलामी के बगैर आवंटन

सुप्रीम कोर्ट ने दूरसंचार स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी को माध्यम बनाने का दिया था निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार दूरसंचार स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए नीलामी को अहमियत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले में बदलाव की कोशिश नहीं कर रही है। शीर्ष सूत्र ने बुधवार को यह बात कही। उच्चतम न्यायालय ने 2012 के अपने फैसले में दूरसंचार स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी को ही माध्यम बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि उपग्रह संचार और रक्षा जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को इसके दायरे में नहीं रखा था।

सरकार ने पिछले साल 15 दिसंबर को शीर्ष अदालत में अर्जी दायर कर विशिष्ट क्षेत्रों को स्पेक्ट्रम आवंटन के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की गुहार लगाई थी। इसमें उपग्रह संचार, रक्षा बलों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, मेट्रो या रेलवे संचालन के लिए नीलामी के बगैर स्पेक्ट्रम आवंटित करने को लेकर स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया गया था। याचिका दिसंबर के अंत में संसद में दूरसंचार विधेयक को पारित करने से पहले दायर हुई थी।

- सरकार ने पिछले साल अर्जी दायर कर स्पेक्ट्रम आवंटन में स्थिति स्पष्ट करने की लगाई थी गुहार
- स्टारलिंक, वनवेब व प्रोजेक्ट कुइपर जैसे अंतरिक्ष दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को मिल सकती है राहत

यह सोमवार को सुनवाई के लिए रखी गई। नए विधेयक में 19 छूटें दी हैं। सूत्र ने याचिका पर उपजे विवाद को 'बेमतलब' बताते हुए कहा कि सरकार से 2जी फैसले को बदलने जैस सवाल किए जा रहे हैं। तथ्य यह है कि कई मुकदमों को देखते हुए पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह आवेदन दायर किया गया था। प्रशासनिक आवंटन मार्ग से एलन मस्क की स्टारलिंक, भारती एयरटेल के वनवेब और अमेजन की प्रोजेक्ट कुइपर जैसे अंतरिक्ष दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को राहत मिल सकती है क्योंकि उन्हें नीलामी प्रक्रिया से गुजरे बिना स्पेक्ट्रम मिलने का रास्ता साफ होगा। दूरसंचार के लिए स्पेक्ट्रम की अगली नीलामी इस साल जून में होने वाली है। इस पर सभी पक्षों से परामर्श हुआ लेकिन न्यायालय से परामर्श करने का कोई तरीका नहीं है। लिहाजा न्यायालय को सूचित करने तथा उसकी राय जानने को आवेदन दायर किया गया था।

माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के एआई सौदों की जांच करेगा ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन का प्रतिस्पर्द्धा नियामक माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के हाल ही में किए कृत्रिम मेधा (एआई) सौदों की समीक्षा करेगा। इन सौदों से एआई उद्योग में प्रतिस्पर्धा प्रभावित होने की आशंका है। ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा एवं बाजार प्राधिकरण ने कहा कि वह माइक्रोसॉफ्ट की मिस्ट्रल एआई के साथ साझेदारी और एक अन्य स्टार्टअप इन्फ्लेक्शन एआई से प्रमुख कर्मचारियों को नियुक्त करने पर गौर कर रहा है। प्रतिस्पर्द्धा नियामक ने सैन फ्रांसिस्को स्थित एंथ्रोपिक में अमेजन के चार अरब डॉलर के निवेश की जांच करने की भी घोषणा की। सार्वजनिक तथा व्यावसायिक रुचि के बीच बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां जेनरेटिव एआई स्टार्टअप में पैसा लगा रही हैं। ये निवेश व्यापार विरोधी गतिविधियों की जांच करने वालों का ध्यान भी अपनी ओर खींच रहे हैं।

सेंसेक्स फिर पहुंचा 74,000

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच धातु और जिंस शेयरों में खरीदारी से बुधवार को शेयर बाजार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और दोनों सूचकांक सेंसेक्स एवं निफ्टी चढ़कर बंद हुए। दूरसंचार, आईटी और प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली से इस तेजी पर लगाम लग गई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 114.49 अंक यानी 0.16 प्रतिशत चढ़कर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 383.16 अंक उछलकर 74,121.61 अंक पर भी पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 34.40 अंक यानी 0.15 प्रतिशत बढ़कर 22,402.40 अंक पर पहुंच गया। कारोबारी सत्र के अंतिम दौर में सूचकांकों पर कुछ बिकवाली से शुरुआती बढ़त कम हो गई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आईटी और कुछ अन्य दिग्गज कंपनियों के अपेक्षाकृत कमजोर नतीजों से भारतीय बाजार में थोड़ी निराशा है। इसके बावजूद विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन से मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में कुछ तेजी दिख रही है। अप्रैल में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र आर्थिक गतिविधियों को गति देते हुए नजर आ रहे हैं।

- भारत का दुनिया में मात्रा के हिसाब से तीसरा और मूल्य के हिसाब से 13वां सबसे बड़ा उद्योग

आईटी क्षेत्र में लगातार दूसरे साल राजस्व वृद्धि में कमी

मुंबई। आईटी सेवा क्षेत्र में दूसरे साल राजस्व वृद्धि में नरमी देखी जा रही है। एक घरेलू रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका में प्रौद्योगिकी मद में खर्च में मामूली वृद्धि हुई है, जिसके कारण घरेलू आईटी सेवा कंपनियों का राजस्व में वृद्धि में नरमी है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में यह क्षेत्र 5-7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस उद्योग का कुल आकार 250 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है और यह 50 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। क्रिसिल के निदेशक आदित्य झावर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भी प्रौद्योगिकी खर्च में नरमी जारी रहेगी, जिससे आईटी सेवा प्रदाताओं की राजस्व वृद्धि पर असर पड़ेगा।

सर्राफा

कानपुर	
चांदी 999 (प्रति किलो)	83200
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74000
सोना गिन्नी (प्रति नग)	55150-55350
लखनऊ	
सोना स्टैंडर्ड	74,500
सोना रवा	74,350
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	82,600
चांदी (999)	82,500
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000
बरेली	
गोल्ड (पक्के जेवर)	74000
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	73000
सिल्वर (पक्की)	817 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	73,700
चांदी आभूषण	82,100

एलआईसी ने उसके ब्रांड और प्रतीक वाले भ्रामक विज्ञापनों पर किया आगाह

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीर, कंपनी के ब्रांड तथा प्रतीक का दुरुपयोग करके सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन देने में शामिल लोगों/संस्थाओं को बुधवार को आगाह किया। एलआईसी ने 'एक्स' पर अपने पॉलिसीधारकों और जनता से सावधानी और ऐसी हर चीज की प्रामाणिकता की जांच करने को कहा है। निगम ने सार्वजनिक नोटिस में कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं हमारी सहमति के बिना हमारे अधिकारियों या पूर्व अधिकारियों की तस्वीर, हमारे ब्रांड नाम तथा प्रतीक का दुरुपयोग करके सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन दे रहे हैं। हम इसेल लेकर जनता को सचेत करना चाहते हैं। नोटिस में जनता से एलआईसी सोशल मीडिया खातों पर ऐसे विज्ञापनों के 'यूआरएल लिंक' की जानकारी देने को भी कहा गया। एलआईसी ने कहा, बिना अनुमति हमारे ब्रांड का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे।

देश का औषधि निर्यात 9.67% बढ़कर पहुंचा 27.9 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत का दुनिया में मात्रा के हिसाब से तीसरा और मूल्य के हिसाब से 13वां सबसे बड़ा उद्योग

देश का औषधि निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67% बढ़कर 27.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 में निर्यात 25.4 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, मार्च में दवा निर्यात 12.73% बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया। 2023-24 में इस क्षेत्र के लिए शीर्ष पांच निर्यात बाजार अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील थे। भारत के कुल औषधि निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31% से अधिक रही।

उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते बाजार अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है। भारत का दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक 130 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार के विस्तार तथा विदेशी में बढ़ती मांग से यह हो पाएगा। 2022-23 में कारोबार 50 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा था।

भारत औसतन हर महीने दो से तीन अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात करता है। देश का दवा उद्योग दुनिया में मात्रा के हिसाब से तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के हिसाब से 13वां सबसे बड़ा उद्योग है, जो 60 चिकित्सीय श्रेणियों में 60,000 से अधिक जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करता है।

हलाल प्रमाणपत्र देने वाले निकायों की मान्यता चार जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने हलाल प्रमाणपत्र देने वाले निकायों की मान्यता और निर्यात इकाइयों के पंजीकरण की समय सीमा तीन महीने बढ़ाकर चार जुलाई कर दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने पिछले साल मांस और मांस उत्पादों के लिए हलाल प्रमाणन प्रक्रिया के लिए नीति और शर्तों को अधिसूचित किया था। साथ ही मौजूदा निकायों को आई-सीएएस (भारत अनुरूप मूल्यांकन योजना) हलाल के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी) से पांच अप्रैल, 2024 तक मान्यता लेने का निर्देश दिया था। डीजीएफटी ने अधिसूचना में कहा, हलाल प्रमाणन निकायों की मान्यता और निर्यात इकाइयों के पंजीकरण की समय अवधि तीन महीने यानी चार जुलाई तक बढ़ाई है। विदेश व्यापार महानिदेशालय वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत आता है। यह निर्यात और आयात से संबंधित मुद्दों को देखता है। मांस और उसके उत्पादों को 'हलाल प्रमाणित' के रूप में निर्यात की अनुमति तभी दी जाती है, जब वे भारतीय गुणवत्ता बोर्ड से मान्यता प्राप्त निकाय से मिले प्रमाण पत्र वाली सुविधा में उत्पादित, प्रसंस्कृत और पैक किये जाते हैं।

राष्ट्रीय

एक नजर

केन्द्रीय कारागार में कैदी ने की आत्महत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर केंद्रीय जेल में पॉक्सो मामले में बंद कैदी ने बुधवार को पिता से बात करने के बाद जूते के सलु से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जेल अधीक्षक शिवेंद्र कुमार ने बताया कि खैरथल जिला निवासी धीरेंद्र (21) पॉक्सो के मामले में 10 जनवरी 2024 से जेल में सजा काट रहा था। बुधवार सुबह उसने साढ़े नौ बजे एसटीडी पर पिता से बात की और कहा कि उसे जल्दी जमानत कराकर जेल से निकलवाओ। यहां उसका दम घुट रहा है। पिता के जवाब के बाद मायूस हो गया और अपने बैरेक में चला गया। 10 बजे वह नहाने गया, लेकिन वह जिंदा वापस नहीं आया।

कश्मीर में 15 तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दस तस्करों की पहचान सलामाबाद के बशरत अहमद रैना, बांदी के चंगेज़ खान और उरी में परानपीलन के सैयद मेहताब हुसैन, लचीपोरा बिझामा के मंजूर अहमद लोन उर्फ मुन्ना, मदियान कमलकोटे के नजर दीन भट्टी, नूरखाह के इमरान अहमद खान, लवायपोरा एचएमटी के आशिक हुसैन परे उर्फ इलाही, मालपोरा सोपोर के अल्ताफ अहमद मीर, वाटरगाम वागूरा के अमीर सुभान मल्ला और चानपोरा के साहिल अहमद रेशी कुन्जर के तौर पर की है। इसके अलावा अन्य पांच तस्करों में वानपोरा खुदवानी के मोहम्मद उर्फ रमजान शेख उर्फ रम्म शेख, ब्रेज़लू जागीर के आरिफ अहमद भट, मांचेवा यारीपोरा के फिरदौस अहमद शेख, ब्राज़लू जागीर के शाहिद अहमद भट और मालवान देवसर के हिलाल अहमद डार है।

नशीले कैप्सूल रखने में 10 साल की जेल

श्रीगंगानगर। राजस्थान के हनुमानगढ़ में एनडीपीएस एक्ट मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश रूपचंद सुथार ने नशीले कैप्सूल बरामद होने के मामले में आरोपी रवीश कुमार को बुधवार को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनायी। विशिष्ट लोक अभियोजक दिनेश दाधीच ने बताया कि हनुमानगढ़ जिले में टिब्बी थाने में नौ फरवरी 2020 को खाराखेड़ा गांव में हनुमान मंदिर के पास रवीश कुमार को गिरफ्तार किया, जिसके पास नशे के रूप में इस्तेमाल किये जाने वाले पर पारवोरिन पास के 600 कैप्सूल बरामद हुये। खाराखेड़ा गांव निवासी रवीश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

प्रेमी संग मिलकर महिला ने की पति की हत्या

जीपीएम। छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला के पेंड्रा थाना क्षेत्र में महिला के प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया।पुलिस को सूचना मिली की लालचंद नायक अपनी बाड़ी में फांसी पर लटका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की। शक मृतक की पत्नी था। पुलिस ने दुर्गावती नायक से पूछताछ की तो उसने बताया कि प्रेमी कमलेश्वर के साथ उसने 20 अप्रैल की रात पति का गला दबाकर हत्या कर दी और शव को लटका दिया।

फ्लाईओवर से लटका मिला शव

नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी के अमन विहार इलाके में बुधवार सुबह 35 वर्षीय एक व्यक्ति का शव एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर से लटका हुआ मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक उन्हें एक राहगीर ने इसकी सूचना दी थी। मृतक की पहचान हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि हरप्रीत ने आत्महत्या की है।

संजय राउत के सहयोगी की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने मुंबई के पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन जांच में शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के सहयोगी प्रवीण राउत की 73 करोड़ से अधिक की जमीन कुर्क की है। अचल संपत्तियां पालघर, दापोली, रायगढ़ और ठाणे में और उसके आसपास स्थित हैं। ईडी ने मामले में संजय राउत और प्रवीण राउत दोनों को गिरफ्तार किया था। धन शोधन का मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की प्राथमिकी से उपजा है।

जाति जनगणना को कोई नहीं रोक सकता: राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने भाजपा पर किया तीखा प्रहार, बोले- घोषणापत्र से प्रधानमंत्री घबरा गए

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो अपने आप को देशक्त कहते हैं वो 90 प्रतिशत लोगों के लिए 'न्याय' सुनिश्चित करने वाली जाति आधारित जनगणना के 'एक्सरे' के विरोध में हैं, लेकिन वे जाति आधारित जनगणना को रोक नहीं सकते।

राहुल गांधी ने दावा किया कि मोदी उनकी पार्टी के 'क्रांतिकारी' घोषणापत्र से घबरा गए हैं। मैं यह कह रहा हूं कि हिंदुस्तान में लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। मैंने ऐसा नहीं कहा कि हम कोई कार्रवाई करेंगे, हमने सिर्फ यह कहा कि यह पता लगाएंगे कि कितना अन्याय हो रहा है। राहुल ने कहा कि अगर किसी को चोट लगी है और मैं कहूं कि आप एक्सरे करा लीजिए, तो इससे किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। मीडिया को देखिए, नरेन्द्र मोदी को देखिए, जब मैंने यह कहा कि पता करते हैं कितना अन्याय है तो यह सारे खड़े हो गए और कहने लगे कि देश तोड़ने और बांटने की कोशिश हो रही है।

एक्सरे से क्या बंटेगा? इससे तो लोगों को पता चलेगा कि उनकी भागीदारी कितनी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जाति आधारित जनगणना को कोई ताकत नहीं रोक सकती है क्योंकि हिंदुस्तान के लोगों को यह बात समझ में आ गई है। राहुल ने कहा कि भाजपा के लोग खुद को देशभक्त कहते हैं लेकिन जातिगत जनगणना के 'एक्सरे' से डरते हैं। मोदी ने देश से 10 साल कहा कि वह ओबीसी हैं। जैसे ही मैंने जाति आधारित जनगणना और एक्सरे की बात की तो मोदी कहते हैं की जाति ही नहीं होती है। अगर जाति नहीं है तो आप ओबीसी कैसे हैं? आपको उसी समय कहना चाहिए था कि मेरी कोई जाति नहीं है।

वास्तविक मुद्दों से लोगों का ध्यान हटा रहे प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका

वायनाड (केरल), एजेंसी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी चुनाव प्रचार के दौरान भी वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगे हैं।

वायनाड क्षेत्र में तीन नुक्कड़ सभाओं में भाजपा को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार मूल्य वृद्धि और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ध्यान देने में विफल रही है। वायनाड से राहुल गांधी फिर किस्मत आजमा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर धर्म के आधार पर वोट पाने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि लोकसभा चुनाव 'लोकतंत्र और संविधान को बचाने' का अवसर है। प्रियंका ने कहा कि दस साल तक शासन करने वाली भाजपा सरकार ने जनता को बांटने पर ध्यान केंद्रित कर रखा है और वह कुछ उद्योगपतियों को संसाधन देकर उन्हें और अमीर बना रही है। भाजपा नेताओं ने जन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया है। वे विकास की बात नहीं करेंगे, वे वास्तविक मुद्दों पर बात नहीं करेंगे।

वायनाड में सार्वजनिक बैठक में मौजूद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा।

अदालत ने केजरीवाल को जवाब देने के लिए दिया वक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की अदालत ने आबकारी नीति मामले में ईडी द्वारा जारी समन को कथित तौर पर नजरअंदाज करने को लेकर आदेश के खिलाफ पुनर्विचार की मांग करने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दो याचिकाओं पर एजेंसी के जवाब पर प्रतिक्रिया देने के लिए आप नेता को समय दिया है।

ईडी की शिकायत पर एक मजिस्ट्रेट अदालत ने केजरीवाल को समन जारी किया था और उनके खिलाफ एक आदेश पारित किया था, जिसको चुनौती देते हुए 'आप' नेता ने विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। ईडी ने मामले में जारी समन से कथित तौर पर बचने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मजिस्ट्रेट अदालत में शिकायत की थी। विशेष न्यायाधीश राकेश सयाल ने केजरीवाल की अपील पर ईडी के जवाब मिलने के बाद आप संयोजक को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। केजरीवाल के वकीलों ने अदालत को बताया कि ईडी मामले में 'आप' नेता को गिरफ्तार कर चुकी है इसलिए उन्हें अब इस बारे में उनसे कोई निर्देश नहीं मिला इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए, जिसके बाद अदालत ने यह आदेश दिया। अब 14 मई को याचिका पर सुनवाई करेगी।

समन अनदेखी मामला

- ईडी की शिकायत पर समन भेजने और आदेश को चुनौती देने आप नेता पहुंचे थे विशेष अदालत

केजरीवाल से मिले सौरभ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री केजरीवाल से मुलाकात की, जो 30 मिनट चली। भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल ने जनता से कहा है कि उनकी चिंता न करे। वह मुलाकात जंगले में मिले और इंटरकॉम पर बातचीत हुई।

चुनावी बांड: एसआईटी जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली। रद कर दी गई चुनावी बांड योजना में 'घोटाले' का आरोप लगाते हुए इसकी जांच उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराने का निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका शीर्ष अदालत में दायर की गई है। अधिवक्ता प्रशांत भूषण के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों - कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन- द्वारा संयुक्त रूप से दायर याचिका कहा गया है कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख में बेदाग निष्ठावान मौजूदा या सेवानिवृत्त अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा जांच की जानी चाहिए।

याचिका में दावा किया गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि बड़ी संख्या में बांड कई कॉरपोरेट्स द्वारा राजनीतिक दलों को अनुबंध या लाइसेंस या पट्टे प्राप्त करने के लिए दिए गए हैं। कुछ उदाहरणों में यह देखा गया है कि केंद्र या राज्यों के सत्ताधारी राजनीतिक दलों ने सार्वजनिक हित की कीमत पर निजी कॉर्पोरेट्स को लाभ प्रदान करने के लिए नीतियों या कानूनों में स्पष्ट रूप से संशोधन किये। याचिका में ईडी, आईटी, सीबीआई पर भी सवाल उठाए गए हैं।

उच्च न्यायालय के फैसले को ममता ने दी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षक भर्ती मामले में प. बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ममता सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ये मामला 2016 में हुई शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की 24 हजार नियुक्तियों को रद करने से जुड़ा है।

राज्य सरकार ने याचिका में दावा किया है कि नियुक्तियां रद करने से शिक्षा प्रणाली ठप हो जाएगी। तथ्य की अनदेखी की गई है, नियुक्तियों को रद करने से स्कूलों में शून्य की स्थिति पैदा हो जाएगी, खासकर जब नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो रहा हो। हाईकोर्ट के शिक्षक भर्ती रद करने के आदेश के बाद शिक्षकों को चार हफ्ते में वेतन भी वापस करना होगा। वहीं मंगलवार को प. बंगाल के मुख्य सचिव को हाईकोर्ट ने 2016 के स्कूल नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए पूर्व लोक सेवकों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए 23 अप्रैल तक का समय दिया था। लेकिन मुख्य सचिव ने अब तक इसका पालन नहीं किया। इस पर हाईकोर्ट ने कहा था यदि मुख्य सचिव ने आदेश का पालन नहीं किया तो उन पर कार्रवाई होगी।

जांच के खिलाफ प. बंगाल के मुकदमे पर सुनवाई एक मई तक स्थगित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प. बंगाल सरकार द्वारा दाखिल मुकदमे पर सुनवाई बुधवार को एक मई तक के लिए स्थगित कर दी। सरकार ने सीबीआई पर राज्य से बिना मंजूरी प्राप्त किए चुनाव के बाद हिंसा मामलों में जांच को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई को स्थगित करने के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध के बाद मामले को स्थगित कर दिया।

यमुना प्रदूषण: एनजीटी ने दो निकायों पर 65 करोड़ का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के दो नगर निकाय यमुना में प्रदूषित जल के प्रवाह को रोकने में नाकाम रहे और नियमों का उल्लंघन किया है। एनजीटी ने आगरा और मथुरा-वृंदावन के निगमों पर 65 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया।

हरित अधिकरण अनुपचारित अवजल के प्रवाह से आगरा और मथुरा-वृंदावन में यमुना के प्रदूषण के संबंध में दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि हमें यह मानने में झिझक नहीं कि यमुना की सुरक्षा और सफाई राज्य का वैधानिक और संवैधानिक दायित्व था, लेकिन वह इसमें विफल रहा है। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल भी थे। पीठ ने कहा कि आगरा और मथुरा-वृंदावन में निकाय जैसे वैधानिक निकाय यमुना में प्रदूषित सामग्री के प्रवाह को रोकने में विफल रहे हैं और अवजल को बहा कर इसे प्रदूषित होने दिया। पीठ ने कहा कि दोनों निगम और उनके एसटीपी का संचालन करने वाली एजेंसियों ने प्रवाह को न रोककर प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

ओबीसी आरक्षण पर कर्नाटक ने नहीं दिया उचित स्पष्टीकरण : आयोग

नई दिल्ली। कर्नाटक में संपूर्ण मुसलमान समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग- ओबीसी के अंतर्गत आरक्षण देने पर राष्ट्रीय ओबीसी आयोग ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस संबंध में उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया है। राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने बुधवार को यहां कहा कि कर्नाटक सरकार ने ओबीसी आरक्षण का श्रेणीकरण इस तरह से किया है कि संपूर्ण मुसलमान समुदाय ओबीसी आरक्षण में आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मुसलमान समुदाय को ओबीसी के अंतर्गत आरक्षण देने का आधार पूछा गया था जिसका राज्य सरकार से कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं मिला है। श्री अहीर ने कहा कि कर्नाटक में ओबीसी समुदाय को 32 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। राज्य सरकार ने ओबीसी आरक्षण में बंटवारा किया जिसमें श्रेणी प्रथम, प्रथम बी, द्वितीय बी, तृतीय ए और तृतीय बी बनायी हैं। प्रथम श्रेणी में 95 जातियां हैं जिनमें 17 मुसलमान जाति हैं। द्वितीय बी में 103 जातियां हैं जिनमें 19 मुसलमान जातियां भी शामिल हैं।

ट्रेलर और स्कार्पियो टकराने से पांच लोगों की मौत

नागौर। राजस्थान में नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र के हरसौर कस्बे में आज ट्रेलर और स्कार्पियो गाड़ी टकरा जाने से तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई तथा छह घायल हो गए। डेगाना पुलिस उपाधीक्षक रामेश्वर लाल ने बताया कि ये लोग हरसौर के पास स्थित रानाबाई मंदिर में दर्शन करने के लिए जा रहे थे कि उनकी स्कार्पियों गाड़ी और सामने से आर रहा ट्रेलर आपस में टकरा गये। ये जोधपुर के रिजनाली गांव के रहने वाले बताये जा रहे हैं। मृतकों में एक महिला भी शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं।

आयोग के सात स्थानों के लिए आठ दावेदार थे दौड़ में, मतदान प्रक्रिया के बाद चुने गए सात सदस्य

डब्ल्यूएफआई एथलीट पैनल के अध्यक्ष बने नरसिंह

वाराणसी, एजेंसी

- पूर्व पहलवान ने राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था स्वर्ण पदक
- पहलवानों की शिकायतों पर एथलीट आयोग ने उठाया कदम

राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह पंचम यादव बुधवार को यहां भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया जिससे खेल की विश्व संचालन संस्था द्वारा अनिवार्य की गई प्रक्रिया भी पूरी हो गई। आयोग के सात स्थानों के लिए कुल आठ दावेदार दौड़ में थे और मतदान के बाद सात सदस्यों को चुना गया। इसके बाद उन्होंने आयोग के अध्यक्ष पद के लिए नरसिंह को चुना।

2016 ओलंपिक से पहले टीम के सदस्य नरसिंह सुर्खियों में आ गये थे जब ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार ने उनके खिलाफ एक ट्रायल मुकाबले का अनुरोध किया था जबकि वह चोट के कारण क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में नहीं खेल पाये थे। सुशील ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उनकी अपील खारिज होने के बाद पुष्टि हो गयी कि नरसिंह ही रियो ओलंपिक जाएंगे, लेकिन हैरानी की बात रही कि नरसिंह ओलंपिक से पहले कराई गई दो डोप जांच में विफल हो गए थे जिससे खेल पंचाट ने उन्हें चार साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें यह कहते हुए पाक साफ करार कर दिया था कि वह साजिश के कारण डोप जांच में पॉजिटिव आए थे। खेल पंचाट का फैसला नरसिंह के शुरूआती मुकाबले से एक दिन पहले ही आया था जिससे वह रियो से बिना खेले ही वापस लौट आये थे। उनका प्रतिबंध जुलाई 2020 को खत्म हुआ और उन्होंने कहा कि था कि यह घटनाक्रम साजिश का हिस्सा था।

एथलीट आयोग के लिए चुने गए अन्य सदस्य साहिल (दिल्ली), स्मिता ए एस (केरल), भारतीय भाघेई (उत्तर प्रदेश), खुशबू एस पवार (गुजरात), निक्की (हरियाणा) और श्वेता दुबे (बंगाल) हैं। खेल की अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएआई का निलंबन हटाते हुए कहा था कि संजय सिंह की अगुआई वाली राष्ट्रीय महासंघ के लिए पहलवानों की शिकायतों को निपटाने के लिए एथलीट आयोग गठित करना अनिवार्य होगा।

आज का मुकाबला

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
समय : शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	08	379
ऋतुराज गायकवाड़ (सीएसके)	08	349
ऋषभ पंत (दिल्ली कैपिटल)	09	342

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	08	13
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	08	13
हर्षल पटेल (पंजाब)	08	13

आरसीबी के खिलाफ रनों का अंबार लगाने पर होंगी हैदराबाद की निगाह

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम जब गुरुवार को आईपीएल में निचले पायदान पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी निगाह फिर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रनों का अंबार लगाने की होगी।

इस आईपीएल चरण में तीन बार 250 रन का आंकड़ा पार कर चुकी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने तूफानी बल्लेबाजी दिखाई है, इसमें मुंबई इंडियंस उसका सबसे पहला शिकार बनी और फिर बेंगलुरू में 2016 की विजेता टीम ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। इतना ही काफी नहीं था कि एसआरएच ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 125 रन का रिकॉर्ड बनाने के साथ आईपीएल में पहली बार 300 रन पार करने की संभावना भी बना दी थी।

गुरुवार को भी अगर एसआरएच कुछ रिकॉर्ड बना दे तो हैरानी नहीं होगी और वो भी आरसीबी के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ, जिसकी संभावना काफी ज्यादा है। आरसीबी अब तक आठ में से सात मैच गंवाकर तालिका में निचले स्थान पर काबिज है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों की भरपाई करने के लिए मशक्कत की है लेकिन संतुलन के मामले में इतनी कमजोर टीम के लिए हरफनमौला प्रदर्शन दिखाना असंभव ही दिखता है।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	8	7	1	14	+0.698
कोलकाता	7	5	2	10	+1.206
हैदराबाद	7	5	2	10	+0.941
लखनऊ	8	5	3	10	+0.148
चेन्नई	8	4	4	8	+0.415
दिल्ली	9	4	5	8	-0.386
गुजरात	9	4	5	8	-0.974
मुंबई	8	3	5	6	-0.227
पंजाब	8	2	6	4	-0.292
बेंगलुरु	8	1	7	2	-1.046

खेल डायरी

एशियाई अंडर-22 में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी मुक्केबाज प्रीति

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक जाने वाली टीम की सदस्य मुक्केबाज प्रीति पवार 27 अप्रैल से कजाखस्तान के अस्ताना में शुरू होने वाली एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 50 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। 20 वर्षीय मुक्केबाज प्रीति के साथ अंडर-22 प्रतियोगिता में पूर्व युवा विश्व चैंपियन और 2022 एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता अलफिया पठान (81 किग्रा) भी हिस्सा लेंगी।

आईटीएफ के पूर्व अध्यक्ष ब्रायन टोबिन का निधन

लंदन। अंतर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के पूर्व अध्यक्ष ब्रायन टोबिन का सोमवार को निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। खेल की संचालन संस्था ने इसकी जानकारी दी। आईटीएफ ने कहा कि टोबिन का सोमवार को निधन हो गया। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अध्यक्ष ज्योफ पोलार्ड ने भी बुधवार को ओसनिया टेनिस महासंघ को संदेश में टोबिन के निधन की पुष्टि की।

उसेन बोल्ट को आईसीसी ने टी-20 विश्व कप का दूत बनाया

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है।

दिल्ली मैच जीता... गुजरात टाइटंस ने जीते दिल

आखिरी ओवर में 4 रनों से जीती दिल्ली कैपिटल्स, मिलर और राशिद ने खेली शानदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों की दमदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया। 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने आखिरी गेंद तक संघर्ष दिखाया। राशिद खान आखिर गेंद पर छक्का लगाने से चुके और दिल्ली को चार रन से जीत हासिल हुई। दिल्ली यह नौ मैचों में चौथी जीत है।

ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने गुजरात के लिए तेजी से रन बनाने का प्रयास किया। इसी दौरान एनरिक नॉर्टिज दूसरे ओवर में गिल (6) रन को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद साहा ने साई सुदर्शन के दूसरे विकेट के लिये 82 रन जोड़े। साहा को कुलदीप ने आउट किया। साहा ने 25 गेंदों में 39 रन बनाए। 11वें ओवर में अमतउल्लाह उमरजई (1) रन पर आउट हुए। उसके बाद डेविड मिलर ने कमान संभाली। साई सुदर्शन ने 39 गेंदों में सर्वाधिक 65 रन बनाए। वहीं मिलर ने 23 गेंदों में 55 रनों की अहम पारी खेली। शाहरुख खान (8), राहुल तेवतिया (4), साई किशोर (13) रन बनाकर आउट हुए। राशिद खान 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की टीम निधारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी और मुकाबला चार से हार गई। गुजरात की नौ मैचों में यह पांचवी हार है।

विकेट लेने के बाद खुशी मनाते दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी। ● एजेंसी

इससे पहले कप्तान ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 225 रनों का लक्ष्य दिया है। अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। फ्रेजर 14 गेंदों में 23 रन बनाए। उसके बाद पृथ्वी शॉ (11) और शो हॉप (5) रन बनाकर आउट हो गए। अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने पारी को संभाला। अक्षर पटेल ने 43 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली। उन्हें 17वें ओवर में नूर ने साई किशोर के हाथों कैच आउट कराया। पंत ने 43 गेंदों में नाबाद 88 रनों की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स सात गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 224 रन का स्कोर खड़ा किया।

दिल्ली 224/4 (20 ओवर, अतिरिक्त : 05)

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
पृथ्वी साव का नूर बो वारियर	11	7	2/0
जेक फ्रेजर मैकगर्क का नूर बो वारियर	23	14	2/2
अक्षर पटेल का साई सुदर्शन बो नूर	66	43	5/4
शाई होप का राशिद बो वारियर	5	6	1/0
ऋषभ पंत नाबाद	88	43	5/8
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	26	7	3/2

गेंदबाजी : उमरजई 4-0-33-0, वारियर 3-0-15-3, राशिद 4-0-35-0, नूर 3-0-36-1, मोहित 4-0-73-0, शाहरुख 1-0-8-0, साई किशोर 1-0-22-0

गुजरात 220/8 (20 ओवर, अतिरिक्त : 08)

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
रिद्धिमान सहा का अक्षर बो कुलदीप	39	25	5/1
शुभमन गिल का अक्षर बो नोर्किया	6	5	1/0
साई सुदर्शन का अक्षर बो रसिक	65	39	7/2
उमरजई का फ्रेजर मैकगर्क बो अक्षर	1	2	0/0
डेविड मिलर का रसिक बो मुकेश	55	23	6/3
शाहरूख खान का पंत बो रसिक	8	5	0/1
राहुल तेवतिया का पंत बो कुलदीप	4	5	0/0
राशिद खान नाबाद	21	11	3/1
साई किशोर बो रसिक	13	6	0/2
मोहित शर्मा नाबाद	0	0	0/0

गेंदबाजी : खलील 2-0-26-0, नोर्किया 3-0-48-1, रसिक 4-0-44-3, मुकेश 4-0-41-1, अक्षर 3-0-28-1, कुलदीप 4-0-29-2

ओलंपिक के लिए तैयार अदिति और दीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शुभंकर और गगनजीत को भी रैंकिंग के आधार पर मिल सकती है जगह

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक (46) और दीक्षा डागर (138) पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं जबकि शुभंकर शर्मा (197) और गगनजीत भुल्लर (232) के भी रैंकिंग के आधार पर खेलों में जगह बनाने की संभावना है। अदिति के लिए यह तीसरा ओलंपिक होगा जो किसी भारतीय गोल्फर की ओलंपिक में सबसे ज्यादा भागीदारी होगी।

दीक्षा दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा लेंगी। शर्मा और भुल्लर के लिए यह पहला ओलंपिक होगा। भारत के लिए ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अदिति के नाम है जो तोक्यो 2020 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थीं। ओलंपिक के लिए प्रविष्टियां भारतीय गोल्फ संघ द्वारा भेजी जाती हैं। ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन रैंकिंग से निर्धारित होता है जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के जरिये 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों के लिए सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर रैंकिंग में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए स्वतः ही क्वालीफाई कर लेते हैं जिसमें से प्रत्येक देश से अधिकतम चार गोल्फर इसमें हिस्सा ले सकते हैं। इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) में से प्रत्येक देश से दो शीर्ष खिलाड़ी शामिल होते हैं, बशर्तें देश के शीर्ष 15 में कम से कम दो गोल्फ खिलाड़ी शामिल नहीं हों। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहित थिगाला और अक्षय भाटिया पीजीए टूर पर काफी अच्छा खेल रहे हैं और दोनों ने इस हफ्ते अपने करियर की शीर्ष रैंकिंग हासिल की है, लेकिन अमेरिकी खिलाड़ियों के शीर्ष 15 रैंकिंग में दबदबे को देखते हुए उनके ओलंपिक में जाने की संभावना नहीं है। थिगाला की रैंकिंग 12 और भाटिया की रैंकिंग 33 है।

महिला फुटबॉल की कोच होंगी चाओबा

नई दिल्ली, एजेंसी

- 1999 में हुए एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय टीम की कर चुकी हैं कप्तानी
- पूर्वोत्तर की एकमात्र महिला कोच हैं जिनके पास है 'ए' कोचिंग लाइसेंस

आईएम विजयन की अगुआई वाली अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की तकनीकी समिति ने बुधवार को पूर्व खिलाड़ी लांगम चाओबा देवी के नाम की सिफारिश राष्ट्रीय महिला फुटबॉल कोच पद के लिए की है जिससे वह इस पद की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं। देवी (51 वर्ष) ने फिलीपींस में 1999 एशियाई चैंपियनशिप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। वह भारतीय टीम की सहायक कोच भी रह चुकी हैं।

एआईएफएफ ने कहा कि काफी सोच विचार के बाद समिति ने एल चाओबा देवी के नाम की सिफारिश भारतीय सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच पद के लिए की है। देवी पूर्वोत्तर की एकमात्र महिला कोच हैं जिनके पास एएफसी का 'ए' लाइसेंस कोचिंग प्रमाण पत्र है। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति इस सिफारिश को अगली बैठक में मंजूरी देगी। तकनीकी समिति ने विजयन की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक में यह सिफारिश की जिसमें पिंकी भोंपल मगर, शब्बीर अली, विक्टर अमलराज, संतोष सिंह और क्लाइमेक्स लॉरेंस शामिल थे।

बॉलीवुड हलचल

किंग में डॉन का किरदार निभाएंगे शाहरूख खान

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान फिल्म किंग में डॉन का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ फिल्म किंग में काम करने जा रहे हैं। चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म किंग में डॉन के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि फिल्म किंग शाहरुख खान के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसकी हर बारीकी पर खुद शाहरुख खान निर्देशक सुजॉय घोष और सिद्धार्थ आनंद से बात कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म किंग में शाहरुख खान के बाल लंबे होंगे और उनकी हल्की दाढ़ी भी होगी। मेकर्स फिल्म में उनके लुक से अपने दर्शकों को पूरी तरह से हैरान करने की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग इस साल सितंबर में शुरू होगी।

डांस ऑफ एनवी गाने पर थिरकेंगी माधुरी-करिश्मा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर कलर्स चैनल के पॉपुलर शो डांस दीवाने में अपनी सुपरहिट फिल्म दिल तो पागल है के गाना डांस ऑफ एनवी पर फिर थिरकती नजर आएंगी। यशराज बैनर तले वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म दिल तो पागल है में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, करिश्मा कपूर और अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का माधुरी और करिश्मा पर फिल्माय गाना डांस ऑफ एनवी काफी पॉपुलर हुआ था। माधुरी और करिश्मा की जोड़ी का जादू एक बार फिर इस गाने में देखने को मिला। कलर्स चैनल के पॉपुलर शो डांस दीवाने में करिश्मा कपूर स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगी।, जिसमें करिश्मा और माधुरी का डांस ऑफ एनवी भी देखने को मिलेगा। इससे जुड़ा प्रोमो सामने आ चुका है। इस प्रोमो में माधुरी और करिश्मा उसी डांस ऑफ एनवी को रिपीट करती नजर आ रही हैं।

भारतीय पुरुष, महिला कंपाउंड टीमों की नजरें स्वर्ण पदक पर

शंघाई में जीत के बाद अभिषेक वर्मा, प्रथमेश भालचंद्र फुगे और प्रियांश। ● एजेंसी

शंघाई, एजेंसी

तीरंदाजी विश्व कप

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने बुधवार को सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप में फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की चुनौती खत्म की।

भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्की और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर-18 और सीनियर चैंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाए। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

आईसीसी टी-20 बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर सूर्यकुमार

दुबई, एजेंसी

- 802 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के फिल साल्ट
- शाहीन अफरीदी सर्वोच्च रेटिंग वाले टी-20 गेंदबाज तेज गेंदबाज

भारत के स्टार सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी टी-20 रैंकिंग में 861 की रेटिंग के साथ शीर्ष पर कायम है। आईसीसीआई की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं। हाल ही में टी-20 में सबसे तेज तीन हजार रन बनाने वाले पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रैंकिंग में कोई फायदा मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। उनकी रेटिंग 800 की है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम एक पायदान आगे बढ़कर चौथे नंबर पर आ गए हैं और उनकी रेटिंग 755 की है।

मारक्रम के कारण पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है और वे एक स्थान नीचे खिसक कर पांचवें नंबर पर पहुंचे गये हैं। शीष पांच बल्लेबाजों के बाद छठे स्थान पर 714 रेटिंग के साथ यशस्वी जायसवाल हैं। दक्षिण अफ्रीका के राइली रूसो 689 की रेटिंग के साथ सातवें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के जॉस बटलर 680 की रेटिंग के साथ अब एक स्थान की उछाल के साथ आठवें नंबर पर पहुंच हैं। न्यूजीलैंड के फिन ऐलन एक स्थान नीचे यानी नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 666 की है। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेड्रिक्स 660 की रेटिंग के साथ अभी भी नंबर 10 पर बने हुए हैं।

वहीं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर पाकिस्तान के सर्वोच्च रेटिंग वाले टी-20 गेंदबाज हैं। वह न्यूजीलैंड केखिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाजी में टीम साउदी और तेज हारिस रऊफ 22वें स्थान पर हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

सेना खुले मंच पर करे चर्चा, पीटीआई ने गुप्त बातचीत को नकारा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जेल की सजा काट रहे पीटीआई (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) के संस्थापक और पूर्व पीएम इमरान खान उन दावों को सिरे से नाकारा है, जिनमें कहा जा रहा था कि उनकी सेना के साथ गुप्त वार्ता चल रही है।

पार्टी के अध्यक्ष गोहर खान ने रावलपिंडी की जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैंने आज पार्टी के संस्थापक इमरान खान से पूछा कि क्या कुछ संस्थानों ने बातचीत के लिए उनसे संपर्क किया है। इमरान खान ने स्पष्ट जवाब दिया, उनसे किसी ने संपर्क नहीं किया और न ही उन्हें किसी से बातचीत के लिए कोई संदेश मिला था। गोहर खान का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पाकिस्तान की मीडिया में कुछ खबरें आई थीं।

मालदीव में 30 द्वीपों का ठेका चीनी कंपनियों को देंगे मुइज्जू

माले, एजेंसी

- भारत विरोधी मुइज्जू को संसदीय चुनाव में बहुमत मिलने के बाद चीनी एजेंडे शुरू

मालदीव में भारत विरोधी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को संसदीय चुनाव में प्रचंड बहुमत के पाने के बाद साइड इफेक्ट शुरू हो गए हैं। 93 सीटों में से मुइज्जू की पार्टी को 68 सीटें मिली हैं। अब मुइज्जू ने चीन के एजेंडे पर काम शुरू कर दिया है। उनका पहला टास्क संविधान बदलना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभी राष्ट्रपति के अधिकारों पर संसद का नियंत्रण है। मुइज्जू राष्ट्रपति के आदेश को मंजूरी के लिए संसद में तीन चौथाई की जगह साधारण बहुमत का प्रावधान करेंगे। मुइज्जू 188 बसाहट वाले द्वीपों में से 30 नए द्वीपों में कंस्ट्रक्शन के ठेके चीनी कंपनियों को देंगे। यहां चीन की कंपनियां पहले चरण में एक हजार फ्लैट बनाएंगी। ये 30 नए द्वीप समुद्र हैं। इसे लैंड पाट कर बनाए गए है रिक्लेमेशन कहा जाता है। कर्ज चुकाने के लिए तुर्किये और सऊदी से इस्लामिक बॉन्ड, 4200 करोड़ जुटाएंगे मालदीव पर 54,186 करोड़ रुपये का विदेशी कर्ज है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार 2026 तक मालदीव को लगभग 9 हजार करोड़ का विदेशी कर्ज चुकाना होगा। इसके लिए राष्ट्रपति मुइज्जू ने इस्लामिक बॉन्ड के जरिए 4200 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान बनाया है।

बिजली बिल ज्यादा आने से नाराज युवक ने महिला कर्मी की हत्या की

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को बिजली बिल के विवाद में 33 वर्षीय युवक ने एमएसईडीसीएल की महिला कर्मी की हत्या कर दी। सुपा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी अभिजीत पोटे ने एमएसईडीसीएल में पहले शिकायत की थी कि उन्हें 570 रुपये का बढ़ा हुआ बिल मिला, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

नाराज आरोपी पोटे बुधवार को बारामती तहसील के मोरगांव में विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के कार्यालय पहुंचा और अंदर रिंकू थिटे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, घायल कर्मी को अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दुनिया का सबसे अमीर मंदिर बना तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम

दुनिया के सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने इस साल 1161 करोड़ रुपये की एफडी कराई है। पिछले 12 सालों में यहा सबसे ज्यादा है। बता दें कि यह ट्रस्ट दुनिया का सबसे अमीर मंदिर ट्रस्ट है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रस्ट देश का एकमात्र हिंदू धार्मिक ट्रस्ट है, जो पिछले 12 सालों में साल दर साल लगातार 500 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा की रकम जमा कर रहा है। 2012 तक, ट्रस्ट का फिक्स डिपॉजिट 4820 करोड़ रुपये था।

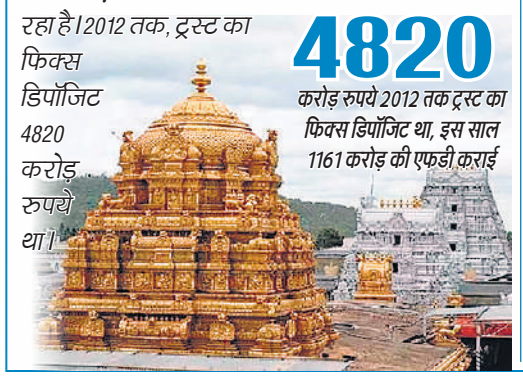

4820
करोड़ रुपये 2012 तक ट्रस्ट का फिक्स डिपॉजिट था, इस साल 1161 करोड़ की एफडी कराई

अब तक की सबसे बड़ी रकम

सभी बैंकों और ट्रस्टों में तिरुपति ट्रस्ट की नकदी 18817 करोड़ रुपये तक हो गई है। जो इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम है। बता दें कि ट्रस्ट अपनी एफडी पर ब्याज के रूप में सालाना लगभग 1,600 करोड़ रुपये की राशि कमाता है। इसके अलावा हाल ही में 1,031 किलोग्राम सोने की जमा के बाद, बैंकों में मंदिर का सोना भंडार भी बढ़कर 11,329 किलोग्राम हो गया है।

12 साल में 8467 करोड़ की रकम की जमा

तिरुपति ट्रस्ट ने 2013 से 2024 के बीच 8467 करोड़ रुपये की रकम जमा की है। यह देश के किसी भी मंदिर ट्रस्ट के लिए सबसे ज्यादा है। ट्रस्ट की बैंकों में कुल एफडी 13,287 करोड़ रुपये हो गई है। इसके अलावा मंदिर ट्रस्ट की ओर से संचालित कई ट्रस्ट जिसमें श्री वेंकटेश्वर नित्य अन्नप्रसादम ट्रस्ट, श्री वेंकटेश्वर प्राणदानम ट्रस्ट आदि है, जिन्हें भक्तों से पर्याप्त दान मिलता है। उनकी करीब 5529 करोड़ रुपये की फिक्स डिपॉजिट हो गई है।

पहली बार कोरोना काल में एफडी की राशि घटी

साल दर साल तिरुपति ट्रस्ट की फिक्स डिपॉजिट में बढ़ोतरी हो रही है। 2013 में 608 करोड़, 2014 में 970 करोड़, 2015 में 961 करोड़, 2016 में 1153 करोड़, 2017 में 774 करोड़, 2018 में 501 करोड़ की एफडी हुई थी। पिछले 12 सालों में पहली बार कोरोना काल में एफडी की राशि घट गई थी। 2019 में 285 करोड़, 2020 में 753 करोड़, 2021 में 270 करोड़, 2022 में 274 करोड़ की एफडी हुई थी। पिछले साल ट्रस्ट ने 757 करोड़ की एफडी कराई थी।

यहां बालों का किया जाता है दान

मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दु:ख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। इसलिए यहां अपनी सभी बुराइयों और पापों के रूप में लोग अपने बाल छोड़ जाते हैं। और मंदिरों में भगवान को चढ़ाया गया तुलसी पत्र बाद में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिया जाता है।

यूएन में भारत बोला- पाक आतंकियों के लिए कवच बना चीन का सीक्रेट वीटो

कंबोज बोलीं- चुनौतियों का सामना करने के लिए सुरक्षा परिषद का रिकॉर्ड निराशाजनक

वाशिंगटन,एजेंसी

भारत ने चीन पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंध समितियों में प्रस्तावों पर लगाई गईं रोक एक प्रकार का 'छिपा हुआ वीटो' है और इसकी आड़ में पाकिस्तान स्थित वैश्विक आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने जैसे मामलों पर परिषद के कुछ सदस्य देश कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत रुचिरा कंबोज ने मंगलवार को यह बात कही। रुचिरा कंबोज ने एक बयान में कहा, किसी भी संस्थान के काम करने के तरीकों को उसके सामने आने वाली चुनौतियों का जवाब देना चाहिए। बढ़ती हुई चुनौतियों का मुकाबला करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रिकॉर्ड काफी निराशाजनक रहा है।

कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'वीटो पहल- संयुक्त राष्ट्र प्रणाली को मजबूत करना' प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि सुरक्षा परिषद ने वीटो को छिपाने के लिए अपने कामकाज के तरीके का उपयोग किया। उसने इस काम को अपनी समितियों की तदर्थ कार्य पद्धतियों के माध्यम से छिपाने का प्रयास किया है जो उसकी तरफ से काम तो करती है किंतु उसकी जवाबदेही बहुत कम है। दो साल पहले, संयुक्त राष्ट्र महासभा में संकल्प 76/262 को अपनाया गया था जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि 193 सदस्यीय महासभा के अध्यक्ष 15 देशों की सुरक्षा परिषद के एक या अधिक स्थायी सदस्यों द्वारा वीटो करने के 10 दिनों के भीतर एक औपचारिक बैठक बुलाएंगे। कंबोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव में परिषद के कामकाज के तरीकों की अपारदर्शिता को संबोधित करने और जवाबदेही तय करने की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करने वाली भावना का स्वागत है। उन्होंने कहा, इन प्रयासों के महत्व को पहचानते हुए, हम चाहेंगे कि इन प्रयासों को इस तरह से किया जाए जिससे उंगली उठाने के बजाय आम सहमति बनाने का माहौल बने। बता दें, सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य की हैसियत से चीन मसूद अजहर पर प्रतिबंध संबंधी भारत के प्रस्ताव को लगातार रोक रहा है। इस तरह के प्रस्ताव अल कायदा प्रतिबंध कमेटी में रखे जाते हैं, जो सुरक्षा परिषद का सहायक संगठन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि सुरक्षा परिषद के कार्यों को किस तरह से वीटो के जरिये निष्प्रभावी किया जाता है।

चीन ने आतंकियों पर प्रतिबंध के लिए लगाई है रोक

रुचिरा कंबोज ने कहा, हममें से जो लोग मंजूरी समितियों की कार्य प्रणाली और रोक और अवरोध लगाने की इसकी परंपरा से परिचित हैं, वे जानते हैं कि ये उन मामलों पर एक प्रकार की छिपी हुई वीटो शक्ति हैं, जिन पर कुछ परिषद सदस्य कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे और उन्हें अपने निर्णयों की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं होती है। कंबोज की यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से चीन के संदर्भ में है। चीन ने सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को नामित करने के लिए भारत और अमेरिका जैसे उसके सहयोगी देशों द्वारा पेश किए गए प्रस्तावों पर बार-बार रोक लगाई है।

ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर 18 लाख की ठगी

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पदमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कुछ व्यक्तियों पर ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर 18 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, चक 23 बीबी निवासी हरजिंदर सिंह द्वारा अदालत में दायर किए गए इस्तगासा के आधार पर कपिल शर्मा (28) निवासी चक 7-ईईए, उमेश (36) निवासी चक 2-आरबी तहसील पदमपुर, सुखविंदर सिंह (30) और सतनाम सिंह(30) निवासी चक 6-जेकेएम तहसील रायसिंहनगर हरविंदर सिंह (36) निवासी चक 6-पी तहसील अनूपगढ़ और सुमीर (40)के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा-मामले में आगे की जांच की जा रही है।

संचार तकनीकी का दुरुपयोग कर रहे आतंकी

मॉस्को, एजेंसी

- डोभाल बोले-मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी

भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग का मुकाबला करने के लिए सहयोग जारी रखेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बुधवार को यह भरोसा दिया और कहा कि सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने और विश्वसनीय व समावेशी ढांचा बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डोभाल ने समावेशी आर्थिक विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की भारत की नीति के बारे में बताया। डोभाल ने जोर देकर कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों की ओर से सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग का मुकाबला करने के साथ-साथ आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए भी सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में साइबर अपराध पर संयुक्त राष्ट्र का समझौता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण पहल होगा। उन्होंने सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक खुले, स्थिर, सुरक्षित, विश्वसनीय और समावेशी ढांचे के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च रैंकिंग अधिकारियों की बारहवीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भाग लेने वाले डोभाल ने कहा कि इस तरह के सहयोग के रोडमैप में सरकारों से लेकर निजी क्षेत्र, शिक्षा, तकनीकी समुदाय और नागरिक समाज तक सभी हितधारकों को शामिल होना चाहिए।

दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित अमिताभ बच्चन

मुंबई, एजेंसी

अमिताभ बच्चन को सम्मानित करतीं लता मंगेशकर की छोटी बहन उषा मंगेशकर।

अभिनेता अमिताभ बच्चन को बुधवार को लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पांच मंगेशकर भाई-बहनों में सबसे बड़ी लता की 2022 में मृत्यु हो जाने के बाद परिवार और ट्रस्ट ने सुर सम्राज्ञी की याद में पुरस्कार की स्थापना की थी।

बच्चन (81) को यह सम्मान 24 अप्रैल को रंगमंच-संगीत के दिग्गज और मंगेशकर भाई-बहनों के पिता दीनानाथ मंगेशकर के स्मृति दिवस पर मिला। पुरस्कार ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा, मैंने कभी खुद को इस तरह के पुरस्कार के लायक नहीं समझा, लेकिन हृदयनाथ (मंगेशकर) जी ने बहुत कोशिश की कि मैं यहां आऊं। गायिका उषा मंगेशकर ने बच्चन को पुरस्कार प्रदान किया। पहले, मंगेशकर की दूसरी बहन और प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को पुरस्कार प्रदान करना था लेकिन वह अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। बता दें, यह पुरस्कार हर साल उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसने राष्ट्र, उसके लोगों और समाज के प्रति अग्रणी योगदान दिया हो।

एक नजर

स्वदेश लौटे भारत के 5 मछुआरे

कोलंबो। श्रीलंका द्वारा भारत के पांच मछुआरों को स्वदेश वापस भेज दिया गया है। बता दें कि सभी को द्वीप राष्ट्र के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के दौरान श्रीलंका की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किया गया गया था। श्रीलंका में भारत के राजदूत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पाच भारतीय मछुआरों को सुरक्षित वापस भेज दिया गया है। भारतीय दूतावास द्वारा यह भी बताया गया कि इस महीने की शुरुआत में भी श्रीलंका की नौसेना ने 19 भारतीय मछुआरों पकड़ा था, जिन्हें स्वदेश वापस भेजा गया। बता दें कि भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा है। इससे पहले श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की गई थी।

अमेरिका में मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो लोगों की मौत

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के अलास्का प्रांत में डगलस डीसी-4 मालवाहक विमानदुर्घटना ग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई। अलास्का स्टेट ट्रूपर्स की जानकारी के मुताबिक विमान ने फेयरबैंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी और करीब 11 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। विमान में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के अलास्का क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख विलंट जॉनसन ने बताया कि बचाव और जांच टीम को मौके पर भेजा गया है ताकि विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

बैंक प्रबंधक को छोड़ने के लिए फिरौती लेने आया अपहरणकर्ता गिरफ्तार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 22 अप्रैल को अपहरणकर्ताओं ने एक बैंक प्रबंधक का अपहरण कर लिया। प्रबंधक को छोड़ने की एवज में बदमाशों ने 50 लाख रुपये फिरौती मांगी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को बताया और एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फिरौती लेने आए अपहरणकर्ताओं को धर दबोचा। पुलिस की अपराध शाखा ने बैंक प्रबंधक को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से मुक्त करा लिया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आरोपी के कब्जे से एक पिस्तौल, एक देसी तमंचा, तीन कारतूस, वारदात में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी तथा चार लाख रुपये बरामद किए गए हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अमन ने बताया कि 22 अप्रैल को बल्लभगढ़ सेक्टर 62 क्षेत्र में हथियारबन्द आरोपी बैंक प्रबंधक सतीश को अगवा कर मथुरा ले गए। मामले की कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने आरोपी भूपेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

तेज हवा से गिरा निर्माणाधीन पुल

हैदराबाद : हैदराबाद के पेदापल्ली जिले में निर्माणाधीन पुल अचानक गिर गया। एक किमी लंबे इस पुल का काम 2016 से चल रहा था। यह पुल ओदेदू को गर्मिलापल्ली गांव से जोड़ने के लिए बनाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि रात में तेज हवा की वजह से पुल के दो गार्डर ढह गए। ● एजेंसी

भारतवंशी भाविनी पटेल डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव हारीं

वाशिंगटन। भारतवंशी भाविनी पटेल मंगलवार पेनसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राइमरी में हार गईं। मौजूदा सांसद समर ली को 12वें 'कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट' पेनसिल्वेनिया की प्राइमरी में विजेता घोषित किया गया।

ली को 59% वोट मिले, वहीं पटेल को 41 प्रतिशत वोट से संतोष करना पड़ा। बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी से उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने उम्मीद के अनुरूप 'प्राइमरी' चुनाव जीते। बाइडन को डेमोक्रेट्स से 94 फीसदी वोट मिले। पटेल बाइडन की समर्थक हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद पिट्सबर्ग पोस्ट-गजेट ने कहा, उनकी (पटेल) हार यह दिखाती है कि ली जैसी प्रगतिशील उम्मीदवार अब भी पिट्सबर्ग पर अपना वर्चस्व कायम कर सकती हैं...।

ईरान से व्यापार पर पाक को अमेरिकी नसीहत

- इशारों में पड़ोसी देश को अमेरिका ने चेताया, प्रतिबंधों से सजग रहे

वाशिंगटन, एजेंसी

तीन दिवसीय यात्रा संपन्न होने के बाद ईरानी राष्ट्रपति का आभार जताते शहबाज।

अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार करने वाले को अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में पता होना चाहिए। ईरानी राष्ट्रपति की पाकिस्तान यात्रा पर सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही।

यात्रा के दौरान पाकिस्तान और ईरान ने आठ एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए और द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब डॉलर तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। ईरानी राष्ट्रपति सैय्यद इब्राहिम रायसी की इस्लामाबाद यात्रा आठ फरवरी के आम चुनाव के बाद किसी राष्ट्र प्रमुख की पहली यात्रा थी। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान, ईरानी राष्ट्रपति ने अपने समकक्ष आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी आदि से मुलाकात की। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के आपूर्तिकर्ताओं पर प्रतिबंध लगाए थे। इनमें चीन की तीन कंपनियां भी शामिल थीं। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने कहा कि प्रतिबंध इसलिए लगाए गए थे, क्योंकि ये सभी संस्थाएं सामूहिक विनाश के हथियारों की प्रसारक थीं।

अगर निकाहनामे की शर्तें अस्पष्ट तो विवाद की स्थिति में पत्नी को मिलेगा लाभ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिन एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि निकाहनामे में लिखे गए नियम-शर्तों में किसी भी तरह की अस्पष्टता के मामले में यदि कोई विवाद होता है तो महिला को लाभ दिया जाएगा। इसमें वे शर्तें भी शामिल होंगी, जिन पर निकाह के समय सहमति बनी होगी। जस्टिस अमीनुद्दीन खान और न्यायमूर्ति अतहर मिनुल्लाह की दो सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को एक दंपती के तलाक से संबंधित याचिका पर फैसला सुनाया है। अपील पर 10 पन्नों का विस्तृत फैसला जारी किया गया।

तलाक के बाद एक महिला ने निकाहनामे में निर्धारित शर्तों के तहत दहेज और अन्य वस्तुओं को वापस मांगा। निकाहनामा एक इस्लामी निकाह अनुबंध होता है, जिस पर निहाह के समय दोनों पक्ष (शौहर-बेगम) हस्ताक्षर करते हैं। मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा तो महिला को निकाहनामे में दर्ज जमीन का एक हिस्सा दे दिया गया। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का फैसला सुनाया है।

विज्ञान खगोलविदों ने किया खुलासा, हमारे सौर मंडल के पड़ोस में एक अलग दुनिया का संकेत देती है यह खोज

ब्रॉउन ड्वार्फ के मीथेन की आश्चर्यजनक खोज

नैनीताल कार्यालय

ब्रॉउन ड्वार्फ की तस्वीर।

अमृत विचार : खगोलविदों ने ठंडे भूरे बौने (ब्रॉउन ड्वार्फ) पर मीथेन की अप्रत्याशित खोज की है। यह खोज जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए हुई है। इस ब्रॉउन ड्वार्फ का तापमान 400 डिग्री फ़ारेनहाइट है। इस खोज से हमारे सौर मंडल के पड़ोस में एक अलग दुनिया का संकेत मिलता है। ब्रॉउन ड्वार्फ ब्रह्मांड के वह पिंड हैं, जो न तो तारे बन पाते हैं और ना ही ग्रह। इन्हें तारे व ग्रह के बीच के पिंड कह सकते हैं। ब्रह्मांड में इनकी भी बड़ी संख्या है। पहले माना जाता था कि इनकी संख्या सीमित है। मगर वास्तव में ऐसा बिलकुल नही है। पिछले करीब दो दशक से ब्रॉउन ड्वार्फ के शोध में तेजी आई है। जिस कारण इनके बारे में जानकारी का लगातार विस्तार हो रहा है। नई खोज न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि ब्रह्मांड में ब्रॉउन ड्वार्फ में जीवन होने का इशारा भी करती है। शोध में निष्कर्षों से पता चलता है कि यह भूरा बौना हमारे अपने ग्रह के साथ-साथ बृहस्पति और शनि की तरह ध्रुवीय रोशनी उत्पन्न कर सकता है। ब्रॉउन ड्वार्फ आकार में ग्रहों से अधिक विशाल और तारों से हल्के व छोटे होते हैं। हमारे सौर मंडल के पड़ोस में फैले हुए हैं। अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के वैज्ञानिक जैकी फाहर्टी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने 12 भूरे बौनों की जेम्स वेब टेलेस्कोप से जांच पड़ताल की। जिसमें सी डब्लू आई एस ई पी जे 193518.59-154620.3 ब्रॉउन ड्वार्फ कुछ अलग नजर आया। इसका शार्ट नाम डब्लू 1935 है। यह ब्रॉउन ड्वार्फ हमसे - 47 प्रकाश वर्ष दूर है। यह अन्य ब्रॉउन ड्वार्फ की तुलना में ठंडा है। इसके द्रव्यमान अभी अच्छी तरह से ज्ञात नहीं हो पाया है, लेकिन संभवतः यह बृहस्पति के द्रव्यमान के 6-35 गुना के बीच हो सकता है।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप खोज में मील का पत्थर

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के विकसित होने के बाद ब्रह्मांड में आश्चर्यजनक खोज होने लगी है। इस दूरबीन के जरिए सैंकड़ो खोज हो चुकी हैं। हर खोज में कुछ नया देखने को मिलता है। साथ ही खगोल विज्ञान को दिशा देने व आगे बढ़ाने में जेम्स अभी तक मील का पत्थर साबित हुई है।

जमानत याचिका पर हाईकोर्ट कर रहा देरी... हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार

नई दिल्ली, एजेंसी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया हैं। सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि हाईकोर्ट गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर फैसला नहीं सुना रहा है। हाईकोर्ट ने 28 फरवरी से मामले में फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

हेमंत सोरेन ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से मामले पर जल्दी सुनवाई करने की गुहार लगाई। प्रवर्तन निदेशालय ने सात घंटे की पूछताछ के बाद 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार कर लिया गया था वह तभी से हिरासत में हैं। गिरफ्तारी के कुछ देर पहले ही सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। ईडी हेमंत सोरेन के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन खरीद-फरोख्त और आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर कर पैसा बनाने की जांच कर रही है। बुधवार को हेमंत सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र करते हुए केस को जल्दी सुनवाई पर लगाने का अनुरोध किया।